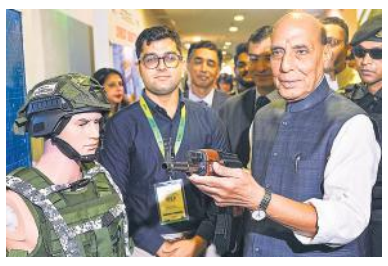

देश ने घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ के सैन्य उपकरण खरीदे : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह - 12

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत और अमेरिका व्यापारिक समझौते पर वार्ता जारी- 12

अपनों पर बम गिराता है पाकिस्तान नरसंहार-बलात्कार भी उसे मंजूर - 13

स्मृति मंधाना आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार- 14

आज का मौसम

29.0⁰ अधिकतम तापमान

21.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.08

सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया 02:22 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

बुधवार, 8 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 319, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत किया

विश्व बैंक ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। पूर्व में इसके 6.3% रहने की संभावना जताई गई थी। साथ ही अनुमान भी जताया कि उपभोग वृद्धि में लगातार मजबूती के बल पर भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

विश्व बैंक ने हालांकि आगाह किया कि अमेरिका के भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क का आने वाले वर्ष में देश पर प्रभाव पड़ेगा। इसने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया विकास सूचना (अक्टूबर 2025) में कहा गया, उपभोग वृद्धि में लगातार मजबूती के बल पर भारत के दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। इसके मुताबिक घरेलू परिस्थितियां, विशेष रूप से कृषि उत्पादन और ग्रामीण वेतन वृद्धि, अपेक्षा से बेहतर रही हैं। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्वानुमान घटा दिया गया है।

भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले लगभग तीन-चौथाई माल पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के चलते ऐसा किया गया। दक्षिण एशिया में वृद्धि दर 2024-25 के 6.6 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 5.8 प्रतिशत रह सकती है।

मोदी का सरकारी मुखिया के रूप में 25वां वर्ष शुरू, साझा की यादें

- 2001 में 7 अक्टूबर को बने थे गुजरात के सीएम, कहा- बीते 11 वर्षों में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए
- प्रधानमंत्री ने पोस्ट किया- लोगों के जीवन में सुधार और राष्ट्र की प्रगति में योगदान का प्रयास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सरकार के मुखिया के रूप में अपने 25वें वर्ष की शुरुआत करते हुए कहा कि लोगों के जीवन में सुधार लाना और इस महान राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना उनका निरंतर प्रयास रहा है। मोदी ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

उन्होंने उन बदलावों पर जोर दिया जो पहले उनके गृह राज्य में और फिर उनके कार्यकाल में पूरे देश में आए। उन्होंने कहा, अपने साथी भारतीयों के निरंतर आशीर्वाद से मैं सरकार के मुखिया के रूप में अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं। भारत की जनता के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, इन सभी वर्षों के दौरान मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि हम अपने लोगों के जीवन को बेहतर बनाएं तथा इस महान राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें, जिसने हम सभी का पालन-पोषण किया है। कहा कि भारतीय किसान नवाचार कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राष्ट्र आत्मनिर्भर हो, जबकि सरकार ने व्यापक सुधार किए हैं। कहा, बीते 11 वर्षों में हम भारत के लोगों ने परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए निर्णायक कदम उठाते हुए देश में अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन किए।

2013-14 में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता था भारत

मोदी ने कहा कि जब भाजपा ने 2013 में उन्हें 2014 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार चुना था, तब देश विश्वास और शासन के संकट से गुजर रहा था। तत्कालीन संप्रग सरकार भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और नीतिगत निष्क्रियता के सबसे बुरे रूप का पर्याय थी। भारत को वैश्विक व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता था। लेकिन, भारत की जनता के विवेक ने हमारे गठबंधन को भारी बहुमत दिलाया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी नियुक्ति को याद करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने बहुत ही कठिन परिस्थितियों में पदभार संभाला था, क्योंकि राज्य में भीषण भूकंप आया था और लोगों की परेशानियां और भी बदतर हो गई थीं, क्योंकि वे इससे पहले एक बड़े चक्रवात, लगातार सूखे और राजनीतिक अस्थिरता से घिरे हुए थे। मोदी ने मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करते समय अपनी मां द्वारा दिए गए सुझावों को बड़े प्रेम से याद किया।

ब्रीफ न्यूज

आईएएस अफसर सुरेन्द्र सिंह बने मुख्यमंत्री के सचिव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 2005 बैच के आईएएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव बने हैं। दिल्ली के उप-राज्यपाल सचिवालय में तीन साल की प्रतिनियुक्ति पूरी करने के बाद सुरेन्द्र सिंह की वापसी हुई है। सुरेंद्र सिंह एक तेज-तर्रार और अनुभवी अधिकारी माने जाते हैं। इससे पहले भी वह मुख्यमंत्री योगी के सचिव रह चुके हैं और शासन में अपनी अहम भूमिका निभा चुके हैं। सुरेन्द्र सिंह की जन्मस्थली मथुरा है। वह मेरठ मंडल के कमिश्नर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी सफलतापूर्वक कार्य कर चुके हैं। सुरेन्द्र मुजफ्फरनगर, कानपुर नगर, वाराणसी, बरेली, प्रतापगढ़ जैसे जिलों के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं।

देवेगौड़ा संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को संक्रमण के बाद मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मणिपाल अस्पताल ने एक बयान में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री को संक्रमण के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है और चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, जनता दल (सेक्युलर) प्रमुख देवेगौड़ा (92) को बुखार था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ऊर्जा बैठक में मनोहर लाल ने की अगुवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल दक्षिण अफ्रीका में ऊर्जा बदलाव पर आयोजित जी-20 मंत्री-स्तरीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधित्व की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल सात से 10 अक्टूबर, 2025 तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाली जी20 मंत्री-स्तरीय बैठक में भाग लेंगे। यह चार-दिवसीय सम्मेलन मंगलवार से शुरू हो गया है। बैठक में विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधि वैश्विक ऊर्जा भविष्य से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

सफाई कर्मियों के साथ अप्रिय घटना पर 40 लाख मुआवजा देगी सरकार

मुख्यमंत्री योगी ने वाल्मीकि जयंती पर कर्मचारियों को दी बड़ी सौगात

- कहा- अब आउटसोर्सिंग कंपनी नहीं, सरकार का कॉरपोरेशन सीधे बैंक खाते में देगा पैसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी को प्रतिमा भेंट करते एमएलसी लालजी प्रसाद निर्मल।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सफाई कर्मियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने घोषणा की कि अब सफाई कर्मियों को वेतन आउटसोर्सिंग कंपनियों के बजाय सीधे सरकार के कॉरपोरेशन से बैंक खाते में मिलेगा। स्वच्छता कर्मियों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी के साथ दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है तो 35 से 40 लाख तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से दी जाएगी।

विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि सपा सरकार में सफाई कर्मियों का शोषण होता था। इन्हें चार हजार रुपये भी नहीं मिल पाता था। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट द्वारा आयोजित महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आपकी सुरक्षा समाज की सुरक्षा है, आपका सम्मान भगवान वाल्मीकि की विरासत का सम्मान है। उन्होंने बताया कि जैसे प्रदेश के 80 हजार होमगार्ड्स को बीमा कवर दिया गया है, वैसे ही अब सफाई कर्मचारियों को भी यह लाभ मिलेगा। योगी ने कहा कि सपा ने बाबा साहेब आंबेडकर और मान्यवर कांशीराम के नाम से बने कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के नाम बदल दिए। ये लोग हर काम को वोटबैंक की नजर से देखते हैं।

कहा कि सपा सरकार में सफाई कर्मियों को चार हजार रुपये तक का वेतन भी समय पर नहीं मिलता था, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले कहा कि मैला ढोने की कुप्रथा बंद होनी चाहिए। आज हर घर में शौचालय बना।

लालापुर आश्रम कब्जा रहे थे सपा के गुंडे

योगी ने कहा कि सपा के गुंडे लालापुर के आश्रम पर कब्जा कर रहे थे। हमने कहा, नाम नोट करो, इनके बाप-दादाओं ने जो प्रॉपर्टी जमा की है, उसे आश्रम के नाम पर करवा डालो। कहा कि यह राम व कृष्ण का विरोध करते हैं। विपक्षी कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं यानी इन्होंने महर्षि वाल्मीकि के प्रकट उत्सव पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया, तब भी सपा ने विरोध किया।

बच्चे पढ़ाने की अपील

योगी ने वाल्मीकि समाज से अपील की कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें और पढ़ाएं। बोले कि जब बच्चे शिक्षित होंगे तो समाज का नेतृत्व करेंगे। कोई काम छोटा नहीं होता। मां अपने बच्चे की गंदगी साफ करती है, वैसे ही आप समाज को स्वच्छ बनाते हैं।

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन की चपेट में आई बस, 18 की मौत

- बिलासपुर में मंगलवार शाम हुआ हादसा, बचाव कार्य जारी

शिमला, एजेंसी

भूस्खलन की चपेट में बस के आने के बाद बचाव अभियान में जुटा प्रशासन।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार शाम एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 18 यात्रियों की मौत हो गई। यह दुर्घटना झंडूता विधानसभा क्षेत्र के भालूघाट इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि बस में तीन दर्जन यात्री सवार थे और यह हरियाणा के रोहतक से घुमारवीं जा रही थी।

पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है। अब तक मलबे से 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। बचाव कार्य में लगे एक पुलिसकर्मी ने बताया कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बस पर गिर पड़ा और यात्रियों के बचने की संभावना बहुत कम है। सीएम सुक्खू ने घटना पर दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस क्षेत्र में सोमवार से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौके पर मौजूद झंडूता से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जेआर कटवाल ने बताया कि अब तक मलबे से 18 शव बरामद किए गए हैं और तीन लोगों को बचाकर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है।

बस में सवार थे 35 यात्री, पहचान के प्रयास जारी

बताया जा रहा है कि करीब 35 लोग बस में सवार थे। घटना शाम करीब साढ़े छह बजे हुई है। बस में मरोतन बरठीं, घुमारवीं और बीच के स्टेशनों के लोग सवार थे। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

पीटकर युवक की हत्या, खंभे से बंधा मिला शव

संवाददाता तिलहर/शाहजहांपुर

- शरीर पर चोट के निशान, पुलिस ने दो सुरक्षा गार्डों को उठाया

अमृत विचार: हाईवे के किनारे निर्माणाधीन कॉलोनी में मंगलवार सुबह युवक का शव खंभे से बंधा हुआ मिला है। मृतक के शरीर में कई जगह चोट के निशान है। आशंका व्यक्त की जा रही है लोगों ने चोर समझ उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। एसपी और सीओ तिलहर मौके पर पहुंचीं।

साथ ही फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने दो सुरक्षा गार्डों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। तिलहर क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे जयपुरिया स्कूल के पास श्याम वाटिका कॉलोनी बन रही है। कॉलोनी में सुरक्षा को लेकर गार्ड कल्लू निवासी बंथरा और राई खेड़ा गांव के दिनेश कुमार तैनात रहते है। दोनों सोमवार रात ड्यूटी पर थे। मंगलवार सुबह 6 बजे सुरक्षा गार्डों ने पुलिस को सूचना दी, कि एक युवक कॉलोनी परिसर में मरा हुआ खंभे से बंधा है। उसकी उम्र करीब 40 साल है। मृतक के दाहिने हाथ पर हिन्दी में उदय बाबी लिखा है। वह बनियान और अंडरवियर पहने हुए है। चर्चा है तीन लोग चोरी करने की नीयत से रात में कॉलोनी में घुसे थे और दो लोग भाग गए और एक को पकड़ लिया।

सूचना पर तिलहर सीओ ज्योति यादव और प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार पुलिस टीम के साथ कॉलोनी में पहुंचे तो मृतक का शव खंभे से बंधा मिला। पुलिस सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हुई है। जांच करके वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आवास में मृत मिले

चंडीगढ़। हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई पूरण कुमार मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास में मृत पाए गए। शरीर पर गोली के जख्म मिले हैं। पूरण कुमार (52) आईपीएस के 2001 बैच के अधिकारी थे और वह अधिकारियों के अधिकारों और वरिष्ठता तथा अन्य मुद्दों से संबंधित मामलों में अपने हस्तक्षेप के लिए जाने जाते हैं। उन्हें हाल ही में रोहतक के सुनारिया में पीटीसी के महानिरीक्षक के रूप में तैनात किया गया था। कुमार की पत्नी अमनीत आईएएस अधिकारी हैं और हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं। वह सीएम सैनी के एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर जापान में हैं।

- शरीर पर गोली के निशान आत्महत्या की आशंका

गाजीपुर में बालक से कुकर्म और हत्या के दोषी को मृत्युदंड

गाजीपुर, एजेंसी

- दोषी ने कृत्य के बाद रस्सी से बालक की गला घोट कर कर दी हत्या

गाजीपुर जिले की एक विशेष अदालत ने आठ वर्षीय एक बालक के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म कर उसकी हत्या के मामले में मंगलवार को एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता प्रभु नारायण ने बताया कि जिले की विशेष पॉक्सो अधिनियम अदालत के न्यायाधीश रामअवतार प्रसाद ने बालक के साथ अप्राकृतिक दुराचार करने के बाद उसकी हत्या कर लाश को अपने ही घर में छिपाने वाले अभियुक्त संजय प्रसाद नट को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई। प्रभु नारायण ने कहा थाना में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप था कि 19 फरवरी 2024 को संजय नट पड़ोसी के आठ साल के बालक को अपराह्न तीन बजे अपने घर में ले गया। उसके बाद उसने रस्सी से बालक की गला घोट कर हत्या कर दी।

यूपीसीडा में प्रबंधक हेमेंद्र प्रताप सिंह बर्खास्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विद्युत यांत्रिक के पद पर थे तैनात मनमानी एवं कदाचार के कई आरोप

अमृत विचार: यूपीसीडा में प्रबंधक विद्युत यांत्रिक के पद पर तैनात रहे हेमेंद्र प्रताप सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। नियमों की अनदेखी, मनमानी करना उन्हें भारी पड़ा है।

मंगलवार को औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने हेमेंद्र की बर्खास्तगी के प्रस्ताव पर मुहर लगाई। 27 नवंबर 2020 को शासन ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण से हेमेंद्र का यूपीसीडा में स्थानांतरण आदेश जारी किया था। 1 दिसंबर 2020 को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास विभाग से उन्हें कार्यमुक्त भी कर दिया गया। लेकिन यूपीसीडा में तत्काल कार्यभार संभालने के बजाय हेमेंद्र प्रताप सिंह दिनांक 18 अप्रैल 2022 तक अनुपस्थित रहे। ऐसे में उन पर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, चिकित्सा अवकाश के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत न करने, पर्याप्त आधार एवं संतोषप्रद स्पष्टीकरण के बिना अवकाश स्वीकृत कराए बगैर सेवा से विरत रहने के आरोप लगाए गए। साथ ही उन्हें उच्चादेशों की प्रत्यक्ष अवहेलना का भी दोषी पाया गया था। आरोपों के संबंध में एसीईओ द्वारा जांच की गई। एसीईओ यूपीसीडा की जांच आख्या में भी प्रबंधक हेमेंद्र के खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध पाए गए।

क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए तीन वैज्ञानिकों को भौतिकी में नोबेल

स्टॉकहोम। जॉन क्लार्क, माइकल एच डेवोरेट और जॉन एम मार्टिनिस को डिजिटल प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने वाली क्वांटम टनलिंग पर शोध के लिए भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की मंगलवार को घोषणा की गई। क्लार्क (83) ने अपना शोध कैलिफोर्निया विवि, बर्कले में किया। वहीं, मार्टिनिस ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में तथा डेवोरेट ने येल में और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में भी अपना शोध किया। तीनों को 10 दिसंबर को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

- जॉन क्लार्क मिशेल देवरे और जॉन एम मार्टिनिस के नाम

सुझाव | केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- एआई वित्त एवं शासन के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को भी बदल रहा

मेरे कई डीपफेक वीडियो, नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली हो मजबूत

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने भी कई डीपफेक वीडियो की मौजूदगी का उल्लेख करते हुए लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का आह्वान किया।

सीतारमण ने यहां वार्षिक ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) वित्त एवं शासन के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को भी बदल रहा है। हालांकि उन्होंने यह सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी उन्नति मानवता की सेवा करे। वित्त मंत्री ने उन्नत प्रौद्योगिकी के अंधेरे पहलू से भी निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। सीतारमण ने कहा, जो उपकरण नवाचार को शक्ति प्रदान करते हैं, उन्हीं का इस्तेमाल धोखे और जालसाजी के लिए भी किया जा सकता है। मैं इसे व्यक्तिगत नहीं बना रही हूं, लेकिन मैं कह सकती हूं कि मैंने अपने कई डीपफेक वीडियो को ऑनलाइन प्रसारित होते हुए देखा है। इन डीपफेक वीडियो का इस्तेमाल नागरिकों को गुमराह करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि ये वीडियो इस बात की याद दिलाते हैं कि हमें ऐसे लोगों के खिलाफ अपनी सुरक्षा व्यवस्था को तत्परता से बढ़ाने की कितनी जरूरत है। डीपफेक वीडियो में एआई एवं मशीन लर्निंग तकनीकों के इस्तेमाल से किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या हाव-भाव को किसी अन्य व्यक्ति या परिस्थिति में नकली रूप से जोड़ा जाता है। आम लोग अक्सर इसे असली वीडियो समझ लेते हैं।

नई पीढ़ी की धोखाधड़ी पर जताई चिंता

उन्होंने कहा, नई पीढ़ी की धोखाधड़ी अब फायरवॉल तोड़ने के बारे में नहीं, बल्कि विश्वास को तोड़ने के बारे में है। अपराधी आवाज की नकल करने, पहचान की नकल करने और लोगों को गुमराह करने वाले असली लगने वाले वीडियो बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी में सक्रिय नवोन्मेषकों, निवेशकों और नियामकों सहित पूरे परिवेश की इस मोर्चे पर महत्वपूर्ण भूमिका है। वित्त मंत्री ने कहा कि नवोन्मेषी होने के साथ वित्तीय प्रणालियों को लचीला, सुरक्षित और समावेशी होना चाहिए। उन्होंने समर्पित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल के जरिये निवेशकों को लक्षित करने वाले नकली वीडियो और झूठे प्रतिनिधित्व के मुद्दे को हल करने के लिए बाजार नियामक सेबी के प्रयासों की सराहना की।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,8 अक्टूबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

कटान से मंदिर का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त

मिर्जापुर, अमृत विचार : रामगंगा नदी के कटान ने क्षेत्र के मौजमपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर को चपेट में ले लिया है। सोमवार रात हुए कटान से मंदिर के सहारे के लिए बने पिलर गिर गए, जिससे श्रद्धालुओं में निराशा देखने को मिला। ग्रामीणों ने बताया यह शिव मंदिर गांव की आस्था का केंद्र है। लेकिन अब नदी के कटान से मंदिर की नींव तक खतरे में पड़ गई है। सिंचाई विभाग द्वारा दो वर्ष पहले कराया गए अस्थाई बचाव कार्य जवाब दे गया। मन्दिर के पास रखी ईंट-पत्थर और बालू की बोरियां खिसक गई और मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि सिंचाई विभाग की लापरवाही से मंदिर का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। श्रद्धालुओं का कहना है कि प्रशासन ने समय रहते ठोस कदम उठाए होते तो आस्था के स्तम्भ ऐसे क्षतिग्रस्त नहीं होते। लोगों ने प्रशासन से मंदिर के संरक्षण और कटान रोकने के लिए स्थायी समाधान की मांग की है।

स्वदेशी मेला 9 से लगाने के निर्देश

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उपयुक्त उद्योग अनुराग यादव ने बताया इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड ग्रेटर नोएडा में हो चुके यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 की तर्ज पर जनपद स्तर पर 9 से 18 अक्टूबर तक स्वदेशी मेला आयोजित किए जाने के निर्देश है, जिससे हस्तशिल्पियों, कारीगरों/ उद्यमियों द्वारा स्थानीय स्तर पर उत्पादित किए जा रहे उत्पादों को विपणन एवं दीपावली महापर्व के अवसर पर आम जनमानस को स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी का अवसर प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि स्वदेशी मेले का आयोजन जीआईसी ग्राउंड खिरनी बाग शाहजहांपुर में किया जाएगा और मेले में विभिन्न विभागों के लाभार्थियों, वित्त पोषित इकाईयों, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादकों के स्टाल लगाए जाएंगे। उन्होंने जनपद वासियों का आह्वान करते हुए कहा स्वदेशी मेले में प्रतिभाग कर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

बारिश से किसानों को हुआ भारी नुकसान

मिर्ज़ापुर /परौर, अमृत विचार : सोमवार और मंगलवार को हुई बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ। खड़ी व कटी धान की फसल में पानी भरने से काफी समस्या होगी। बता दें कुछ दिन पहले गंगा -रामगंगा में आई बाढ़ ने किसानों की सैकड़ों हेक्टर फसल को चपेट में ले लिया था जिसमें कुण्डरी आश्रम, गहवरा, सोहड़, मईखुर्द कला, परौर, काकोड़ा, कौही चौराबगरखेत, कीलापुरलापुर, थरिया, मिर्जापुर, जरियनपुर समेत दर्जनों गांव के किसानों के लाखों रुपये की फसल चली गई थी जो कुछ फसल बची थी इस पर किसानों की उम्मीदे टिकी हुई थी बे मौसम हुई बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

जनहित से जुड़े मामलों को किसी भी दशा में लंबित नहीं रखा जाएं

याचिका समिति की बैठक में आए पांच प्रकरण में से तीन का हुआ निस्तारण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कलेक्ट्रेट सभागार में याचिका समिति की बैठक में बोलते सभापति अशोक अग्रवाल।

- सभापति अशोक अग्रवाल ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश
- कहा जनहित के प्रकरणों को लंबित रखना अस्वीकार्य, शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधान परिषद की याचिका समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट में सभापति अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शाहजहांपुर से संबंधित पांच प्रकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिनमें से तीन प्रकरणों का मौके पर ही समाधान कर लिया गया। शेष दो प्रकरणों पर अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे बेहतर अन्तरविभागीय समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई करें और शीघ्र निस्तारण की जानकारी समिति को उपलब्ध कराएं।

सभापति अशोक अग्रवाल ने कहा समिति की ओर से सन्दर्भित प्रकरण जनहित से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मामले होते हैं, जिन्हें किसी भी दशा में लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन प्रकरणों पर शासन स्तर से कार्रवाई अपेक्षित है, उन्हें शीघ्र शासन को संदर्भित कर प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सभापति ने अधिकारियों से उनके विभागीय कार्यों और की गई अभिनव पहलों के बारे में जानकारी भी प्राप्त की और कहा, "मनुष्य को जीवन में सम्मान देना सबसे बड़ा कार्य है और यही हमारी डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता भी है।"समिति के सदस्य एमएलसी अनूप कुमार गुप्ता ने कहा अधिकारी अपने कार्यों के प्रति उत्तरदायित्व का भाव रखें और जनपद के सर्वांगीण विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। उन्होंने सभी विभागों से आपसी सहयोग और पारदर्शिता के साथ काम करने का निर्देश भी दिया, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ जनता तक समय पर पहुंचे। बैठक के अंत में जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने समिति के प्रति आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन शीघ्र सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में समिति के अधिकारी रामेंद्र भाई पटेल, निजी सचिव सर्वेश गुप्ता, तथा जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष डीपीएस राठौर, एमएलसी सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप यादव, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रजनीश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी धन का बंदर बांट कार्रवाई की मांग

इसी शौचालय की सफाई के नाम पर निकाला गया सरकारी धन। ● अमृत विचार

संवाददाता, खुटार

- शौचालय और आरआरसी सेंटर की पुताई के नाम पर हजारों रुपये निकाले, जमी पड़ी काई

अमृत विचार: ब्लॉक खुटार की ग्राम पंचायतों में रोज नए-नए कारनामें देखने को मिल रहे हैं। जहां पर सरकारी धन का दुरुपयोग लगातार हो रहा है। अधिकारी व प्रधान बंदरबांट कर गबन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा सामने आ रहा है। खुटार ब्लॉक की ग्राम पंचायत गांव सभा इटौआ में बने सामुदायिक शौचालय में एक तरफ सालों से रंगाई -पुताई तो दूर साफ सफाई भी मुश्किल से नहीं हो पा रही है। जबकि सितंबर में ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान ने रंगाई पुताई के नाम पर हजारों रुपये निकालकर गबन कर लिया। तो दूसरी तरफ गांव में बने आरआरसी सेंटर की भी पुताई व पेंटिंग के नाम पर सचिव और प्रधान की मिलीभगत से हजारों रुपये निकाल लेने के बाद बंदरबांट कर लिया गया। दोनों बिल्डिंगों में दीवारों पर वर्षों से काई जमी हुई है और प्लास्टर भी टूटा हुआ है। बता दे कि दोनों भवनों में पुताई के नाम पर 23 सितंबर को ही हजारों रुपये निकाले गए, लेकिन काम नहीं कराया गया। इस मामले में बीडीओ खुटार आशीष कुमार का कहना है शौचालय की शिकायत पर जांच करने पहुंचा था, रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी जाएगी। और आरआरसी सेंटर की जांच कराई जाएगी।

यूनिट हेड ने दी गन्ने की बधाई की जानकारी

मकसूदापुर , अमृत विचार: बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल मकसूदापुर के यूनिट हेड भूपेंद्र सिंह ने मंगलवार को ग्राम रामदेवारी, कढेर चौरा और पातीगिजीपुर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गन्ना किसानों से मुलाकात कर गन्ने की बधाई की जानकारी दी और फसल की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा अक्टूबर का महीना गन्ना खेती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी समय गन्ने की बधाई होती है।

यह प्रक्रिया गन्ने की बेहतर पैदावार के लिए आवश्यक है। किसानों को बताया दो से तीन थालों को मजबूत सुतली से बांधकर गन्ने को सहारा देना चाहिए, जिससे पौधे टूटने से बचें और चूहों व सियारों से भी सुरक्षा बनी रहे। धाई प्रक्रिया सितंबर और अक्टूबर में दोबारा करनी चाहिए ताकि पौधे स्वस्थ रहें और उपज अधिक हो। यूनिट हेड ने किसानों को गन्ने की देखभाल से जुड़ी अन्य तकनीकी जानकारियां भी दीं और अधिक उपज के लिए नियमित निगरानी पर बल दिया।

शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

ढाईघाट पर गंगा स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, मिर्जापुर

- लोगों ने पूजा-अर्चना के बाद किया दान- पुण्य

अमृत विचार: शरद पूर्णिमा पर ढाईघाट गंगा तट पर सुबह की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया। पूरे दिन गंगा स्नान का सिलसिला चलता रहा। हजारों श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त से ही "हर-हर गंगे" के उद्घोष करते हुए गंगा में डुबकी लगाकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करते नजर आए।

स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने गंगा घाट पर अपने इष्ट देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की। कई श्रद्धालुओं ने गरीबों और पंडा-पुजारियों को दान-दक्षिणा देकर पुण्य अर्जित किया। इस दौरान पूरा ढाईघाट क्षेत्र आस्था और श्रद्धा से सराबोर रहा। आचार्य पंडित चंद्र मोहन शंखधार ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात्रि में दूध की खीर बनाकर खुले आसमान में रखने की परंपरा का विशेष धार्मिक महत्व है। माना जाता है कि इस रात्रि की चांदनी अमृत तुल्य होती है।

हमें किसी ने छेड़ा तो छोड़ेंगे नहीं: महेंद्र भाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

विश्व हिंदू परिषद विभागीय बैठक में संबोधित करते केंद्रीय सह मंत्री महेंद्र भाई वेदक।

अमृत विचार: विश्व हिंदू परिषद की विभागीय बैठक एक निजी स्कूल में प्रांत उपाध्यक्ष राजीव सिंह की अध्यक्षता एवं विभाग मंत्री अशनील सिंह के संचालन में हुई। बैठक में केंद्रीय सह मंत्री दादा महेंद्र भाई वेदक ने संगठन के अब तक के कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना को 100 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और अब उद्देश्य है कि हर घर में राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल हो। उन्होंने कहा "सत्संग विश्व हिंदू परिषद की आत्मा है" और परिषद स्थापना से लेकर आज तक संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने का कार्य निरंतर जारी है। केंद्रीय सह मंत्री ने भगवान महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान वाल्मीकि ने समाज को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन यदि कोई छेड़ेगा तो उसे छोड़ेगा नहीं। बैठक में राम जन्मभूमि आंदोलन की ऐतिहासिक भूमिका पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रांत मंत्री अनुज कुमार सिंह, प्रियम चौहान, राजकुमार सिंह, हरीश प्रजापति, अभिनव ओमर, के.के. गुप्ता, डॉ. बृजेश गुप्ता, ललित अग्रवाल, धर्मेंद्र सिंह, शलभ मिश्रा, सुधीर सिंह, अंकित मिश्रा, राहुल पाठक, नवनीत मिश्रा, अजय गुप्ता, राजीव कश्यप समेत अन्य मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति पोर्टल पुनः खुला, जल्द करें आवेदन

शाहजहांपुर, अमृत विचार: वित्तीय वर्ष में दशमोत्तर (कक्षा 11-12 को छोड़कर) छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत लाभ से वंचित रह गए विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पुनः खोला गया है, जिसमें 1 नवंबर तक छात्र आवेदन कर शिक्षण संस्थान में जमा करें। इसके बाद शिक्षण संस्थान की ओर से आवेदन पत्र को आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने के लिए 10 नवंबर 2025 तक समय सीमा निर्धारित की गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि विभिन्न कारणों से आवेदन पत्र लंबित रहने से जो छात्र लाभ से वंचित रह गए थे, वे जल्द आवेदन करें।

प्लेटफार्म नंबर पांच ऊंचा करने का काम शुरू

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म दो और तीन को ऊंचा करने के बाद अब प्लेटफार्म नंबर पांच को ऊंचा करने का काम शुरु हो गया। प्लेटफार्म के ऊंचा होने से दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों को कोच में चढ़ने और उतरने में दिक्कत नहीं होगी। रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत फुट ओवरब्रिज, स्वचालित सीढ़ियों, लिफ्ट, प्लेटफार्म को ऊंचा करने का कार्य चल रहा है। प्लेटफार्म दो और तीन को ऊंचा कर दिया गया है। ठेकेदार द्वारा अब प्लेटफार्म पांच को ऊंचा करने का कार्य किया जा रहा है। प्लेटफार्म को ऊंचा करने के लिए किनारे पर स्लैब डाले जा रहे है। प्लेटफार्म को ऊंचा करने और फुट ओवरब्रिज का निर्माण कार्य काफी तेजी से चल रहा है। प्लेटफार्म पांच के बाद चार को ऊंचा किया जाएगा। सबसे आखिर में प्लेटफार्म एक को ऊंचा किया जाएगा। प्लेटफार्म नीचे होने पर दिव्यांग यात्रियों और बुजुर्गों को कोच में चढ़ने और उतरने में काफी दिक्कत होती है। क्यों कि कोच में चढ़ने के लिए कोच की तीन सीढ़ी चढ़कर अंदर जाते थे। प्लेटफार्म ऊंचा होने पर दिव्यांग और बुर्जग यात्री कोच में सीधे चले जाएंगे। रेल अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो ट्रेन की तरह यात्री सीधे कोच में चला जाएगा।

पीएम व सीएम के पोस्टर पर गंदगी देख जताई नाराजगी

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय पत्रकार सेकुलर सुरक्षा यूनियन परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीश खान के नेतृत्व में मंगलवार को संगठन ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन में परिषद के राष्ट्रीय महासचिव नबी सलमान ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पोस्टरों पर गंदगी पर आपत्ति जताई। उन्होंने बताया सदर तहसील मुख्य गेट और अंटा चौराहा पानी की टंकी के पास प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के पोस्टर गंदगी के बीच लगे हुए हैं, जिन पर पान-पूड़िया की छींटें भी पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि स्वच्छता अभियान के सूत्रधार नेताओं के चित्र गंदगी के पास लगे हैं और अधिकारियों की इस पर नजर तक नहीं पड़ी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सफाई नहीं कराई गई तो परिषद की टीम आंदोलन करने को बाध्य होगी।

अधिकारियों ने सफाई कराने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश सलाहकार जुहैब गाजी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय कुमार शुक्ला, वैभव कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष ओमकार, वसीम खान, जिला अध्यक्ष शिव खान, रिजवान खान, एडवोकेट शोएब, आकाशदीप, जगदीश, इश्तियाक, अरविंद, चिराग, शिवा, निशा, रेखा देवी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसानों की शिकायत निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क नंबर जारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- धान क्रय केंद्रों पर सुबह 9 से शाम 5 बजे तक खोले जाएं: जिलाधिकारी

अमृत विचार: खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में धान खरीद संबंधी बैठक हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी /जिला खरीद अधिकारी, उप जिलाधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता, मंडी सचिव, संबंधित क्रय एजेंसी प्रभारी और धान क्रय केन्द्र प्रभारी सहित सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी क्रय केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे सुबह 9 से सायं 5 बजे तक उपस्थित रहकर धान क्रय की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित करें। उन्होंने कहा कि धान लेकर आने वाले किसानों से अच्छे से व्यवहार किया जाए और उनकी समस्याओं का तत्परता से समाधान किया जाए। प्रभारियों को रोज सुबह 10:00 से 11:00 बजे तक किसानों के फोन रिसीव कर उनके प्रश्नों का उत्तर देने तथा विवरण रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए। धान खरीद संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम/हेल्प डेस्क नंबर 05842-221986 और व्हाट्सएप नंबर 95190-63411 जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को आदेशित किया कि वे अपनी तहसीलों के प्रत्येक मंडी में प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रखने हेतु नायब तहसीलदार की तैनाती सुनिश्चित करें। कृषकों की सुविधा और गुणवत्तायुक्त धान की सुनिश्चितता के लिए मंडी गेट पर दो लेखपाल तैनात किए जाएंगे, जो धान की नमी और गुणवत्ता की जांच कर योग्य ट्रॉलियों को टोकन देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप न होने वाले धान की नीलामी दिन में दो बार कराई जाएगी ताकि कृषकों को उचित मूल्य प्राप्त हो।

न्यूज डायरी

सपा ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई

शाहजहांपुर,अमृत विचार : सपा ने मंगलवार को जिला कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उनके बताए आदर्शों को याद किया। इस दौरान एक गोष्ठी का भी आयोजन जिला महासचिव रणंजय सिंह यादव की अध्यक्षता में हुई। गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके आदर्शों को समाज में प्रसारित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा, सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, रामसूरत यादव, चौधरी रामकुमार भोजवाल, अवधेश कुमार पाल, संतोष कुमार पाल, हफीज अंसारी, प्रसून कुमार कनौजिया, अनिल दास, सुनील यादव, पूर्व सभासद दुर्गेश कुमार गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामलीला का किया मंचन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कृभकों रामलीला कमेटी के बैनर तले कर्मियों, गृहणियों और बच्चों ने आलोक सक्सेना के निर्देशन और यूनिट प्रमुख विजय बांगर के मार्गदर्शन में रामलीला का मंचन किया। मंचन का आरंभ मुख्य अतिथि केएफएल प्रबन्ध निदेशक रवि कुमार चोपड़ा और यूनिट प्रमुख विजय बांगर व सुमन चोपड़ा और सुदेश बांगर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। साढ़े 3 घंटे की अवधि में रामकथा के सभी प्रमुख प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया।

गांव में निकाली निकाली जागरूकता रैली

शाहजहांपुर, अमृत विचार : ब्लॉक भावल खेड़ा के ग्राम पंचायत चठिया में अष्ट विनायक फाउंडेशन की ओर से महिलाओं के सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा को लेकर जागरुकता रैली निकाली गई और कार्यशाला में अहम जानकारियां दी गईं। ग्रामीण महिलाओं को उनके सामाजिक, कानूनी और आर्थिक अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें अपने कर्तव्यों और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। फाउंडेशन की ओर से महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के लिए सिलाई-कढ़ाई, हस्तकला और सूक्ष्म उद्यम से जुड़ी प्रशिक्षण गतिविधियां भी कराई गईं। जिससे लोगों को उनके अधिकार और हितों के बारे में जानकारी हो सकें।

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

शाहजहांपुर, अमृत विचार : महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मिशन शक्ति -5.0 अभियान के अंतर्गत गुरु नानक पाठशाला कन्या हाईस्कूल में सेल्फ डिफेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सुरक्षा के विषय पर छात्राओं को जागरूक किया गया। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित ने कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरके बारे में बताया और कहा कि खुद की आत्मरक्षा करने के लिए बेटियों को आत्मरक्षा करने का गुर जरूर सिखाएं। अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो ग्रैंडमास्टर डॉ. पुनीत मनीषी की ओर से मार्शल आर्ट्स, कराटे पेन, पिन, आदि तरह की आत्म सुरक्षा की तकनीक के विषय में विस्तार से बताया गया। आत्मरक्षा से उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वो किसी भी खतरे की स्थिति से खुद की रक्षा कर सकती है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य हरमीत कौर, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अमृता दीक्षित, ताइक्वांडो ग्रैंडमास्टर पुनीत मनीषी, अध्यापिका लक्ष्मी मिश्रा, पूनम समेत स्टाफ मौजूद रहा।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज का मिलिट्री हॉस्पिटल से समझौता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

मिलिट्री हॉस्पिटल बरेली कैंट के स्टाफ के साथ प्रेसीडेंट डॉ. अशोक अग्रवाल। ● अमृत विचार

- सेना के जवानों के लिए मिलेंगी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एंड रोहिलखंड हास्पिटल में 6 अक्टूबर को महत्वपूर्ण समझौता मिलिट्री हास्पिटल बरेली कैंट से हुआ। जिसके अंतर्गत सेवाधीन सैन्य कर्मियों एवं उनके परिवारजनों को वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एंड रोहिलखंड हास्पिटल में सीजीएचएस दरों पर चिकित्सा सेवाएं दी जाएंगी। इस समझौते पर मिलिट्री हास्पिटल बरेली कैंट की ओर से कमांडेंट ब्रिगेडियर किरण एस ने हस्ताक्षर किए, वहीं वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज की ओर से प्रेसिडेंट डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए।

एमओए हस्ताक्षर समारोह में मिलिट्री हॉस्पिटल बरेली कैंट की ओर से कार्यवाहक स्टेशन कमांडर शाहजहांपुर कैंट कर्नल जगवीर सिंह जागलान, लेफ्टिनेंट कर्नल एसके सिंह,कैप्टन (डॉक्टर) अनिवेश बंका एवं पूर्व सैनिक सूबेदार मेजर आरएल सिंह, सूबेदार मेजर एसके मिश्रा और सुदेश मिश्रा उपस्थित रहे। वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय की ओर से वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल, वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एंड रोहिलखंड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल एवं डीन डॉ. रवीन्द्र नाथ शुक्ला समेत अन्य रहे।

कमांडेंट ब्रिगेडियर किरण एस ने कहा यह समझौता भारतीय सेना के सेवाधीन कर्मियों के लिए एक अत्यंत लाभकारी कदम है। इससे हमारे जवानों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अपने क्षेत्र में ही मिल सकेंगी। वरुण अर्जुन मेडिकल कालेज एंड रोहिलखंड हॉस्पिटल एक उन्नत चिकित्सा संस्थान है, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक और अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। इस समझौते से सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को बिना किसी विलंब के सर्वोत्तम इलाज मिलेगा।" प्रो-चांसलर डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारतीय सेना जैसे गौरवशाली संस्थान के साथ हमारे मेडिकल कॉलेज का जुड़ाव हुआ है। हम इसे केवल एक औपचारिक समझौता नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। वाइस चांसलर डॉ. किरन अग्रवाल ने कहा कि वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज सदैव समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहा है। यह समझौता हमारे उस संकल्प को और सशक्त करता है। भारतीय सेना अनुशासन, समर्पण और त्याग का प्रतीक है, और उनके स्वास्थ्य की देखभाल में सहयोग करना हमारे लिए गर्व का विषय है।

न्यूज ब्रीफ

सर्पदंश से युवक की मौत

खुटार, अमृत विचार : गांव खंडसार निवासी महेंद्र सिंह (35) की सर्पदंश से मौत हो गई। परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया है। महेंद्र सिंह खेत में पानी देखने गए थे, तभी उन्हें सर्प ने डस लिया। परिजन झाड़फूंक करने वाले के पास ले गए लाभ नहीं मिला तो खुटार सीएचसी से ले गए, वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया और इलाज के बाद परिजन छुट्टी मिलने पर घर लेकर आ गए थे। 5 अक्टूबर को महेंद्र सिंह की मौत हो गई। लोगों ने बताया कि काटने की जगह से आधा हिस्सा नीला पड़ गया था। सांप का जहर नहीं उतरा था। इससे उसकी मौत हो गई। ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और ढांढस बंधाया।

आग लगने से मोबाइल की दुकान में नुकसान

तिलहर अमृत विचार : आग लगने से मोबाइल की दुकान में हजारों का नुकसान हो गया। मीरानपुर कटरा के शेरपुर गांव निवासी गोपाल दुबे की मोबाइल की दुकान में मंगलवार सुबह आग लगने से काफी नुकसान हो गया। सूचना पर दुकान मालिक मौके पर पहुंचे और शटर उठाया तो देखा अंदर आग भभकर रही थी। पड़ोसियों की मदद से आग को बुझाया। उन्होंने बताया कि आग लगने से दुकान में रखा हजारों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने संदेह जताया शार्ट सर्किट से आग लगी होगी।

युवक ने खुद को ब्लेड से किया घायल

तिलहर , अमृत विचार : मोहल्ला बहादुरगंज निवासी राजा सिंह (30) ने मंगलवार दोपहर 1:30 बजे किसी बात से नाराज होकर अपने शरीर ब्लेड से वार कर खुदको जख्मी कर लिया। सूचना मिलते ही डायल 112 पीआरवी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलहर पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल की पत्नी कविता ने बताया वह मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। इसी वजह से घर में अक्सर झगड़े और मारपीट होती रहती हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सांड़ के हमले में वृद्ध की गई जान

खाना खाकर झोपड़ी में सोने जाते समय सांड़ ने किया हमला, कई अन्य को कर चुका है घायल

संवाददाता बंडा/शाहजहांपुर

अमृत विचार: बाबूपुर गांव में सोमवार शाम को एक बुजुर्ग खाना खाकर घर से कुछ दूरी पर पड़ी झोपड़ी में जा रहे थे। अचानक एक सांड ने उन पर हमला कर दिया और जमीन पर पटक दिया। सांड़ के सिंग में उसके कपड़े फंस जाने पर काफी दूर तक घसीटते चले गए। शोर शराबा होने पर गांव वाले आ गए और सांड़ को मारकर भगाया। परिवार वाले घायल बुजुर्ग को मेडिकल कालेज लेकर देर रात आए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मेवाराम।

बंडा थाना क्षेत्र के गांव बाबूपुर निवासी मेवाराम (72) के मकान से कुछ दूरी पर सड़क के किनारे झोपड़ी पड़ी है। वह झोपड़ी में ही सोया करते थे। सोमवार की शाम साढ़े सात बजे वह खाना खाकर झोपड़ी में सोने के लिए जा रहे थे। सड़क पर घूम रहे एक सांड़ ने उन पर हमला कर दिया। वह जान बचाकर भागे तो सांड ने उन्हें जमीन पर पटक दिया। उनके कपड़े उसके सींग में फंस जाने पर काफी दूर तक सांड़ उन्हें घसीटता हुआ ले गया। किसी तरह उनके उनके कपड़े सींग से निकल गए और वहीं पर घायल अवस्था में पड़े रहे। शोर शराब होने पर परिवार और गांव वाले आ गए। उन्होंने बताया सांड़ ने उन ऊपर हमला कर दिया था। इस दौरान गांव वालों ने सांड़ को मारकर गांव से बाहर भगाया। परिवार घायल मेवाराम को निजी अस्पताल में ले गए। डॉक्टर ने रेफर कर दिया। परिवार वाले देर रात घायल को मेडिकल कॉलेज लेकर आए। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। आठ माह पहले भी सांड़ उनके ऊपर हमला कर चुका है। गांव वालों ने बताया कि सांड़ गांव के नन्हेंलाल, रामबहोरे, राम गोपाल को भी घायल कर चुका है। मृतक की पत्नी रामकुमारी, पुत्र भाईलाल, रामकृपाल, सत्यपाल, धर्मपाल, रजनीश और अवनीश का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीडीओ ने सड़कों से नहीं हटवाए छुट्टा पशु

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले में छुट्टा पशुओं से होने वाली घटनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को बंडा क्षेत्र में एक और व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे जिले में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। बीडीओ बंडा द्वारा डीएम के आदेश के बावजूद सड़कों से छुट्टा पशुओं को हटाने का कार्य प्रभावी रूप से नहीं किया गया है। इसी कारण मंगलवार को हुई घटना में स्थानीय निवासी को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोग बताते हैं कि छुट्टा पशु न केवल सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, बल्कि फसलों और जनजीवन के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन न होने से लोग भयभीत हैं और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने बताया कि छुट्टा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपायों की योजना बनाई जा रही है, लेकिन अभी तक इसका असर नजर नहीं आया है। स्थानीय नागरिकों ने डीएम से अपील की है कि जल्द से जल्द छुट्टा पशुओं से संबंधित सुरक्षा उपाय प्रभावी रूप से लागू किए जाएं।

16 क्विंटल देशी घी सीज, तीन नमूनों को जांच के लिए लैब भेजा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

घी के टिन को सीज करते खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजीत सिंह। ● अमृत विचार

● दीपावली पर मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुरू किया अभियान

अमृत विचार : दीपावली पर खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी को रोकने के लिए सहायक आयुक्त (खाद्य) चंद्रशेखर मिश्रा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने व्यापक जांच अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा टीम ने जलालाबाद स्थित आनंद घी स्टोर पर छापा मारा। मौके पर मिलावट के संदेह में घी के तीन नमूने लिए गए और दुकान में उपलब्ध 16 क्विंटल घी (मूल्य लगभग आठ लाख रुपये) को सीज करते हुए खाद्य कारोबारी की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी बागीश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने जलालाबाद स्थित आनन्द घी स्टोर पर छापामार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सीलबंद घी के सभी टिनों पर कोई लेबल नहीं लगा था और प्रतिष्ठान संचालक की ओर से मौके पर कोई खरीद बिल प्रस्तुत नहीं किया गया। इन कारणों से सभी घी की टिनों को मौके पर ही सीज कर लिया गया। सहायक आयुक्त खाद्य चंद्रशेखर मिश्रा ने बताया कि लैब से रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापामार कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

सड़क हादसे में घायल ने पांचवें दिन तोड़ा दम

संवाददाता, बंडा

अमृत विचार: बाइक से अल्ट्रासाउंड कराने जा रहे भाई बहन और भांजी को सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने जोरदार टक्कर मार दी थी जिससे तीनों घायल हो गए थे। घायल युवक की इलाज के दौरान बरेली के एक निजी अस्पताल में पांचवे दिन मौत हो गई।

अनिल यादव।

गांव रसूलपुर गढ़िया निवासी अनिल यादव (35) बहन पुष्पा देवी और भांजी निशा यादव को साथ लेकर बाइक से गुरुवार सुबह 11:30 बजे बंडा से पुवायां जा रहा था तभी खुटार बंडा रोड पर मोहल्ला मुरादपुर स्थित अंसारी धर्मकांटा के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक में टक्कर मार दी , जिससे तीनों घायल हो गए थे । सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने उन्हें बंडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था जहां से अनिल और उसकी भांजी निशा को शाहजहांपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया था जबकि उसकी बहन पुष्पा का बंडा के ही सरकारी अस्पताल में इलाज चला था । परिवार वालों के अनुसार अनिल की हालतखराब होने के चलते उसे अब शाहजहांपुर से बरेली के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था जहां इलाज के पांचवें दिन अनिल की मौत हो गई । अनिल की मौत से मां कमला देवी, पत्नी रेशमा, पुत्र अनूप, लव, पुत्री संध्या और प्रियांशी का रो- रोकर बुरा हाल है ।

सड़क हादसे में मृत की हुई शिनाख्त

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे परिजनों ने फोटो देख पहचाना

अमृत विचार: जलालाबाद क्षेत्र में दो दिन पूर्व एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। पुलिस ने अज्ञात में शव का पंचनामा भरके शव को मोर्चरी में रखवा दिया था।

परिवार वाले थाने पर एक व्यक्ति की गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे तो पुलिस ने फोटो दिखाया। परिवार वालों ने शव की शिनाख्त मुनेंद्र के रुप में की। जलालाबाद क्षेत्र में 5 अक्टूबर को एक 40 वर्षीय व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। पुलिस ने उसे मेडिकल कालेज भेज दिया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई । मुनेंद्र कुशवाहा की गुमशुदगी दर्ज कराने परिवार वाले मंगलवार को जलालाबाद थाने पहुंचे। पुलिस ने मोबाइल में अज्ञात व्यक्ति का फोटो दिखाया। परिवार वालों ने बताया यह मुनेंद्र का शव है। पुलिस ने बताया बझेड़ा पुलिया के पास दुर्घटना में घायल हो गए थे। परिवार वाले पोस्टमार्टम हाउस पर आए और शव की शिनाख्त की। परिवार वालों ने बताया मुनेंद्र कुशवाहा रिश्तेदारी में गए थे। वह खेतीबाड़ी करते थे, वह अपने पीछे पत्नी पिंकी और पांच बच्चो को छोड़ गए ।

पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

बंडा, अमृत विचार: ब्लॉक सभागार में अखंड हिंदू वाहिनी संगठन का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद रावत ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रत्ना अवस्थी (प्रदेश उपाध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ) का महिलाओं ने स्वागत किया । कार्यक्रम में राष्ट्रीय सलाहकार कमलेंद्र शुक्ला, प्रदेश मंत्री कमलेश पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार पांडे, जिला अध्यक्ष विमल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष प्रशांत मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कई पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए और संगठन विस्तार एवं सामाजिक विषयों पर गहन चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रमुख रूप से करन मिश्रा, राजीव कुमार, मुनेंद्र कुमार, ऋतिक तिवारी, बृजेश पांडे, सृजल शुक्ला, समरवीर राठौर, विपुल मिश्रा समेत कई लोग मौजूद रहे।

ट्रक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

ट्रक में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मचारी ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● ट्रक में लदा था मक्का, बिहार से जलालाबाद जा रहा था

अमृत विचार: बरेली मोड़ के निकट मक्का से लदे ट्रक में अचानक आग लग गई। चालक ने ट्रक को रोककर कूदकर जान बचाई। इस दौरान कांट रोड पर यातायात बंद हो गया। दमकल ने पहुंचकर आग पर काबू पाया।

बिहार से जलालाबाद ट्रक मक्का लेकर सुबह 5:30 बजे जा रहा था। कांट रोड पर खाटू श्याम मंदिर के निकट ट्रक के डीजल टैंक में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। लोगों ने शोर मचाया तो चालक जीशान ट्रक को तुरंत रोका और कूदकर जान बचाई। अग्निशमन अधिकारी बीएन पटेल टीम के साथ दमकल वाहन लेकर तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया।चालक ने बताया मक्का लोडकर जलालाबाद जा रहा था। आग से हजारों रुपये का नुकसान हो गया है।

बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर साढ़े सात लाख रुपये ठगे

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव अण्डपुर निवासी नरसिंह ने साइबर थाना पर रिपोर्ट दर्ज कराई।

महिला ने बताया एक साल पहले उसके पास किसी का फोन आया। उसने अपना नाम अर्जित पटेल बताया और कहा बैंक मैनेजर हूं। तुम्हारी बेटी की बैंक में सरकारी नौकरी लगवा दूंगा और साढ़े सात लाख रुपये खर्च करने पड़ेंगे। पीड़ित ने कहा कि उसके पास इतनी धनराशि नहीं है। आरोपी कहा कि रुपये की व्यवस्था होते जाए तो आनलाइन भेजते रहना। पीड़ित ने आनलाइन साढ़े सात लाख रुपये पेमेंट कर दिया। आरोपी बराबर नौकरी लगवाने का झांसा देता रहा। इधर आरोपी ने अपना फोन बंद कर लिया और फरार हो गया। पुलिस आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शोभायात्रा का किया स्वागत

तिलहर, अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि जयंती पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता और सभासद कुमार गौरव ने इस अवसर पर पूजा में भाग लिया।शोभा यात्रा के समापन के बाद बहादुरगंज स्थित वाल्मीकि मंदिर पर देर रात तक भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें तमाम श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

महर्षि वाल्मीकि के प्रकाशोत्सव पर भजनों से गूंजा शहर

जिले भर में धूमधाम से मनाई गई वाल्मीकि जयंती, नगर आयुक्त ने झंडी दिखाकर किया शोभायात्रा का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः महर्षि वाल्मीकि प्रकाशोत्सव एवं शोभायात्रा समिति की ओर से मंगलवार को नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाओं का गुणगान किया गया। संयोजक सुरेंद्र नाथ वाल्मीकि के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में नगर आयुक्त डॉ. बिपिन मिश्रा ने फीता काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। इसके बाद शोभायात्रा मोहल्ला वजीरगंज, पक्का पुल से केरूगंज, चारखंबा, चौक, भारतद्वाजी मंडी, वाल्मीकि मंदिर, सुनहरी मस्जिद, घंटाघर, बहादुरगंज, सदर बाजार चौराहा से नगर निगम होते हुए लाल इमली चौराहे से वाल्मीकि मंदिर कटिया टोला पर शाम सात बजे सभा के रूप में परिवर्तित हो गई। कटिया टोला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना समेत दर्जा राज्यमंत्री सुरेंद्रनाथ वाल्मीकि उपस्थित रहे।

शोभायात्रा में भगवान वाल्मीकि का डोला, राम दरबार, लव कुश को शिक्षा देते हुए, हनुमान बंधन, वीर एकलव्य, भारत माता, डॉ. आंबेडकर, भगवान शंकर को अमृत पान कराते हुए वाल्मीकि को, संत रविदास, दीनाभाना वाल्मीकि, ज्योतिबा फूले, घोड़ा लिए लव कुश, भारत माता की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्चना वाल्मीकि के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चार खंबे पर शोभा यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा समिति के सुरेंद्र नाथ वाल्मीकि ने कहा कि लोगों को महर्षि वाल्मीकि से संवेदना, समर्पण और कर्तव्य की भावना सीखनी चाहिए। आकाश आनंद ने बताया कि संपूर्ण रात्रि भगवान वाल्मीकि पर विचार गोष्ठी हुई व समाज के बच्चों का सम्मान समिति द्वारा किया गया।

जयंती के अवसर पर भजन भी गाए गए। शोभायात्रा में डॉ. अनूप गुप्ता सहित सभी लोगों ने आरती उतारी और महर्षि वाल्मीकि जी के द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस मौके पर संयोजक अशोक महाजन, रामकृपाल, उपाध्यक्ष संतोष चौधरी, कुमार गोविंदा, अमरदीप, अजय प्रधान, मनोज गंगा, मुरारीलाल भास्कर, रमेश चंद्र सेठ,,अमित वाल्मीकि, रमेश चन्द, हरिओम, कुमार शालू, राजीव कुमार, संतोष कुमार, अमित कुमार, दिनेश कुमार, राजा, इन्दरपाल, जयकुमार, कमलेश, मनोज कुमार, गणेश कुमार, टाइगर, मनोज गंगा, रवि कुमार उपस्थित रहे।

शोभायात्रा के बाद भंडारे का आयोजन

रोजा, अमृत विचार : रोजा स्थित प्राचीन वाल्मीकि मंदिर प्रेम नगर कालोनी में भी वाल्मीकि समाज द्वारा सत्येंद्र कुमार की अगुवाई में बड़ी धूमधाम से जयंती मनाई गई, जिसमें महर्षि वाल्मीकि जी की भव्य शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गों पर निकाली गई। शोभायात्रा के उपरांत प्राचीन वाल्मीकि मंदिर पर आरती पूजन उपरांत सार्वजनिक भंडारा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष सुजीत कुमार निखिल उर्फ सानू द्वारा वाल्मीकि समाज से अपील करते हुए कहा कि वाल्मीकि प्राकट्य दिवस एकता और अखंडता का पर्व है। इसे हम सबको मिलजुल कर मानना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र कश्यप द्वारा की गई। इस अवसर पर राजीव राठौर, परविंदर बाहर आदि उपस्थित रहे।

शोभायात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करते नगर आयुक्त। ● अमृत विचार

रोजा में महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा में सजी झांकी। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

अल्हागंज , अमृत विचार : कस्बे में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। सभासदों और अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में निकली यह यात्रा पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र बनी रही। शोभायात्रा में एक दर्जन रथों पर देवी-देवताओं के स्वरूप सजाए गए थे। पीली पोशाक में महिलाएं अनुशासनपूर्वक झांकियों के पीछे-पीछे चल रही थीं और महर्षि वाल्मीकि की झांकी पर श्रद्धा भाव से फूल-मालाओं की वर्षा कर रही थीं। बैंड की धुन पर युवक नृत्य कर रहे थे, वहीं भूत-चुड़ैल की झांकी ने लोगों का ध्यान खींचा। इससे पूर्व मोहल्ला शिवपुरी में महर्षि वाल्मीकि जी के बड़े चित्र पर सभासद अरुण शर्मा, राजेश कुमार कश्यप आदि ने पुष्प अर्पित किए। सभी श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। थाना प्रभारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे, जबकि यूनियन के कार्यकर्ता भी सक्रिय रहे।

शोभायात्रा का जगह- जगह हुआ स्वागत

पुवायां, अमृत विचार : वाल्मीकि जयंती पर समाज की ओर से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें क्षेत्रीय विधायक व चेयरमैन ने फीता काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में पहुंचे विधायक व चेयरमैन का समाज के लोगों ने पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। क्षेत्रीय विधायक चेतराम व चेयरमैन संजय गुप्ता ने फीता काटकर शोभायात्रा का आगाज किया। जिसके बाद नगर की मुख्य सड़कों से होते हुए शोभायात्रा वाल्मीकि मंदिर पर पहुंची, जहां भंडारे का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में भगवान वाल्मीकि समेत अन्य कई देवी देवताओं की झांकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस बीच सुरक्षा की दृष्टि से शोभायात्रा के रूट पर स्वयं निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक पुत्र नीरज, सुरेश चंद्र वर्मा, राहुल कोरी, सर्वेश त्रिवेदी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि के जीवन से प्रेरणा लें

खुटार, अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के जन्मोत्सव पर मंगलवार दोपहर शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा थाने से शुरू हुई। शोभायात्रा में समाजसेवी और भाजपा नेता पहुंचे। वाल्मीकि समाज ने नगर के मेन मार्केट से मुख्य बंडा चौराहा पहुंचे। वहां से पुवायां, बंडा, गोला बाईपास से होते हुए तिकुनियां पहुंचे। इसके बाद तिकुनियां गोला हाइवे किनारे स्थित मोहल्ला नौगवां कोट में पहुंच कर समाप्त हुई। शोभायात्रा के दौरान महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर आधारित बातों को याद किया गया और उनके बताए रास्तों पर चलने की प्रेरणा ली। इस मौके पर महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस खुटार कमेटी के अध्यक्ष रोहित वाल्मीकि, सुनील कुमार, अमित कुमार, प्रकाश, रामबाबू, राहुल सोनपाल, सर्वेश, रवीश, छोटे, कारन, अजय, पूर्व चेयरमैन अनुपम शुक्ला, चेयरमैनपति बाबूराम, प्रतिनिधि ठाकुर रवि सिंह, नितिन, अमित भदौरिया, सभासद अनुज मिश्रा, कुक्कन गुप्ता, मंगल आदि लोग मौजूद रहे। सभी ने एक साथ महर्षि के बताए रास्ते पर चलने की प्रेरणा ली।

आंधी में पेड़ गिरने से दो बिजली पोल टूटे

तिलहर,अमृत विचार : सोमवार तेज हवा के साथ हुई बरसात से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। तिलहर गैसरा रोड पर एक शीशम का पेड़ विद्युत लाइन -पर गिर जाने से रोड का आवागमन बंद हो गया, वहीं दो खंभे टूट गए। विद्युत लाइन के खंभे टूट जाने से गांव टाई की विद्युत आपूर्ति ठप है। शिवदासपुर, फीडर से संबंधित गांवों की विद्युत आपूर्ति भी ठप हो गई है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई।

बाघ ने तीन बकरियों को बनाया निवाला

संवाददाता, खुटार

- वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेस किए पगमार्क सतर्कता बरतने की अपील

अमृत विचारः गांव हरिहरपुर में मंगलवार को बाघ ने खेतों में चर रही तीन बकरियों को निवाला बना लिया है। वन विभाग टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इसके बाद गांव के लोगों को सतर्कता बरतने के लिए कहा । बाघ की चहलकदमी लगातार रहने से लोग दहशत में है। लोगों ने बाघ को पकड़ने या फिर जंगल में खदेड़ने की मांग की है।

खुटार के गांव हरिहरपुर निवासी हंसराम, रामदास ने बताया कि मंगलवार को वह अपनी बकरियों को गांव के पश्चिम दिशा में गांव महेश कुमार के खेत में चराने गए थे। दोपहर बाद साढ़े तीन बजे गन्ने के खेत से बाघ आया और बकरियों पर हमला कर दिया। बकरी चरा रहे हंसराम, रामदास दौड़ कर पहुंचे और शोर मचाया। इस बीच बाघ बकरियों को छोड़कर फिर से गन्ने में चला गया। इस बीच खेतों में काम कर रहे तमाम किसान, श्रमिक लाठी, डंडा लेकर पहुंच गए। लेकिन बाघ के हमले में हंसराम की दो बकरी को मार डाला और एक बकरी हमले में काफी जख्मी हो गई। साथी रामदास की एक बकरी को भी बाघ ने अपना निवाला बना लिया। बाघ के हमले के बाद लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन दरोगा रोहित पांडेय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हंसराम, रामदास से पूरी घटना के बारे में जानकारी जुटाई। वन अधिकारी रोहित कुमार पांडेय ने खेतों में मिले पगमार्को को ट्रेस किया और बाघ की लोकेशन जानने की कोशिश की। गांव के लोगों ने वन विभाग की टीम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए काफी नाराजगी जाहिर की है। ग्रामीणों ने बाघ को पकड़वाने की गुहार लगाई है। वहीं इस मामले में एसडीओ डॉ. सुशील कुमार का कहना है सूचना पर टीम मौके पर पहुंची है। पगमार्ग ट्रेस किए गए साथ ही लोगो को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

गजल संग्रह कहो हे तथागत का विमोचन

मुख्य अतिथि ने गजल संग्रह कहो हे तथागत का किया विमोचन ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः प्रेस क्लब ज्ञानपुंज साहित्यिक संस्था के तत्वाधान में आयोजित विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि बरेली के जनवादी कवि गोपाल विनोदी ने वरिष्ठ कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान के सद्ः प्रकाशित गजल संग्रह कहो हे तथागत का विमोचन किया। उन्होंने कहा बलवीर रंग से दुष्यंत के रास्ते ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान तक पहुंची हिन्दी गजल ने आंसुओं और पसीने की इबारत एक साथ लिखी है।

जनवादी कवि गोपाल विनोदी ने कहा वर्तमान में साहित्य की गजल की विधा की लोकप्रियता बढ़ी है। आक्रोश कवि सुशील विचित्र ने कहा कि ज्ञान की गजलें उनकी स्वानुभूमि से उपजी है। सामाजिक विसंगतियों को उकेरने और रिश्तों पर चढ़े मुखौटों की धज्जियां बिखेरने की कला है। उनके गीतों में और गजलों में भी। कवि कुलदीप दीपक ने ज्ञान गीत और सजल दोनों ही विधाओं के सिद्धहस्त कलमकार है। उनकी रचनाओं में प्रेम के साथ समाज भी है। शायर गलिस्ता खान ने ज्ञान जनसामान्य की नब्ज पकड़ने वाला शायर बताया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए गीतकार विजय ठाकुर ने कहा कि ज्ञान के गीतों और गजलों में भाषा की सहजता ही उनके लेखन को रुचिक बनाती है।

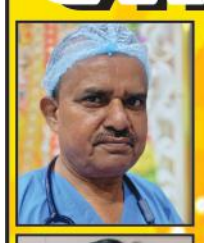

NSH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास एम.बी.बी.एस. एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीर वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न ● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा) ● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य ● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA EYE AND LASER CENTRE
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!
ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
● शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
● दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
● हिलते हुए दांतों को जाम करना।
● दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
● मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
● दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
● सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
● टेड़े-मेढ़े, ऊँचे-नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
● डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
● मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
● गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
● एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:-
9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

न्यूज ब्रीफ

सफाई कर्मियों को सम्मानित करते ईओ।

चेयरमैन और ईओ ने सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

कुंवरगांव, अमृत विचार : वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर पंचायत द्वारा कस्बा स्थित गावादेवत मंदिर पर रामायण का पाठ कराया गया। साथ ही पंचायत अध्यक्ष और ईओ ने महिला सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। पंचायत अध्यक्ष ज्योति रानी एवं अधिशासी अधिकारी द्वारा महिला सफाई कर्मी राखी, संतोष ,महिमा को फूल मालाएं पहनाकर कर सम्मानित किया। साथ प्रशस्ति पत्र दिए। कहा कि सफाई कर्मचारी हमारी रीढ़ की हड्डी हैं। इनके द्वारा नगर में सफाई चुस्त-दुरुस्त रहती है। उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इस मौके अधिशासी अधिकारी वेद प्रकाश, चेयरमैन पति अरविंद रावत, सुरेश अमीन व कंप्यूटर ऑपरेटर प्रवेंद्र पटेल मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में अब 15 तक होंगे प्रवेश

बदायूं, अमृत विचार : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई 2025 सत्र में हो रहे ऑनलाइन प्रवेश व रजिस्ट्रेशन, नवीनीकरण की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में संचालित इग्नू अध्ययन केंद्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. संजीव राठौर ने दी। प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को भारत सरकार के द्वारा निशुल्क पुस्तकें दी जाती हैं।

मृत गोवंश का समाजसेवी ने कराया अंतिम संस्कार

बदायूं, अमृत विचार : सड़क दुर्घटना में एक गोवंश की मृत्यु उसावां रोड पर हो गई। उसके शव को चील कौवे खा रहे थे। जिसका अंतिम संस्कार कराने के लिए शिव तांडव सनातन कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल त्रिवेदी ने ग्राम प्रधान और पशु चिकित्सा अधिकारी से मांग की। लेकिन उनकी बात कर किसी ने गौर नहीं किया। इसके बाद उनके द्वारा जेसीबी मंगाकर शव को भूमि में दबाया गया। साथ ही ग्राम मरौरी के प्रधान और सचिव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए उसावां थाने में तहरीर दी है।

शोभायात्रा में झांकी के साथ चलते कलाकार। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में झांकियों के साथ चलता हुजूम। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में शामिल कलाकार। ● अमृत विचार

महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा निकाली, जगह-जगह हुआ स्वागत

खेड़ा नवादा स्थित मंदिर से पूर्व मंत्री और चेयरमैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, चेयरमैन ने की कर्मचारियों के लिए बोनस देने की घोषणा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह पांच बजे प्रभात फेरी निकाली और दोपहर के बाद शहर में शोभायात्रा निकाली गई। पूर्व मंत्री आबिद रजा और नगर पालिका परिषद की चेयरमैन फात्मा रजा ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। वाल्मीकि समाज ने पूर्व मंत्री व चेयरमैन का पगड़ी पहनाकर और माल्यार्पण करके स्वागत किया। पूर्व मंत्री के आग्रह पर चेयरमैन ने कर्मचारियों को बोनस देने की घोषणा की। पालिका ने शोभायात्रा के मार्ग पर मैटिंग बिछाई।

प्रकटोत्सव के अवसर पर मंगलवार सुबह मोहल्ला लोटनपुर के वाल्मीकि के प्राचीन मंदिर से प्रभात फेरी निकाली गई। दोपहर बाद खेड़ा नवादा स्थित वाल्मीकि मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली। पूर्व मंत्री ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन के बारे में बताया। कहा कि वाल्मीकि समाज के लोग बहादुर और बफादार होते है। सभी का महर्षि वाल्मीकि के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके बताए रास्ते पर चलें। चेयरमैन ने कहा कि वाल्मीकि समाज ने हमेशा उनका साथ दिया है। चेयरमैन रहते उन्होंने परेशानी नहीं होने दी। भगवान वाल्मीकि, श्रीराम दरबार, लव कुश, काली अखाड़ा, नासिक अखाड़ा, बैंक समेत अन्य झांकियों से सुसज्जित शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। शहर भर में पुष्प अर्पित करके शोभायात्रा का स्वागत किया गया। नगर पालिका ने नेहरू चौक पर कैंप लगवाया। शोभायात्रा के अध्यक्ष राजकुमार रोहिल, मंत्री अरुण वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष अनिल विराट के साथ संरक्षक मंडल के मनोज, कुक्कू लाल, रमेश डी लाल, गोविंद, राजू लाल, अतुल, लंकेश, विनय रोहिले का सहयोग रहा। शशिकांत, सुभाष, पूर्व सभसाद नवीन विद्यार्थी, कालीचरन, रमेश बाबू, रविकांत, देव रिधम, महेश, बिपाशा सिंह, शिवम, सचिन, मोनू, प्रशांत, गौरव, शशांक, अनिकेत, रोहित मेकलीन, अवनीश, सुजीत बाल्मीकि, नगर पालिका के सभासद अनवर खां, अबरार, नवेद आदि उपस्थित रहे।

शोभायात्रा में शामिल महर्षि वाल्मीकि की झांकी। ● अमृत विचार

शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाते पूर्व मंत्री आबिद रजा और चेयरमैन फात्मा रजा।

महर्षि वाल्मीकि ने दिया समानता व न्याय का संदेश

बदायूं, अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी ने नेकपुर स्थित कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि की जयंती और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का जन्मदिन मनाया। जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के महान ऋषि, आदिकवि और रामायण के रचयिता थे। उन्होंने समाज में समानता, सत्य और न्याय का संदेश दिया। प्रदेश अध्यक्ष के बारे में कहा कि उन्होंने संघर्ष की मिसाल पेश की है। जिला उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा, आलोक सिंह, राजीव पटेल, बृजभूषण यादव, अहमद अमजदी आदि उपस्थित रहे। वहीं परशुराम चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय पर जयंती मनाई गई। मिष्ठान वितरित करके प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया। पूर्व जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह, जाहिद सिद्दीकी, जितेंद्र कश्यप, गौरव राठौर, इगलास हुसैन, मुनेंद्र कनौजिया, रफत अली, नरेश पाल आदि उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जयंती पर स्वच्छाग्रही हुए सम्मानित, रामायण का हुआ पाठ

ठ जनपद में मंगलवार वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। मंदिरों में पूजा पाठ के साथ ही रामायण का पाठ भी कराया गया। इसके साथ ही स्वच्छाग्रहियों को सम्मानित किया गया।

शहर के मोहल्ला लोटनपुरा में स्थित मंदिर में पूजा अर्चना किया गया। वाल्मीकि जयंती पर शिक्षण संस्थानों में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहीं राजनीतिक दलों द्वारा भी महर्षि वाल्मीकि को नमन किया। शहर के नगर पालिका के अलावा बिसौली, बिल्सी, दातागंज, नगर पंचायत वजीरगंज, अलापुर, उसावां, कुंवरगांव सहित नगरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन नगर निकायों में अध्यक्षों व ईओ द्वारा स्वच्छाग्रही को सम्मानित किया।

विदित रहे कि महर्षि वाल्मीकि वैदिक काल के महान ऋषियों में सम्मिलित हैं। महर्षि वाल्मीकि को आदि कवि के नाम से भी जाना जाता है। उनके द्वारा रचित विश्व प्रसिद्ध रामायण महाकाव्य सामाजिक, मानवीय एवं राष्ट्रीय मूल्यों की स्थापना का आदर्श है।

बैंड बाजे और काली अखाड़े के साथ निकाली श्रीराम की बरात

संवाददाता, उघौती

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के कस्बा खितौरा में मंगलवार भगवान श्री राम बारात शोभायात्रा निकाली। बैंड बाजे और काली अखाड़े के साथ निकाली गई शोभायात्रा में विभिन्न झांकियां शामिल रहीं। सुरक्षा के तहत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। शोभायात्रा गांव भर में घूमी। जिस पर लोगों ने पुष्प वर्षा की।

राम बारात शोभायात्रा रामलीला मैदान से शुरू हुई। भगवान राम का मेला कमेटी पदाधिकारी ठाकुर प्रदीप कुमार सिंह ने तिलक कर आरती उतारी। इसके बाद शोभायात्रा शुरू हुई। शोभायात्रा में सबसे आगे भगवान गणेश की झांकी चल रही थी। इसके पीछे बग्घी पर सवार श्री राम लक्ष्मण की झांकी थी। नृत्य करते शिव पार्वती व नन्दी, नाग नागिन की झांकी व नृत्य करते राधा कृष्ण श्री राम के दरबार झांकी सहित दर्जनों सुसर्जित झांकियां शामिल थीं, जो श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इनमें भगवान राम के जीवन प्रसंगों से जुड़ी झांकियां, राधा-कृष्ण की झांकी और शिव-पार्वती की झांकी प्रमुख थीं। पूरे मार्ग पर बैंड-बाजों की मधुर धुन पर भक्तगण जमकर झूमते नजर आए। जय श्रीराम के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था, हर कोई इस अलौकिक दृश्य को अपने कैमरे में कैद करने को आतुर था।

भगवान राम का तिलक करते मेला कमेटी पदाधिकारी। ● अमृत विचार

सुरक्षा में तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

- लोगों ने बरात पर की पुष्प वर्षा, पुलिस तैनात

बारात में शामिल थी। अपनी कला कौशल का प्रदर्शन करता काली अखाड़ा लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। बारात रामलीला मैदान से शुरू होती हुई सहसवान बिसौली रोड, महरौली रोड, होली चौक, डाकखाना रोड, रियोनाई रोड, भारद्वाज मार्केट, प्राचीन देवी मंदिर होते हुए वापस रामलीला मैदान में जाकर विसर्जित हुई। शोभायात्रा पर लोगों ने पुष्प वर्षा की। सुरक्षा व्यवस्था के तहत थाना प्रभारी अवधेश कुमार भारी पुलिस बल के साथ बारात में मौजूद रहे। इस मौके पर मेला कमेटी के अध्यक्ष रूप किशोर गुप्ता, प्रदीप कुमार सिंह, महाराज सिंह, बलराम पाठक, सुनील राणा, वंश गुप्ता, अमन कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पीएम अजय योजना से हो रहा गरीबों का कल्याण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- स्वरोजगार के लिए समाज कल्याण विभाग अनुसूचित जाति के गरीबों को दे रहा ऋण
- विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण प्राप्त करने के लिए विभाग को मिले 1,525 आवेदन

अमृत विचार: समाज कल्याण विभाग द्वारा शासन द्वारा संचालित पीएम अजय योजना के तहत गरीब अनुसूचित जाति के लोगों के लिए स्वरोजगार को ऋण उपलब्ध करा रहा है। योजना के तहत लाभार्थियों को 50 हजार रुपये का अनुदान दिया जाता है। शेष धनराशि ऋण के रुप में दी जाती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अब तक विभाग में 1525 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनका सत्यापन कर बजट की मांग करते हुए विभाग द्वारा शासन में डिमांड भेजी है।

समाज कल्याण विभाग के उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम अनुसूचित जाति के लोगों के लिए स्वरोजगार करने के लिए ऋण उपलब्ध कराता है। विभाग शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री अजय योजना (पीएम-अजय) के तहत ग्रांट-इन-एड आय सृजक योजनाओं के साथ लाभार्थियों को 50 हजार रुपये तक का अनुदान देता है। शेष धनराशि बैंकों से ऋण के रूप में दी जाएगी।

विभाग के सहायक प्रबंधक संतोष दिवाकर ने बताया कि पीएम योजना के तहत 16 स्वरोजगार परियोजनाएं शासन की ओर से चयनित की गई हैं। इनमें बुटीक, ब्यूटी पार्लर, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन, लॉजिस्टिक वाहन चालक, किराना/जनरल स्टोर, फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी, ई-रिक्शा चालक, मुर्गी पालन, डेयरी, बकरी पालन, निर्माण कार्य हेतु मल्टी स्किल्ड प्रशिक्षण, महिला गृह उद्योग, टू-व्हीलर/थ्री-व्हीलर मैकेनिक जैसे स्वरोजगार विकल्प शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को लाभ ऋण का लाभ दिया जाता है।

योजना के तहत पात्रों को 50 हजार रुपये अनुदान पर दिए जाते हैं। शेष धनराशि ऋण के रूप में दी जाती है। बताया कि योजना के तहत समूह और क्लस्टर के रूप में कार्य करने को लाभ दिया जाता है। इनमें 12 योजनाओं का लाभ क्लस्टर और चार योजनाओं का लाभ समूह में कार्य करने के लिए ऋण दिया जाता है। पात्रों का चयन के बाद उन्हें तीन माह का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद ही विभाग ऋण उपलब्ध कराता है।

श्रीराम के जयघोष से भक्तिमय हुआ माहौल

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार: मंगलवार को कस्बा में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य बारात धूमधाम से निकाली गई। राम बारात में जय श्री राम का नारा गुंजायमान रहा। जिससे माहौल भक्तिमय बन गया। बाराती बने कस्बे के लोगों न शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की। सुरक्षा के तहत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

राम बारात नगर के पुराने मंदिर से प्रारंभ हुई। बारात सराफा मार्केट होती हुई नगर मुख्य मार्ग पर घूमी। राम बारात का समापन रामलीला मैदान पर हुआ। भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के स्वरूपों से सजी बारात को देखने के लिए नगर भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। बारात में कई मनमोहक और आकर्षक झांकियां

शोभायात्रा में शामिल भगवान राम की झांकी। ● अमृत विचार

पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

बरात का नगर के मुख्य मार्गों से गुजरने के दौरान जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस भव्य आयोजन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, जिससे बारात सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंची। यह आयोजन हमारे शहर की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा को दर्शाता है। राम बारात के बाद, रात में विवाह की रस्में पूरी की जाएंगी।

मकान पर गिरा पेड़ पुलिस ने हटवाया

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के मुख्य बाजार स्थित पुलिस चौकी परिसर में खड़ा एक पुराना यूकेलिप्टिस का पेड़ मामूली हवा के चलते सोमवार की शाम एक मकान के ऊपर गिर गया। जिससे मकान में काफी नुकसान हो गया। वहीं सड़क से गुजर रहे लोग बाल बाल बचे। कोतवाली पुलिस ने उक्त पेड़ को हाइड्रा की मदद से हटवाया। जिसके कारण मुख्य बाजार का आवागमन काफी देर तक प्रभावित रहा। व्यापारी नेता मुबीन फरीदी ने बताया पुलिस चौकी में कई वर्ष पुराना यूकेलिप्टस का पेड़ मामूली हवा के चलते मुनीश्वर राठी के मकान के ऊपर गिर गया जिससे मकान में काफी नुकसान हुआ वहीं सड़क से गुजर रहे लोग बाल बाल बत गए। यहां बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने मंगलवार की शाम उक्त पेड़ को मकान के ऊपर से हटवाया।

त्यौहार बाजार में साड़ी और चूड़ियों की दुकानों पर खूब हो रही खरीदारी

करवा चौथ पर महिलाओं से बाजार गुलजार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: करवा चौथ का त्यौहार को लेकर बाजार गुलजार हो गया है। बाजारों में खरीदारी करने के लिए महिलाओं की भीड़ पहुंच रही है। त्योहार को लेकर महिलाएं साड़ी के साथ लहंगा की मांग कर रही हैं। इसके अलावा बाजार में बनारसी साड़ियों की खूब डिमांड है। साथ ही महिलाएं क्रंची, लूज फैंसी और ग्लास कॉटन साड़ियों को भी पंसद कर रही हैं।

दस अक्टूबर को करवा चौथ का पर्व मनाया जाएगा। जिसमें मात्र दो दिन का ही समय शेष बचा है। समय कम होने के चलते बाजारों में महिलाएं खरीदारी करने के लिए पहुंच रही हैं। सबसे अधिक भीड़ साड़ियों की दुकानों पर देखने को मिल रही है। महिलाएं परंपरागत साड़ियों के साथ ही मॉर्डन लुक देने वाली साड़ियों की अधिक मांग कर रही हैं। दुकानदारों ने भी पर्व को देखते हुए पहले से तैयारी कर रखी थी। साड़ी विक्रेता रोहित रस्तोगी ने बताया कि करवा चौथ पर्व को लेकर महिलाएं परंपरागत साड़ी बनारसी के साथ मॉर्डन लुक वाली की मांग कर रहीं हैं। इस बार कम मूल्य की साड़ियों और सूट की बिक्री महिलाओं के द्वारा अधिक हो रही है। साड़ियों की कीमत एक हजार से सात हजार रुपये तक और सूट की कीमत सात सौ से तीन हजार रुपये तक है। बाजार में फ्लोर प्लाजो सूट, कोर्ड सेट और ग्लास कॉटन की खूब खरीदारी हो रही है। कपड़ा विक्रेताओं ने बताया कि इस महिलाएं नेट ऑर्गेंजा और बनारसी लहंगे को भी ज्यादा पसंद कर रही हैं। लंहगा तीन हजार से दस हजार रुपये कीमत तक है। करवा चौथ की तैयारियों के बीच सजे-धजे बाजारों में महिलाएं उत्साह से भरी नजर आ रही हैं जिससे बाजारों में त्योहार का रंग और भी गहरा हो गया है।

दुकान में साड़ियों की खरीदारी करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर भी जुट रहीं महिलाएं

करवा चौथ त्योहार को लेकर बाजारों में जहां महिलाएं साड़ी, सूट, लंहगा आदि की खरीदारी कर रहीं हैं। वहीं उनके द्वारा सौन्दर्य प्रसाधन का भी सामान खरीदा जा रहा है। इसके अलावा चूड़ियों की दुकानों पर भी खासी भीड़ देखी जा रही है। महिलाएं विभिन्न रंगों की चूड़ियां खरीद रही हैं। हरी चूडी उनकी पहली पसंद बनी हुई है।

शरद पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर उमड़े श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शरद पूर्णिमा पर गंगा में आस्था की डुबकी लगाने का विशेष महत्व माना जाता है। इसलिए श्रद्धालु बस और ट्रेनों से कछला गंगा घाट पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर आज श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कछला और उझानी रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं का बढ़ता सैलाब रेलवे प्रशासन को परेशानी का कारण बन गया। जिससे आज कछला से आने वाली ट्रेन 40 मिनट देर से पहुंची।

मंगलवार को शरद पूर्णिमा के मौके पर कछला गंगा घाट पर श्रद्धालु बसों और ट्रेनों से पहुंचे। सुबह नौ बजे बरेली से आने वाली ट्रेन में श्रद्धालुओं को रेला घुसने लगा जिससे रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा कर्मियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी तरह जब कासगंज से आ

रेलवे स्टेशन पर स्नान कर लौटने वालों की भीड़। ● अमृत विचार

- ट्रेन में रही भारी भीड़, रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा रही कड़ी

आने वाली पैसेंजर ट्रेन 11-20 पर जब कछला रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए ट्रेन करीब 15 मिनट देर से चली। ट्रेन में श्रद्धालुओं को किसी तरह जगह मिली। इसी तरह उझानी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का जनसैलाब उमड़ा, गंगा स्नान कर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए यहां पर भी ट्रेन 15 मिनट देरी से चली जो बदायूं रेलवे स्टेशन पर 1-50 पर पहंची। बदायूं रेलवे स्टेशन पर 12-20 पर ट्रेन के पहुंचने का समय है लेकिन शरद पूर्णिमा के चलते यात्रियों की भीड़ अधिक रही जिससे 40 मिनट की देरी से ट्रेन यहां पहुंची। ट्रेन के पहुंचते ही यात्रियों का रेला शुरू हो गया। भारी भीड़ के साथ यात्री रेलवे स्टेशन से बाहर निकले। करीब सात मिनट तक ट्रेन खड़ी रही। उसके बाद आगे को रवाना हो गई।

दो दरोगा और 14 सिपाही रहे तैनात

मंगलवार को शरद पूर्णिमा के मौके पर श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से शुरू हो गयी। श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पर पहुंचे सुरक्षा कर्मियों को चौकसी बरतनी पड़ी। जीआरपी पुलिस के 14 सिपाही और दो दरोगा सुबह से ही प्लेटफार्म एक पर तैनात कर दिए गए। इनमें सात महिला सिपाही भी शामिल रहीं। एसओ बीरेंद्र कुमार ने बताया कि सोमवार को भी सैकड़ों श्रद्धालु गंगा स्नान को गए और आज भी श्रद्धालुओं की भारी संख्या देखने को मिली।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,8 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आश्रम में संत रवि महाराज के साथ बार काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष व अन्य।

राम सेवा आश्रम पहुंचे प्रदेश बार काउंसिल अध्यक्ष

उझानी, अमृत विचार : मंगलवार को बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ राम सेवा आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने आश्रम के संत रवि महाराज से मुलाकात की। साथ ही आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर तरुण एडवोकेट, राघवेंद्र शर्मा, निखिल सक्सेना, आदित्य गुप्ता, अंकित चौहान आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में ऑटो चालक की मौत

बदायूं, अमृत विचार : बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव नागरझूना निवासी सत्तान शाह ऑटो चलाकर परिवार का पालन पोषण करते थे। वह बिल्सी से वजीरगंज तक ऑटो चलाते थे। सोमवार देर शाम वजीरगंज क्षेत्र में गांव रूपपुरा और मूसापुर के बीच किसी वाहन ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को निजी अस्पताल और वहां से सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने सत्तान शाह को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

घर से शहर जाने को निकली महिला लापता

ककराला, अमृत विचार : कादरचौक थाना क्षेत्र के गांव भदसिया निवासी हसीन अहमद ने बताया कि उनकी पत्नी शहनाज 4 अक्टूबर को अपनी बेटी अलीसा के साथ बदायूं शहर आने की बात कहकर घर से निकली थीं। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी हैं। परिचित और रिश्तेदारी में जानकारी करने के बाद भी कुछ पता नहीं चला है। महिला के पास मोबाइल फोन भी नहीं है। महिला काफी समय से अपने मायके में रह रही थी। महिला की मां ने सिविल लाइन पुलिस को तहरीर दी है।

एडीएम और एसडीएम करेंगे ककोड़ा के किसानों से बात

मेला स्थल पर यूकेलिप्टस न कटने से दिक्कत, तैयारियों में जुटा जिला पंचायत प्रशासन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मेला ककोड़ा के की तैयारियों में जिला पंचायत जुटा हुआ है। मेला स्थल पर रात दिन काम चल रहा है। लेकिन इस बार ककोड़ा व अन्य गांवों के कुछ किसानों ने मेला स्थल पर यूकेलिप्टस के पेड़ लगा कर जिला पंचायत प्रशासन को समस्या पैदा कर दी है। अब एसडीएम और एडीएम प्रशासन किसानों से बात कर पेड़ों को कटवाने का प्रयास करेंगे।

ककोड़ा मेला स्थल के निकट गांव ककोड़ा और गंगी नगला है। एक गांव और है। इन गांवों के किसानों का खेती का रकबा गंगा किनारे है। जबकि ककोड़ा मेला स्थल का रकबा अलग है। फिर भी किसान जिला पंचायत के मेले के रकबे पर खेती करने लगते हैं हालांकि जिला पंचायत का रकबा कागजों में दर्ज है उतना मौके पर है। फिर भी आस पास के किसान इधर गन्ना और अन्य फसलें करते हैं। इस बार किसानों ने करीब सौ बीघा खेत में गन्ना लगा दिया है जबकि दो सौ से अधिक यूकेलिप्टस के पेड़ लगा दिए हैं। किसानों से ईख काटने को कहा गया है जिस पर कुछ किसान तैयार भी हो गए हैं, मगर यूकेलिप्टस के पेड़ काटने को किसान तैयार नहीं हैं। अब जिला पंचायत प्रशासन मेला स्थल पर कच्ची सड़के तैयार करा रहा है। अन्य कार्य भी कराए जा रहे हैं। रात दिन काम किया जा रहा है।

जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को बताया कि तैयारियों की जा रहीं हैं। लेकिन यूकेलिप्टस के पेड़ काटने को किसान तैयार नहीं हैं। इसके लिए एसडीएम सदर और एडीएम से कहा गया है। उक्त अधिकारी ही किसानों से बात करेंगे तभी समस्या का समाधान निकलेगा। बताया कि बुधवार को किसानों को मेला स्थल पर बुलाया गया है। यदि किसान तैयार हो जाते हैं तो काम शुरू करा दिया जाएगा। अन्यथा जिला प्रशासन अपने स्तर से काम करेगा।

मेला स्थल के निकट खड़े यूकेलिप्टस के पेड़। ● अमृत विचार

मेला स्थल पर लगाए जाएंगे 200 हैंडपंप

जिला पंचायत प्रशासन की ओर से बताया गया है कि इस बार मेला स्थल पर करीब दो सौ हैंडपंप लगाए जाएंगे। यह हैंडपंप प्रत्येक क्षेत्र में लगाए जाने हैं जिससे श्रद्धालुओं दुकानदारों को पेयजल की समस्या न हो। हैंडपंप लगाने का ठेका भी दे दिया गया है। कच्ची सड़क तैयार होने के बाद डेरा तंबू लगाए जाएंगे। उसके बाद दो दिन के अंदर हैंडपंप लगा दिए जाएंगे। जिला पंचायत की टीम मेला स्थल पर डटी हुई है।

जीएसटी कम होने के बताए फायदे

कादरचौक, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने ब्लॉक कादरचौक के सभागार में जीएसटी कम होने पर कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें कहा गया कि घटी जीएसटी, मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार। मंगलवार को ब्लॉक सभागार में विधानसभा सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता व पूर्व जिलाध्यक्ष बरेली रविन्द्र सिंह राठौर, पूर्व विधायक शेखूपुर धर्मेंद्र शाक्य जीएसटी कम होने के फायदे बताए। कहा कि मोदी सरकार ने लोगों को दीपावली का उपहार दिया है। सम्मेलन में मंडल अध्यक्ष सर्वेश कश्यप, ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र राजपूत, वरिष्ठ व्यापारी उमेश गुप्ता वल व्यापारियों के अलावा भाजपा कार्यकर्ता दीपक सक्सेना, डॉ अवधेश राठौर, कल्लू सक्सेना, अजय गुप्ता, राजेश गुप्ता, अश्विनी गुप्ता, श्यामसुंदर उपाध्याय आदि थे।

ब्लॉक कादरचौक सभागार में मंच पर बैठे भाजपा नेता।

एक दिन की प्रभारी निरीक्षक बनी शिखा

सिविल लाइन में महिला की शिकायत सुनतीं एक दिन की प्रभारी निरीक्षक शिखा पटेल।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पुलिस कार्यप्रणाली की ली जानकारी, प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने किया जागरूक

अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कोतवाली सिविल लाइन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांव नगला शर्की निवासी व बीआरबी स्कूल की 12वीं की छात्रा शिखा पटेल एक दिन की प्रभारी निरीक्षक बनीं।

छात्रा ने महिला थाना के दैनिक कार्यों का संपादन किया। महिला संबंधी शिकायतें सुनीं। शिकायत निवारण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कोतवाली का भ्रमण करके कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। महिला सुरक्षा उपायों के प्रति आमजन को जागरूक किया। छात्रा को पुलिस कार्यप्रणाली, थाने में पंजीकृत प्रकरणों की सुनवाई व निस्तारण की प्रक्रिया व जनसहभागिता की भूमिका से अवगत कराया गया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति फेस 5.0 का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। इस प्रकार के नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों से छात्राओं को पुलिस कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होता है। आत्मविश्वास का संचार होता है।

पिंडौल में धूमधाम से निकली राम बरात

संवाददाता, बिल्सी

बिल्सी। तहसील क्षेत्र के गांव पिन्डोल में मंगलवार को भगवान राम की बारात धूमधाम से निकाली गई। बारात रामलीला ग्राउंड से आरम्भ हुई और होली चौक, जाटव, वैश्य मोहल्ला, इस्लामनगर रोड होती हुई मौर्य और ब्राह्मण मोहल्ला होती हुई रामलीला ग्राउंड पर जाकर समाप्त हुई। बारात में राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान, सरस्वती, मां पार्वती-शंकर, राधा कृष्ण, शनिदेव, काली अखाड़ा को शामिल की गया। हिंद बैंड उघैती अपनी मधुर धुनों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहा था। बारात पर राम भक्त फूलों की वर्षा कर रहे थे। इस मौके पर मेला कमेटी के अध्यक्ष पंडित सत्यप्रकाश शर्मा, प्रबंधक डॉ प्रदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, शिशुपाल गुप्ता, जगदीश सक्सेना, अनुराग भूषण गुप्ता, मुनीश तिवारी, मुनेंद्र शर्मा, शैलेश शर्मा, सोवरन सिंह, अजय कुमार सक्सेना, जितेंद्र प्रजापति, चौधरी जसवंत सिंह, वीरेंद्र प्रजापति आदि का विशेष सहयोग रहा।

राम बारात में शामिल झांकी। ● अमृत विचार

70 प्रतिशत हो चुकी शेखूपुर चीनी मिल की मरम्मत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जीएम की सख्ती, 10 दिन में पूरी करें बॉयलर की मरम्मत
- माह के अंत में होगा मिल का ट्रायल, की गई सफाई

अमृत विचार : दि किसान सहकारी चीनी मिल शेखूपुर को चलाने की तैयारी की जा रही है। मिल की मशीनों की मरम्मत की जा रही है। मिल परिसर को साफ कराया जा रहा है, जिससे अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में मशीनों का ट्रायल किया जा सके। गन्ना किसानों को जल्द मिल चालू होने की उम्मीद है। अब तक करीब 70 प्रतिशत मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया है। जीएम ने अगले 10 दिन में अंदर काम पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

सहकारी चीनी मिल शेखूपुर की गन्ना पेराई क्षमता मात्र 13 हजार क्विंटल प्रतिदिन है, लेकिन मिल की मशीनें काफी पुरानी होने के कारण हर साल मिल पेराई सत्र के बीच मशीनों की खराबी के चलते बंद हो जाती है जिससे गन्ना पेराई बाधित होती है और गन्ना किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

चीनी मिल की हर साल मरम्मत की जाती है। फिर भी मिल में तकनीकी परेशानियां कम नहीं होती हैं। इस बार पिछले कई माह से मिल की मरम्मत की जा रही है। मिल प्रबंधन का कहना है कि मिल की मशीन लगभग ठीक हो चुकी हैं मगर मिल का बॉयलर अभी ठीक नहीं हुआ है। इसके लिए पिछले 20 दिन से काम किया जा रहा है। मिल का बॉयलर ठीक होने के बाद ही मिल का ट्रायल किया जाएगा। मिल परिसर में फैली गंदगी को साफ किया जा रहा है। जगह जगह मिट्टी डाल कर गड्ढे भरे जा रहे हैं जिससे गन्ना लेकर आने वाले वाहनों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

मिल का चीनी गोदाम नहीं हुआ साफ

शेखूपुर मिल की चीनी गोदाम पिछले काफी समय से साफ नहीं की गयी है। मिल की खराब चीनी की बोरियां वहां पर पड़ी हुई हैं। जिससे गोदाम में भारी गंदगी बनी रहती है। हर साल नई चीनी की बोरियां यहीं पर रखी जाती हैं। लेकिन गोदाम की पुरानी चीनी यहां से नहीं हटाई जाती है। चीनी गोदाम के आस पास भी गंदगी फैली हुयी है। गन्ना पेराई सत्र शुरू होने से पहले मिल परिसर को साफ सुथरा बनाया जा रहा है।

> मिल परिसर को साफ सुथरा किया जा रहा है। मिल की मरम्मत 70 प्रतिशत से अधिक पूरी कर ली गई है। शेष कार्य को 10 दिन के अंदर पूरा करने को कहा गया है। यदि मरम्मत समय पर पूरी हो जाती है तो अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तक ट्रायल किया जाएगा। मिल में रात दिन काम किया जा रहा है। बहर से टेक्नीशियन बुलाए गए हैं।
>
> –मनी अरोरा, महाप्रबंधक, चीनी मिल।

कुंडेली बादुल्लागंज में शुरू हुई रामलीला

ककराला, अमृत विचार : विकास क्षेत्र कादरचौक के गांव कुंडेली बादुल्लागंज में 7 अक्टूबर से रामलीला शुरू हो गई है। कमेटी अध्यक्ष पप्पू ने बताया है कि रामलीला और मेला शुरू हो गया है। रामलीला का मंचन बाहर से आए कलाकार करेंगे। रावण दहन 16 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले मे बच्चों के मनोरंजन को चरख झूले, खिलौनों की दुकानें लगाई गई हैं।

जीएसटी सुधार से व्यापार में पारदर्शिता और विकास बढ़ा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जीएसटी से व्यापारी वर्ग को नई दिशा और अवसर मिले

अमृत विचार : कादरचौक ब्लॉक परिसर में शेखूपुर विधानसभा का नेक्स्ट जन जीएसटी का विधानसभा सम्मेलन हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अर्थव्यवस्था लगातार सशक्त हो रही है। नेक्स्ट जन जीएसटी सुधार जैसी पहल व्यापारियों के लिए पारदर्शिता और सुविधा बढ़ाने में सहायक साबित हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यकाल में लागू किए गए जीएसटी सुधार, डिजिटलीकरण और व्यवसाय को आसान बनाने वाले कदम स्पष्ट रूप से यह दिखाते हैं कि देश के विकास में व्यापारियों और उद्योगों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की आर्थिक नीतियां सरल, पारदर्शी, व्यवसायिक हितों के अनुकूल बन रही हैं।

व्यापारी समुदाय आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में पूरी तरह सहभागी है और देश की आर्थिक प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य ने कहा कि मोदी सरकार के दूरदर्शी कदम, जैसे जीएसटी सुधार और डिजिटलीकरण, व्यवसायिक माहौल को और अधिक प्रगतिशील और प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं। शेखूपुर का व्यापारी समुदाय आत्मनिर्भर भारत के मिशन में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। अभियान संयोजक अनुज माहेश्वरी, मंडल अध्यक्ष सर्वेश कश्यप, ब्लॉक प्रमुख वीरेंद्र राजपूत, वरिष्ठ व्यापारी उमेश गुप्ता आदि शामिल हुए।

सम्मेलन को संबोधित करते भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता।

क्षेत्र में जोरों पर हो रहा बालू खनन का धंधा

कादरचौक , अमृत विचार: थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन इन दिनों चरम पर है। सुबह से लेकर करीब 11 बजे तक दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बालू भरकर दौड़ती नजर आती हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में हो रहे बालू खनन रोकने की मांग डीएम से की है।

बालू का खनन करने वाले लोग गंगा नदी से बालू निकाल कर बिक्री कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन से जहां सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं क्षेत्रीय सड़कों की हालत भी खराब होती जा रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और एसएसपी बदायूं से मांग की है कि क्षेत्र में चल रहे इस अवैध बालू खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए। तथा इस धंधे में लिप्त लोगों पर कार्रवाई की जाए।

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, नि:सन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता
क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रुबीम एसटीएक्स
(लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
● बरेली का एकमात्र PET CT
● पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
● सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, ● रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, ● डे केयर कीमो थेरेपी, ● इम्यूनोथेरेपी ● कैंसर आईसीयू, ● फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री ● मैमोग्राफी, ● कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, ● टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल ● इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
● प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
● मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइनः 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : /rohilkhand cancer institute

राज्यमंत्री बोले– दीपावली पर स्वदेशी उत्पाद खरीदने और बेचने को प्रोत्साहित करेगी भाजपा

दीपावली पर दिखेगा स्वदेशी का रंग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर भाजपा कार्यालय पर केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा देश भर में चलाए जा रहे आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत अटल जयंती तक कार्यक्रमों की शृंखला चलाई जाएगी। अभियान के तहत भाजपा पूरे देश में दीपावली पर स्वदेशी उत्पाद खरीदने और दुकानदारों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के सपने को पूरा करने की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण है। अभियान का उद्देश्य हर भारतीय को सक्षम और स्वावलंबी बनाना है। जिसके अंतर्गत स्वदेशी उत्पाद खरीदने और दुकानदारों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। कहा कि अभियान प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह जनांदोलन है। इसका उद्देश्य हर भारतीय को सक्षम बनाना है, ताकि वह स्वावलंबी बने और देश के विकास में भागीदारी निभाए।

आत्मनिर्भरता का पहला कदम है, स्थानीय को प्राथमिकता देना। दीपावली के समय आम व्यक्ति स्वदेशी उत्पाद खरीदे और दुकानदार स्वदेशी ही उत्पाद बेचें। इसके लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप्स और डिजिटल मंच के जरिए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही वोकल फॉर लोकल को अपनाने और स्थानीय उत्पादों व सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया। लोकल फॉर वोकल को देश भर में तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत में आज चिप से लेकर शिप तक बन रहे हैं।

लखपति दीदी योजना के माध्यम से एक करोड़ से अधिक बहनें लखपति दीदी बन चुकी है। स्वयं सहायता समूह लोकल फॉर वोकल अभियान में मील का पत्थर साबित होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने काह कि अभियान के तहत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तक प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। व्यापारी सम्मेलन, उद्योग सम्मेलन, कॉलेज स्तरीय स्वदेशी संकल्प सेमिनार, स्वदेशी मेला, नुक्कड़ नाटक, महिला वयुवा सम्मेलन, हस्ताक्षर अभियान, आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ और पदयात्रा, कॉलेज में स्वदेशी चित्रकला, कविता, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, एमपी सिंह राजपूत, आशीष शाक्य, अनुभव उपाध्याय उपस्थित रहे।

अभियान की जानकारी देते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, साथ में जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, विधायक हरीश शाक्य, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य।

यह है आत्मनिर्भर भारत अभियान का सार

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान केवल एक नीति नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय भावना है। यह अभियान देशवासियों को संदेश देता है कि एक विदेशी उत्पाद छोड़िए, एक स्वदेशी विकल्प अपनाइए, यही सच्चा राष्ट्र प्रेम है। हर घर स्वदेशी– हर मन आत्मनिर्भर, वोकल फॉर लोकल– लोकल से ग्लोबल।

न्यूज ब्रीफ

आत्महत्या करने आई किशोरी, पुलिस ने बचाया

बदायूं, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के शेखूपुर स्थित रेलवे क्रासिंग के गेट मैन ने पुलिस को सूचना दी कि एक किशोरी ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या का प्रयास कर रही है। सिविल लाइन की मिशन शक्ति टीम प्रभारी उपनिरीक्षक ईशा तोमर, हेड कांस्टेबल सुधापाल, वरूणा वर्मा मौके पर पहुंचीं। किशोरी को सुरक्षित बचा लिया। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि वह अपने परिजनों से नाराज होकर कासगंज से बदायूं आई है। परेशान होकर यह कदम उठाने जा रही थी। पुलिस ने किशोरी के परिजनों को सूचना दी। परिजनों को मिशन शक्ति केंद्र पर बुलाकर काउंसलिंग की। किशोरी को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। साथ ही परिजनों को हिदायत दी। किशोरी ने भी आश्वासन दिया कि वह भविष्य में ऐसा कृत्य नहीं करेगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

विजय नगला, अमृत विचार : थाना बिनावर क्षेत्र के गांव सल्लननगर अनुगुईया निवासी मोहन लाल (25) पुत्र नन्हे लाल अपने गांव के लेखराज के साथ बरेली के देवचरा की साप्ताहिक बाजार गए थे। वह दोनों देर शाम बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। बरेली के थाना भमौरा क्षेत्र के गांव खेड़ा के पास किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मंगलवार सुबह 4 बजे मोहन लाल ने दम तोड़ दिया।

सड़क दुर्घटना में युवक की गई जान

बदायूं, अमृत विचार : गांव पड़ौआ निवासी सुभाष (32) पेंटर थे। अक्सर काम पर जाते और शाम को लौट आते थे। उनके परिजनों के अनुसार सोमवार रात वह शराब पीकर घर आए थे। किसी बात को लेकर परिजनों से कहासुनी हो गई थी। काफी देर तक झगड़ा होता रहा। कुछ देर के विवाद के बाद सुभाष घर से चले गए थे। वहीं परिजनों को लगा कि वह सो गए लेकिन वह नशे की हालत में एमएफ राजमार्ग पर चले गए थे। मंगलवार सुबह लगभग चार बजे पुलिस को गोदाम के पास उनका शव मिला। शिनाख्त करके उनके परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहरीर दी है।

ग्राम पंचायतों में 11509 शौचालयों के निर्माण का मिला है लक्ष्य

500 से अधिक ग्रामीणों ने किया आवेदन, निर्माण का पंचायती राज विभाग को मिला जिम्मा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाए जाने हैं। शासन की ओर से पंचायती राज विभाग को 11509 शौचालय बनाने का लक्ष्य दिया गया है। शौचालय के निर्माण में 13.81 करोड़ की धनराशि खर्च की जाएगी। शौचालय की मांग करते हुए 500 से अधिक ग्रामीणों ने मांग की है।

खुले में शौच मुक्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन योजना का संचालन किया जा रहा है। खुले में शौच को मुक्त करने के लिए सरकार द्वारा पंचायती राज विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। विभाग लोगों को खुले में शौच न जाने के लिए जागरूक कर रहा है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय का निर्माण भी करा रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में शासन की ओर से पंचायती राज विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में 11 हजार 509 शौचालय बनवाने का लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य मिलने के बाद विभाग द्वारा ग्रामीणों से आवेदन मांगने शुरू कर दिए हैं। अब तक करीब पांच सौ से अधिक आवेदन विभाग को प्राप्त हो चुके हैं। इन सभी का सत्यापन कराया जा रहा है। इनमें 150 से अधिक आवेदनों का सत्यापन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिन परिवारों का सत्यापन हो चुका है। उन्हें शौचालय निर्माण के लिए प्रथम किस्त जारी कर दी गई है।

- **शौचालयों के निर्माण में 13.81 करोड़ धनराशि की जाएगी खर्च**

ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की ओर से 11509 शौचालय निर्माण के लिए लक्ष्य मिला है। पांच सौ से अधिक आवेदन मिले हैं। इनका सत्यापन कराया जा रहा है। अब तक करीब 150 आवेदनों का सत्यापन कार्य पूर्ण होने पर पात्र लाभार्थी को प्रथम किस्त जारी कर दी गई है। -**यावर अब्बास**, डीपीआरओ

दो किस्तों में दी जाती है धनराशि

स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। शौचालय निर्माण के लिए पात्र लाभार्थी को 12 हजार रुपये दिए जाते हैं। यह धनराशि दो किस्तों में दी जाती है। पात्र लाभार्थियों को पहली किस्त में छह हजार रुपये दिए जाते हैं। जब आधा शौचालय बन जाता है तो उसकी जांच की जाती है। इसके बाद छह हजार रुपये की धनराशि लाभार्थी को शौचालय का पूरा निर्माण कराने के बाद दिए जाते हैं। यह धनराशि पात्र लाभार्थी मिलने के बाद उनके खातों में राशि भेजी जाती है।

पिछले साल मिला था 25925 शौचालय बनाने का लक्ष्य

पंचायती विभाग के कर्मचारी अधिकारियों के मुताबिक पिछले साल 25 हजार 925 शौचालय ग्रामीण क्षेत्रों में बनवाने का लक्ष्य मिला था। जिसमें से 90 प्रतिशत शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। अभी दस प्रतिशत शौचालय पूर्ण नहीं हो सके हैं। लाभार्थियों के द्वारा प्रथम किस्त मिलने के बाद शौचालय निर्माण कार्य को पूर्ण न किए जाने के कारण दूसरी किस्त जारी नहीं की गई है।

बाइकों की भिड़ंत में छह लोग घायल

बिल्सी, अमृत विचार: थाना क्षेत्र में अलग-अलग सड़क हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गांव फतेहपुर कुबरी निवासी लाखन सिंह गांव पालपुर निवासी अपने मित्र सोबरन सिंह के साथ गंगा स्नान कर कछला से बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे रफीनगर-खितौरा मार्ग पर गांव अहमदनगर असौली के पास अठगौना की ओर से आ रहे मुनेंद्र अपनी पत्नी सीमा देवी को दवा दिलाने बिल्सी आ रहे थे। उनकी बाइक से भिड़ गई। जिसमें चारों लोग घायल हो गए। गांव के लोगों ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को बिल्सी सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां हालत गंभीर देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर बिल्सी थाना क्षेत्र के रायपुर बुजुर्ग गांव में तोताराम अपनी दादी मोरकली को बाइक से बिल्सी लेकर जा रहे थे, इसी दौरान उनकी बाइक फिसल गई। जिससे दोनों लोग घायल हो गए।

सिविल बार ने किया बार काउंसिल के अध्यक्ष का स्वागत

जिला सिविल बार में अधिवक्ताओं को संबोधित करते बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ जिला सिविल बार एसोसिएशन के भवन पहुंचे। जहां अधिवक्ताओं ने माल्यार्पण करके, प्रतीक चिह्न देकर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। अध्यक्ष ने कहा कि वह अधिवक्ताओं की समस्या में हर समय साथ रहेंगे।

जिला बार एसोसिएशन के सचिव अरविंद पाराशरी ने अध्यक्ष को मांग पत्र सौंपा। बताया कि अधिवक्ता के निधन पर बार एसोसिएशन का कनडोलेंस नहीं करने दी जा रही है। उन्हें दो बार नोटिस दिया गया है। जिसका उन्होंने जवाब दिया था। अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी अधिवक्ता के निधन पर कनडोलेंस कर सकते हैं। अधिवक्ताओं को भी अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने हापुड़, गाजियाबाद, अयोध्या, गोरखपुर के अधिवक्ताओं के कई किस्से सुनाए। अधिवक्ता हरि प्रताप सिंह, मधुकर शर्मा, विवेक रेंडर ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सचिव अरविंद पाराशरी ने किया।

चेयरपर्सन ने महिला सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

सफाई कर्मियों को सम्मानित करतीं नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानदेवी सागर।

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद की सभी महिला सफाई कर्मचारियों को मिशन शक्ति के तहत चेयरपर्सन ज्ञानदेवी सागर ने माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। चेयरपर्सन ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है। इसके लिए मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को लगातार जागरुक करने का प्रयास भी किया जा रहा है। जिस घर की महिलाएं जितनी अधिक जागरूक होगी। उस घर का विकास भी काफी तेज गति होता है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केंद्र और प्रदेश की सरकार लगातार कार्य कर रही है। यह किसी से छिपा नहीं है। इस मौके पर चेयरमैन पति ओमप्रकाश सागर, ईओ वेद प्रकाश यादव, युधिष्ठिर सिंह, निशांत वाष्णेय, राजीव कुमार, मोहित मौर्य, मुनीष कुमार मौजूद रहे।

उसहैत के युवक की गुरुग्राम में मौत

उसहैत, अमृत विचार : थाना उसहैत क्षेत्र के गांव कुंवरगांव निवासी सुमेश पाल (30) पुत्र गंगा सहाय गुरुग्राम में रहते थे। उन्होंने रविवार को अपने छोटे भाई नन्हें को फोन करके गुरुग्राम बुलाया था। बताया कि उनके हाथ और पैर में इंफेक्शन फैल रहा है। कुछ समय के बाद सुमेश पाल के दोस्त ने भी यही बात कही। कहा उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजन अस्पताल पहुंचे। सुमेश ने दम तोड़ दिया। नन्हें ने बताया कि सात महीने पहले गांव की दावत में पूर्व प्रधान व सुमेश के बीच गाली-गलौज हुई थी। जिसके बाद पूर्व प्रधान ने फायरिंग की। सुमेश की हथेली में गोली लगी थी। जिसकी रिपोर्ट दर्ज हुई थी। गोली लगने से हुए इंफेक्शन से मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को शव गांव पहुंचा।

जीवन में यातनाओं से मुक्ति पाने का साधन है परमात्मा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मोहल्ला जोगीपुरा स्थित गुरुद्वारा हाल में सत्संग के प्रथम दिन फुलसंदे वाले बाबा ने कहा कि जो पारब्रह्म परमेश्वर को जान लेते हैं वे अजर-अमर हो जाते हैं। एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा सेवा समिति के आयोजन में उन्होंने कहा मानव जीवन में सभी यातनाओं से मुक्ति पाने का साधन परमात्मा के अलावा कोई दूसरा नहीं है । ऋग्वेद में परमात्मा को संपूर्ण ब्रह्मांड का नायक बताया गया है, जो परमात्मा को जानने की इच्छा रखते हैं उन्हें ही सही अर्थों में ऋषि कहा जाता है । चाहे वे धरती पर रहें या देवलोक में रहकर विचरण करें।

उन्होंने एक प्रसंग के माध्यम से कहा कि जिस प्रकार बादल धरती के ताप को हर लेते हैं ठीक उसी प्रकार परमात्मा की कृपा रूपी वर्षा जब भक्तों पर होती है तो उनकी सारी समस्याएं दूर हो जाती हैं । देर तक चले प्रवचन में बाबा ने बताया कि मानव भोग-वासनाओं के चक्कर में इधर-उधर भटकता रहता है, माया-मोह में फंसा रहता है । प्रवचन के दौरान उन्होंने अशोक खुराना द्वारा रचित पुस्तक शिक्षाप्रद दोहे में से गुरु भक्ति के दोहे बोलकर सभी को गुरु परंपरा के विषय में अवगत कराया। प्रवचन स्थल पर पहुंचने से पूर्व बाबा फुलसंदे वालों का संजीव भारद्वाज के प्रतिष्ठान पर सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता, अंबरीश गोयल एवं श्रद्धालुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा की ।

बाबा फुलसंदे वाले।

सत्संग सुनती महिलाएं ● अमृत विचार

सत्संग स्थल पर विजय मेहंदीरत्ता, डी.के. चड्ढा, डा. रामबहादुर व्यथित, गिरधारी सिंह राठौर, गुलाब सिंह राठौर, प्रमोद शंखधार, धर्मेंद्र कुमार सिंह, अमृत गांधी, एम.पी. शर्मा, शिवस्वरूप गुप्ता, राजेश सक्सेना, महेंद्र धींगड़ा, प्रदीप भारद्वाज व अशोक सक्सेना ने फुलसंदे वाले बाबा को मालायें पहनाकर स्वागत किया । कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि कामेश पाठक ने किया।

सियाराम नगर में खुला सांसद का कैंप कार्यालय

कैंप कार्यालय के उद्घाटन के दौरान पूजन करते आंवला सांसद नीरज मौर्य।

बदायूं, अमृत विचार : आंवला लोकसभा से सांसद नीरज मौर्य ने ककराला मार्ग पर मंडी समिति के पास सियाराम नगर स्थित अपने कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया। सांसद ने पूजा की। अब तक लोगों को सांसद तक समस्या पहुंचाने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रीय कार्यालय के माध्यम से क्षेत्रीय जनता की समस्याओं को निस्तारण में आसानी होगी।

कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी विनोद शाक्य को दी गई है। सांसद ने कहा कि क्षेत्र का विकास के संकल्प के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने लोगों का अभिवादन किया। उद्घाटन के दौरान भंते विनय शील, प्रज्ञानंद ने बुद्ध वंदना की। मयंक शुक्ला, विनोद शाक्य, अरूण कुमार शाक्य, नेहा यादव, भानू शाक्य, सतीश यादव, पीयूष वर्मा, बब्लू वर्मा, परवेज आलम, मोर सिंह आदि उपस्थित रहे।

हादसे में पिकअप सवार रामलीला के 8 कलाकार घायल

उझानी/मुजरिया, अमृत विचार : बदायूं-दिल्ली राजमार्ग पर खड़े पिकअप में पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप सवार रामलीला के 8 कलाकार घायल हो गए। रामलीला में काम करने वाले कलाकार पिकअप से सहसवान से उझानी की ओर आ रहे। पंप के पास किसी काम से पिकअप रोक ली गई। पीछे से तेज रफ्तार से आए ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी। पिकअप सवार मयंक शुक्ला पुत्र सर्वेश शुक्ला, देव कुमार पुत्र दुर्गा प्रसाद, अमरचंद, रोहित चौधरी, कान्हा उपाध्याय, अजय गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि मोनी पुत्र देवी सिंह, उमेश उपाध्याय को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस से राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा। कलाकार जिला मथुरा के नौझील बंझना से उझानी के अब्दुल्लागंज की रामलीला में आ रहे थे।

सिंचाई संघ के खंडीय उपाध्यक्ष को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सिंचाई विभाग में नलकूप खंड प्रथम के उपखंड प्रथम से सिंचाई संघ के खंडीय उपाध्यक्ष विनोद कुमार को समारोह पूर्वक विदाई दी गयी। अध्यक्षता मोहन स्वरूप गुप्ता ने की। उनके सेवानिवृत्त होने पर कर्मचारियों ने उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहन स्वरूप गुप्ता ने कहा कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के समय ही उसके समस्त देयकों का भुगतान किया जाना चाहिए। विनोद कुमार को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र मोहन सक्सेना ने कहा विभाग का दायित्व बनता है कर्मचारी के देयक समय से भुगतान करना चाहिए। जिला मंत्री उपेन्द्र उपाध्याय ने कहा बिनोद को अभी कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई है। संचालन करते हुए इं प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा अधिकारियों की नैतिकता समाप्त हो गई हैं।

सेवानिवृत्ति पर विनोद कुमार को सम्मानित करते साथी। ● अमृत विचार

उपाध्यक्ष ब्रजेश कुमार चौहान ने गीत गाकर उत्साहवर्धन किया। सिंचाई संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र शाक्य ने कहा नलकूप विभाग के अधिकारियों ने हठधर्मिता का परिचय दिया है, सुनियोजित ढंग से नीतिगत कार्यक्रम का विरोध किया जब कि पूर्व सूचना के चलते अपना प्रतिनिधि एई प्रथम को नियुक्त किया था। एई प्रथम ने अधिशासी अभियंता के मौखिक आदेश को दरकिनार कर पहले ही मुख्यालय से बाहर चले गए। शाक्य ने कहा भविष्य में इस प्रकार की त्रुटि की पुनरावृत्ति हुई तो अधिशासी अभियंता नलकूप खंड प्रथम भविष्य में विरोध को झेलने को तैयार रहे।

पंचायत सहायकों के प्रशिक्षण का समापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के दातागंज रोड स्थित एक गार्डन में चल रहे पंचायत सहायकों का प्रशिक्षण मंगलवार को पूरा हो गया। सभी 15 ब्लॉक क्षेत्रों का प्रशिक्षण अलग अलग बैच में पूरा किया गया। प्रशिक्षण के समापन पर सभी ने एक साथ बैठकर काम करने का निर्णय लिया। मंगलवार को ब्लॉक कादरचौक और जगत के पंचायत सहायकों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में प्रशिक्षक विकास पटेल, मास्टर ट्रेनर राजेश कुमार सक्सेना, उमा रानी, अमरीश पटेल, लव कुमार एवं सलमान जमीर आदि ने स्वच्छ भारत मिशन, ओ एस आर, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, सतत विकास लक्ष्य, सत्रह गोल, नौ थीम, पंचायत पुरस्कार, राज्य एवं केन्द्र वित्त आयोग, सीएससी आदि के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर पंकज सिंह, विशाल चौहान, कुश पाठक, अभिषेक, नरेश सिंह, सुषमा गुप्ता, रीना , शिव कुमारी, योगेश राजपूत, नीतू श्रीवास्तव, सुरभि, रिशु शाक्य, अहमद खॉ, फरहा लियाकत आदि लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने वर्ष 2021 में इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मेरी इण्टरमीडिएट की अंकतालिका सह प्रमाण पत्र जिसका अनुक्रमांक 215714390 वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **कुलदीप सिंह पुत्र श्री देवेन्द्र पाल सिंह नि. ग्राम लोहरपुरा परगना व तहसील सहसवान, बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुनील यादव को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **विनोद कुमार पुत्र सन्तोष सिंह निवासी 1019, सिकलापुर, बरेली।**

सूचना

मेरे सरकारी कागजातों में मेरा नाम मनोज कुमार कंचन दर्ज है जो कि सही है जबकि मेरे बैंक खातों में मेरा नाम मनोज कुमार सक्सेना दर्ज है जो कि गलत है। मैं अपने बैंक खातों में अपने नाम के आगे सक्सेना शब्द को हटाकर कंचन दर्ज कराना चाहता हूं। उक्त खातों में मनोज कुमार सक्सेना के स्थान पर मनोज कुमार कंचन संशोधित किया जाये। **मनोज कुमार कंचन पुत्र श्री राधे श्याम सक्सेना निवासी- मकान आर-48, आनन्द बिहार, संजय नगर, बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अवसर नरौरा से छोड़ा गया 35 हजार क्यूसेक पानी, आराम से हुआ पास, बारिश से बढ़ी मुश्किल

7 दिन बाद बढ़ा गंगा में पानी, तटवर्ती इलाकों में दिक्कत नहीं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पिछले कुछ दिनो से हो रही हल्की बारिश के चलते नरौरा बैराज से कुछ पानी छोड़ा गया है। लेकिन तटवर्ती इलाकों में इतने पानी से कोई दिक्कत नहीं है। यह पानी गंगा में आराम से पास हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि यदि बारिश तेज हुई तो और अधिक पानी ऊपर से डिस्चार्ज किया जा सकता है।

काफी समय से बारिश बंद है। जिससे नरौरा बैराज का पानी भी अब कंट्रोल में है। तीस सितम्बर को नरौरा से 28 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। जबकि उससे पहले भी कम पानी आ रहा था जिससे तटवर्ती क्षेत्र उसहैत और सहसवान में गंगा का जलस्तर भी तेजी से नीचे आ गया। बाढ़ का पानी खत्म होने पर ग्रामीण अपने घरों को लौट गए। तटवर्ती इलाकों में लोगों की जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। लेकिन पिछले कुछ दिनो से हल्की बारिश शुरू है। बारिश के चलते नरौरा बैराज में कुछ पानी बढ़ा है। लेकिन अब खतरे की आशंका नहीं है। बाढ़ खंड का कहना है कि पचास हजार क्यूसेक तक पानी आने पर भी किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इतना पानी आसानी से गंगा में पास हो जाता है। आज 35 हजार 302 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। कछला गंगा में पानी बहुत कम है। अब लोगों को स्नान करने में भी दिक्कत होगी।

उधर दातागंज क्षेत्र में रामगंगा का जलस्तर काफी नीचे आ गया है। गंगा की धार अपनी पुरानी जगह पर लौट चुकी है। आसपास के इलाके में कहीं पानी नहीं दिख रहा है। गंगा की तलहटी में खाली खेत और कटान के निशान दिख रहे हैं। नगरिया खनु और अनंदपुर क्षेत्र में गंगा के कटान से हुए नुकसान को देख कर किसान परेशान है। उधर हजरतपुर इलाके में अब तक ऊपर तक बह रही गंगा अब काफी नीचे वह रही है। सड़कें भी दिख रही हैं। गढ़िया रंगीन को जाने वाली सड़क जर्जर हो चुकी है फिर भी वाहनों का आना जाना शुरू हो गया है।

नरौरा बांध पानी छोड़ने के बाद गंगा। ● अमृत विचार

हैडिंग हैडिंग हैडिंग हैडिंग

सहसवान की महावा नदी का पानी केबल बांध के नीचे दिख रहा है। आस पास का पूरा इलाका खाली हो चुका है। आसे नगला, खादी नगला और वीर सहाय नगला के ग्रामीण कटान से हुए नुकसान को लेकर परेशान है। महावा नदी के बांध के अंदर छह गांव हैं। इन गांवों में इस बार भी कटान हुआ है। आसे नगला के दर्जन भर मकान पानी में समा गए। अब स्थिति सामान्य है। लोगों का कहना है कि बारिश का समय बीत चुका है। ऊपर से अब पानी छोड़े जाने की संभावना नहीं है।

नरौरा बैराज में पानी अधिक नहीं है। इसलिए कई दिनो से 20 से 25 हजार क्यूसेक ही पानी छोड़ा जा रहा था। मंगलवार को एक सपताह बाद कुछ पानी बढ़ा है लेकिन इससे किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। इतना पानी गंगा में आसानी से पास हो जाता है। उसहैत दातागंज और हजरतपुर इलाके में बाढ़ पूरी तरह खत्म हो चुकी है।

-**नेशपाल**, सहायक अभियंता, बाढ़ खंड।

स्काउट गाइड का समाज सेवा शिविर लगा

मेला में उपस्थित स्काउट गाइड और पदाधिकारी।

संवाददाता, इस्लामनगर

- **शिविर के छठवें दिन दी गई जन जागरुकता की सीख**

अमृत विचार: कस्बे में श्री रामलीला मेला चल रहा है। जिसमें पांच दिवसीय निःशुल्क समाज सेवा शिविर स्काउट गाइड द्वारा लगाया गया है। शिविर के छठे दिवस में स्काउट गाइड के स्वयंसेवक मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, जल संरक्षण तथा सामाजिक जागरुकता के प्रति संदेश देते नजर आए।

स्वयंसेवकों द्वारा मेले में खोया-पाया विभाग के माध्यम से लोगों की सहायता की जा रही है। जिससे किसी का सामान या बच्चा खो जाने पर तुरंत जानकारी प्राप्त हो सके। मंगलवार को स्काउट गाइड के स्वयंसेवकों को पूर्व चेयरमैन वीरेंद्र कुमार लीडर और मेला कमेटी अध्यक्ष कुलदीप कुमार गुप्ता द्वारा सोशल सर्विस सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,8 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बालाजी हाईटेक कंस्ट्रक्शन कंपनी का एमडी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की मेरठ यूनिट की टीम ने बालाजी हाईटेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रबंध निदेशक सचिन दत्ता को मंगलवार को नोएडा के सेक्टर-41 से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एक ही फ्लैट को दो या उससे अधिक लोगों को बेचने और बिके हुए फ्लैट पर बैंक से करोड़ों रुपये का लोन कराने का आरोप है। रिपोर्ट 9 वर्ष पूर्व गाजियाबाद के विजयनगर थाने में दर्ज की गई थी। ईओडब्ल्यू मेरठ सेक्टर के अधिकारी के मुताबिक सचिन की फर्म ने फोस्टर हाइट्स हाउसिंग सोसाइटी क्रासिंग रिपब्लिक में सस्ते फ्लैट की योजना बनाई ।निर्माणाधीन 180 फ्लैट में ज्यादातर दो या उससे अधिक लोगों को आवंटित कर पत्र जारी कर दिए थे ।मामले में आरोपी सत्यदेव सिंह को 4 जुलाई और अभिषेक को 25 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था।

सभी जिलों के मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

अमृत विचार, लखनऊ : महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंगलवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने राजधानी स्थित अलीगंज स्थित नया हनुमान मंदिर में महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण के अखंड पाठ का शुभारंभ किया। जिसके बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों में जिला प्रशासन के सहयोग से मंदिरों में अखंड रामायण पाठ की शुरूआत हुई है। तत्पश्चात मंत्री मड़ियांव स्थित गौतम बुद्ध विहार कॉलोनी के मलिन बस्ती पहुंचे और लोगों को वाल्मीकि सम्मान दिया।

बरेली जाने वाले आप नेताओं को हाउस अरेस्ट करना दुर्भाग्यपूर्ण

अमृत विचार, लखनऊ : बरेली पीड़ित परिवारों से मिलने जाने वाले आम आदमी पार्टी (आप) के 16 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल को बरेली नहीं गया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले प्रदेश के सह प्रभारी दिलीप पाण्डेय ने बताया कि राज्य सरकार ने आप के कई नेताओं को सोमवार की रात में ही हाउस अरेस्ट कर लिया। ये जानकारी मंगलवार को गोमतीनगर स्थित प्रदेश कार्यालय में दिलीप पाण्डेय ने दी, उन्होंने कहा कि बरेली में जिन परिवारों पर अन्याय, अत्याचार हुआ, मुकदमे हुए,घरों पर बुलडोजर चलाए गए ऐसे पीड़ित परिवारों से मिलने जाने पर सरकार द्वारा आप नेताओं को रोक दिया गया यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है योगी सरकार कुछ छुपाना चाहती है। पुलिस की कार्रवाई तानाशाही का प्रतीक है, सरकार को बताना चाहते हैं कि पार्टी, सरकार की तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेगी उप्र. के लोग एकजुट है और पुलसिया तंत्र के खिलाफ खड़े है।

तीर्थयात्रियों से भरी बस पलटी, 22 घायल

बहराइच, एजेंसी : बहराइच में लखीमपुर बहराइच मार्ग पर मोतीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तीर्थयात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे उसमें सवार 22 यात्री घायल हो गये। मोतीपुर थाने पर तैनात वरिष्ठ उप निरीक्षक अजय प्रताप यादव ने बताया कि श्रावस्ती जनपद के भिन्ना निवासी तीर्थयात्रियों से भरी एक बस बरेली स्थित मनौना धाम से दर्शन करके वापस भिन्ना की तरफ जा रही थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार की सुबह रास्ते में बहराइच जिले में लखीमपुर बहराइच मार्ग पर नैनिहा जंगल के निकट चालक ने सामने से आ रहे ट्रक से बस को बचाने का प्रयास किया लेकिन बस अनियंत्रित होकर पलट गयी। उन्होंने बताया कि हादसे में 22 लोगों को चोटें आई हैं।

10 दिन में महिला पुलिसकर्मियों ने सीज किए 3,654 वाहन, 9488 से हटवाई काली फिल्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **मिशन शक्ति 5.0 के तहत चलाए गए विशेष अभियान में 8.5 लाख वाहनों की हुई जांच**
- **स्टंटबाजी पर दर्ज की गईं 770 एफआईआर, 263 स्टंटबाजों को गिरफ्तार भी किया गया**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश की महिला पुलिस कर्मियों ने सड़क पर सुरक्षित माहौल देने के लिए राज्यव्यापी विशेष अभियान चलाया।

22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चले इस अभियान में महिला पुलिसकर्मियों ने 8.50 लाख से अधिक वाहनों की जांच की। इसमें 9,488 वाहनों से काली फिल्म हटवाई। स्टंटबाजी करने पर 770 मुकदमे एफआईआर दर्ज कर 263 स्टंटबाजों को गिरफ्तार किया गया। 1.93 लाख से अधिक वाहनों का चालान करने अलावा 3,654 वाहन सीज भी किए गए। 251 एफआईआर दर्ज कर 450 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया

अभियान की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि 71,473 स्थानों पर 24,457 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने जांच की। इस दौरान 2,817 हूटर और 1,087 बत्तियां हटाई गईं। 18,215 वाहनों का चालान किया गया। 14,504 वाहनों पर जातिसूचक या शासकीय शब्दों के दुरुपयोग पर कार्रवाई हुई। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस विभाग ने प्रदेशभर में 57,265 स्थानों पर पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) की। अपर पुलिस महानिदेशक से लेकर थाना प्रभारियों तक ने किया निरीक्षण। 7,44,482 व्यक्तियों की चेकिंग की गई। पीआरवी टीमों ने 52,039 स्थानों पर पेट्रोलिंग की।

एडीजी ने कहा कि यह अभियान महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने की दिशा में योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है। ट्रैफिक अनुशासन और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में यह पहल मील का पत्थर साबित हो रही है।

लखनऊ के हजरतगंज में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाते युवक को समझातीं महिला पुलिसकर्मी। (फाइल फोटो)

योगी सरकार में पुलिस प्रणाली बेहतर

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रसिद्ध विधि विशेषज्ञ प्रो. डॉ. उपमा गौतम ने यूपी में अपराध नियंत्रण के मोर्चे पर ऐतिहासिक सुधार को लेकर जारी एनसीआरबी की ताज़ा रिपोर्ट पर योगी सरकार की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि आंकड़ों से साफ झलकता है कि अपराध की रिपोर्टिंग में वृद्धि हुई है, जो दरअसल नागरिकों के बढ़े हुए विश्वास को दर्शाता है। अब लोग पुलिस और न्याय प्रणाली से डरने के बजाय उस पर भरोसा कर रहे हैं। डॉ. उपमा गौतम गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में क्रिमिनल लॉ की जानी-मानी प्रोफेसर हैं। उन्होंने बताया कि नए भारतीय न्याय संहिता और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता के लागू होने से रिपोर्टिंग और जांच प्रक्रिया पहले की तुलना में काफी सरल और पारदर्शी हुई है। अब लोगों को टालने या 'शू किया जाने' जैसी स्थिति नहीं है। राज्य एजेंसियां हर शिकायत को गंभीरता से ले रही हैं, जिससे नागरिकों में न्याय के प्रति भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट पुलिसिंग, तकनीकी निगरानी, महिला सुरक्षा के लिए संचालित मिशन शक्ति और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जैसे प्रयासों ने मिलकर प्रदेश को एक सुरक्षित राज्य के रूप में स्थापित किया है।

महिलाओं को शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन दे रही सरकार : योगी

सीएम ने किया 15 सेवा शक्ति केंद्रों का उद्घाटन, डीपी बोरा की प्रतिमा का अनावरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति अभियान को नारी सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार सुरक्षा और सम्मान को भी सुनिश्चित कर रही है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को पूर्व विधायक स्वर्गीय डीपी बोरा की 85वीं जयंती पर मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मातृशक्ति वंदन और 15 सेवा शक्ति केंद्रों (सिलाई प्रशिक्षण केंद्र) की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने बोरा की प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन महर्षि वाल्मीकि की जयंती और मीराबाई के जन्मदिन के साथ-साथ स्वर्गीय डीपी बोरा की जयंती के रूप में भी मनाया जा रहा है।

योगी ने महर्षि वाल्मीकि की रामायण को सामाजिक, धार्मिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से अद्वितीय बताते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रामायण में भगवान राम का चरित्र धर्म का मूर्त रूप है। महर्षि वाल्मीकि ने समाज को एक आदर्श चरित्र प्रदान किया, जो आज भी प्रासंगिक है। सीएम योगी ने श्री राम जन्मभूमि आंदोलन और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि रामराज्य की स्थापना की दिशा में एक कदम है।

उन्होंने कहा कि रामायण काल की वनस्पतियों और पर्यावरण को पुनर्जनन करने का कार्य भी चल रहा है। यह हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने का प्रयास है। इसी तरह, मीराबाई की भक्ति और सामाजिक समरसता को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मीराबाई ने अपने गुरु रविदास जी के सान्निध्य में कृष्ण भक्ति के माध्यम से समाज में आस्था और समरसता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मीराबाईका चित्र भेंट करते विधायक नीरज बोरा, साथ में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, कवि सर्वेश अस्थाना और अन्य। अमृत विचार

मातृ शक्तियों का हुआ सम्मान

- सीएम योगी ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली मातृ शक्तियों को सम्मानित किया। इनमें पद्मश्री हिन्दी साहित्यकार प्रो. विद्या बिन्दु सिंह, शास्त्रीय संगीतज्ञ सुनीता झींगरन, शीला मिश्रा, शालू सिंह और डॉ. चंद्रावती जैसी विभूतियां शामिल रहीं। सीएम ने सम्मानित महिलाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन मातृ शक्तियों ने अपने कार्यों से समाज को प्रेरित किया है। इनका सम्मान हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

कविता में झलका सामाजिक संदेश

- कार्यक्रम में प्रख्यात कवि सर्वेश अस्थाना ने नारी सम्मान, दहेज उन्मूलन और सामाजिक समरसता पर केंद्रित कविता प्रस्तुत की। सीएम योगी ने उनकी लेखनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि कवि समाज की चेतना का दर्पण होता है। कविता समाज में नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

ईओडब्ल्यू ने अवध फर्टिलाइजर के अधिकारी को किया गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : ईओडब्ल्यू के मेरठ यूनिट की टीम ने 19 वर्ष से फरार अवध फर्टिलाइजर मिहिरपुरवा बहराइच के अधिकारी को गबन के मामले में गिरफ्तार किया है। उस पर केंद्र सरकार से मिले अनुदान में हेराफेरी का आरोप है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक अवध फर्टिलाइजर लि. मिहिरपुरवा बहराइच द्वारा रॉक फास्फेट के खरीद व सिंगल सुपर फास्फेट की बिक्री दर्शाकर फर्जी दस्तावेज तैयार किया। इस फर्जी दस्तावेज के जरिये केंद्र सरकार द्वारा दिए गए 71,85,600 रुपये के अनुदान को हड़प लिया। इस मामले में बहराइच के मोतीपुर थाने में 2006 में रिपोर्ट दर्ज की गई। जिसकी जांच शासन ने ईओडब्ल्यू को सौंपी। जांच में अवध फर्टिलाइजर मिहिरपुरवा के निदेशक समेत 13 आरोपी इस फर्जीवाड़े में शामिल पाए गए। इनमें से दो की पहले गिरफ्तारी की जा चुकी है। उनके खिलाफ आरोप पत्र भी कोर्ट में पेश किया जा चुका है। वहीं आरोपी राजकुमार मित्तल की तलाश की जा रही थी। राजकुमार मित्तल गाजियाबाद के नेहरूनगर का रहने वाला है। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। करीब 19 वर्ष बाद आरोपी राजकुमार मित्तल को ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर मंगलवार को किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

सिलेबस तक सीमित न रहें बाहर की पुस्तकें भी पढ़ें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दी सलाह**
- **महाराजा सुहेलदेव विवि आजमगढ़ के दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति ने दी उपाधियां व पदक**

अमृत विचार : राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ का दूसरा दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल ने 60,857 विद्यार्थियों को उपाधियां और 68 पदक प्रदान किए, जिनमें से 51 पदक छात्राओं को एवं 17 पदक छात्रों को प्राप्त हुए।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल सिलेबस तक सीमित न रहें, बल्कि उससे बाहर की पुस्तकें भी पढ़ें। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य नहीं होना चाहिए। राष्ट्र सेवा, समाज उत्थान और मानवता की भलाई ही शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए। टेक्नोलॉजी आने से रोजगार के स्वरूप में परिवर्तन हुआ है, अतः युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करना चाहिए और नए-नए कौशल सीखने का प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया। इस मौके पर उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, मुख्य अतिथि स्वामी चिदानंद सरस्वती (अध्यक्ष, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश), विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार, विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्यगण, सभी संकायाध्यक्ष, आमंत्रित अतिथि और अन्य सम्मानित महानुभावगण उपस्थित रहे।

महिला हिंसा पर राजभवन संवेदनशील

- राज्यपाल ने समाज में बेटियों के साथ हो रही प्रताड़ना और पारिवारिक हिंसा के प्रकरणों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस विषय पर राजभवन स्वयं कार्य कर रहा है, समाज के सभी वर्गों को इस दिशा में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि वे चरित्र निर्माण, महिला सम्मान और सामाजिक संवेदनशीलता पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करें।

अर्जित शिक्षा का समाज के हित में हो उपयोग : योगेन्द्र

- उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो शिक्षा हमने अर्जित की है, उसका समाज के हित में उपयोग कैसे हो, यह हम सभी को सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का बोध कराए, और उस शिक्षा पर प्रश्न उठाना चाहिए जो हाथों में पत्थर उठाना सिखाती है।

चिकित्सक के पर्ची लिखने पर ही औषधि विक्रेता दें कफ सिरप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने जारी किए निर्देश**
- **लोगों ने घर में रखी व खुली दवा का उपयोग न करने की अपील**

अमृत विचार : औषधि विक्रेता केवल पंजीकृत चिकित्सक की लिखी पर्ची पर ही कफ सिरप की बिक्री करें, क्योंकि कफ सिरप में प्रयुक्त सक्रिय तत्व औषधि नियमावली 1945 के अंतर्गत आते हैं। ये निर्देश मंगलवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त रोशन जैकब ने जारी किया है। उन्होंने इसका व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने लोगों से बगैर चिकित्सकीय परामर्श दवाओं का सेवन न करने और घर में रखी पुरानी या खुली दवाओं का उपयोग न करने की अपील भी की है। कहा कि औषधि खरीदते समय दवा की अंतिम तिथि (एक्सपायरी डेट) देखने के साथ दुकानदार से दवा का बिल जरूर लें।

कुछ राज्यों में कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत गई थी। इसके बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई कफ सिरफ पर लगा दिया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने अपने निर्देश में कहा कि निर्माता कंपनियों के निरीक्षण सिरप में उपयोग किए गए सहायक रसायनों की नमूने लेकर जांच अनिवार्य रूप से कराई जाएगी। समय-समय पर दवाओं के नमूनों में हानिकारक रसायनों की मिलावट की जांच भी कराई जाएगी। अपमिश्रण पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांशीराम के सम्मान में संगोष्ठी करना सपा का छलावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने सपा और कांग्रेस पर करारा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि ये पार्टियां बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और बीएसपी संस्थापक कांशीराम के मिशन को कमजोर करने की साजिशों में हमेशा शामिल रही हैं। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर संगोष्ठी आयोजित करने की घोषणा को "घोर छलावा" और "मुंह में राम, बगल में छुरी" वाली नीति बताया।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांशीराम के जीवनकाल में सपा ने लगातार बीएसपी के आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास किया। साथ ही आरोप लगाया कि बीएसपी सरकार द्वारा 2008 में बनाए गए ''कांशीराम नगर'' जिले का नाम सपा सरकार ने जातिवादी मानसिकता के तहत बदल दिया। इतना ही नहीं, उनके नाम पर स्थापित कई संस्थानों के नाम सपा सरकार ने बदल दिए थे। मायावती ने यह भी कहा कि कांशीराम के निधन पर उप्र. में सपा सरकार और केंद्र में कांग्रेस सरकार ने एक दिन का भी राजकीय या राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया, जिससे उनका दलित विरोधी चेहरा उजागर होता है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि ऐसी दलित-विरोधी और जातिवादी सोच रखने वाली पार्टियों से सावधान रहें। बीएसपी ही एकमात्र पार्टी है जो बाबा साहेब और कांशीराम के मिशन को ईमानदारी से आगे बढ़ा रही है।

उत्तर प्रदेश में पार्टी को पुनर्जीवित करने में जुटी कांग्रेस

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश में कांग्रेस खुद को पुनर्जीवित करने में जुटी है। पार्टी की जमीनी मुद्दों को लेकर संघर्ष की रणनीति तैयार है, जिसे शीघ्र अमलीजामा पहनाया जाएगा। इस कवायद के तहत पार्टी नेता गांव-गांव तक फिजीकल और डिजीटल माध्यम से आंदोलन छेड़ेंगे। इस बीच कांग्रेस की ओर से जातियों एवं समुदायों के साथ बैठकों का दौर शुरु हो गया है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में एमएलसी चुनाव लड़ने, स्थानीय निकाय चुनावों मंथ प्रत्याशी उतारने और दिसंबर के अंत तक जमीनी स्तर पर लाखों पदाधिकारियों की नियुक्ति करने की भी योजना है। दरअसल, कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर अभी से कमर कस रही है। जमीनी स्तर पर भाजपा को चुनौती देने वाले संभावित नेताओं की पहचान करने की कोशिश जा रही है।

राजनीति | आज बरेली होते हुए रामपुर जाएंगे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिलेश और आजम की मुलाकात से सधेगी पश्चिमी उप्र की राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बरेली में बीते दिनों उपजे विवाद के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आजम खां की 8 अक्टूबर बुधवार को होने वाली मुलाकात राजनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जा रही है। सपा प्रमुख पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को वाया बरेली रामपुर जाएंगे। इस मुलाकात से सपा प्रमुख मुस्लिम वोट बैंक को साधने और पार्टी में पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) एकता का संदेश देने की कोशिश करेंगे।

रामपुर सपा प्रमुख गढ़ों में एक रहा है। वहां आजम खां लंबे समय से अगुवाई कर रहे थे।हाल के वर्षों में उनकी सक्रिय राजनीति से दूरी और समर्थकों की नाराज़गी ने सपा में नई

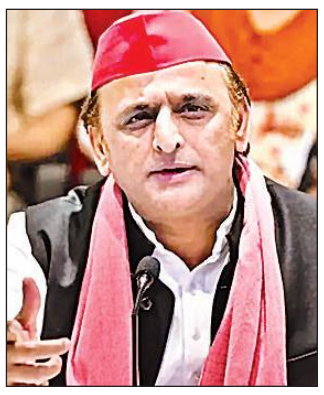

चुनौतियां पैदा कर दी हैं। दूसरी ओर बरेली में 26 सितंबर को मुस्लिम समाज के प्रदर्शन पर पुलिस के लाठी चार्ज से सपा की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। हालांकि, सपा का प्रतिनिधिमंडल बरेली जाने वाला था, लेकिन पुलिस ने उसके नेताओं को हाऊस अरेस्ट लिया था। ऐसे में अखिलेश का ये दौरा न केवल व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत करने का प्रयास, बल्कि संगठनात्मक मजबूती का हिस्सा भी माना जा रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि अखिलेश और आजम की मुलाकात के दौरान पार्टी की रणनीति, भविष्य में आजम की सक्रियता और 2027 के विधानसभा चुनावों पर चर्चा हो सकती है। साथ ही, मुस्लिम समाज में विश्वास मजबूत करने की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी।

यह मुलाकात सपा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आजम का प्रभाव पश्चिमी उप्र. के कई इलाकों में अब भी कायम है। इसके अलावा सपा के भीतर पुराने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और भाजपा के बढ़ते प्रभाव को चुनौती देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। रामपुर में आजम की मौजूदगी और सपा के प्रति उनका विश्वास पार्टी के लिए विशेष महत्व है। दूसरी तरफ अखिलेश के दौरे को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में जोश और उम्मीद दोनों दिखाई दे रहे हैं कि यह मुलाकात पार्टी में नई ऊर्जा का संचार करेगी ।

प्रदेश की स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था हो गई बर्बाद

- **अमृत विचार, लखनऊ :** सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। झूठ और झूठे आंकड़ों से जनता को भ्रमित करती है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सरकार हर क्षेत्र में फेल हो गई है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। सपा प्रमुख ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। उप्र. में महिला अपराध और अपहरण के मामले देश में सबसे ज्यादा हो रहे हैं। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। पूरा प्रदेश भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है। हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार है। प्रदेश में तमाम तरह के अवैध कारोबार हो रहे है। जमीनों पर कब्जा, गरीबों और दलितों के प्रति अन्याय, पीडीए पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है। अपराधी तत्वों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पूरी तरह से अराजकता है। मुख्यमंत्री और मंत्रीगण जनता को झूठे आंकड़ों से भरमाने की कोशिश कर रहे हैं। बजट का लूट और बंदरबांट हो रहा है।

महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल।

सपा कार्यालय में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद लालबाग स्थित नूरमंजिल समीप स्थित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर भी श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सांसद आरके चौधरी ने परिवर्तन चौक स्थित वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि सभी जिलों में सपा कार्यालयों में वाल्मीकि जयंती मनाई गई।

जीएफ कॉलेज में 9 को होगा स्पेशल बैक प्रैक्टिकल

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जीएफ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खान ने सूचित किया है कि बीए, बीएससी, बीकॉम पांचवें और छठवें सेमेस्टर के उन छात्र-छात्राओं के लिए, जिन्होंने नई शिक्षा नीति 2024-25 की प्रैक्टिकल/ मौखिकी परीक्षा नहीं दी या अनुत्तीर्ण हुए, सभी विषयों की स्पेशल बैक परीक्षा 9 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10 बजे महाविद्यालय के संबंधित विभाग में आयोजित की जाएगी। उक्त जानकारी प्राचार्य ने दी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत

ई–निविदा सूचना सं0–04/अधि0अभि0/2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से वर्ष 2025–26 में रबी 1433 फसली के अन्तर्गत निम्न नहरों की सिल्ट सफाई व फीडर चैनल के बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से दिनांक 14.10.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदायें ई–टेण्डरिंग के माध्यम से भरी जायेंगी एवं ई–टेण्डरिंग से प्राप्त निविदायें अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में मुख्य अभियन्ता महोदय(शारदा), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, बरेली द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनांक 14.10.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से ऑनलाइन खोली जायेंगी। आमंत्रित निविदायें दिनांक 09.10.2025 को पूर्वान्ह 09:00 बजे से दिनांक 14.10.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है।

लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत जी0एस0टी रहित (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख में) (@ 2% paid online)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में) (paid online)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	माधौटांडा राजवाह के किमी0 0.000 से किमी0 9.600 तक सिल्ट सफाई एवं स्क्रेपिंग का कार्य।	6.75	0.135	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
2	माधौटांडा राजवाह के किमी0 9.600 से किमी0 19.280 तक सिल्ट सफाई एवं स्क्रेपिंग का कार्य।	6.35	0.127	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
3	माधौटांडा राजवाह के किमी0 19.280 से किमी0 34.700 तक सिल्ट सफाई एवं स्क्रेपिंग का कार्य।	4.60	0.092	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
4	पूरनपुर राजवाह के किमी0 0.000 से किमी0 9.470 तक सिल्ट सफाई/स्क्रेपिंग का कार्य।	6.05	0.121	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
5	पूरनपुर राजवाह के किमी0 9.470 से किमी0 23.200 तक सिल्ट सफाई/स्क्रेपिंग का कार्य।	5.60	0.112	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
6	गोपालपुर राज0 के किमी0 0.000 से किमी0 16.500 तक सिल्ट सफाई एवं स्क्रेपिंग का कार्य।	8.40	0.168	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
7	प्रसादपुर राजवाह के किमी0 0.000 से किमी0 11.150 तक सिल्ट सफाई/स्क्रेपिंग का कार्य।	5.65	0.113	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
8	रामपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 10.000 तक सिल्ट सफाई एवं स्क्रेपिंग का कार्य।	2.95	0.059	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
9	सबलपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 10.000 तक सिल्ट सफाई एवं स्क्रेपिंग का कार्य।	2.85	0.057	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
10	गुलड़िया माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 9.600 तक सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	2.85	0.057	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
11	शेरपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 9.600 तक सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	2.85	0.057	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
12	चांदूपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 8.500 तक सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	2.50	0.05	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
13	जटपुरा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 7.600 तक सिल्ट सफाई/स्क्रैपिंग का कार्य।	2.25	0.045	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
14	गोवल राजवाह के किमी0 0.000 से किमी0 11.400 तक सिल्ट सफाई का कार्य	5.75	0.115	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
15	तकिया माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 10.920 तक सिल्ट सफाई का कार्य	4.90	0.098	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
16	सिसैया माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 7.300 तक सिल्ट सफाई का कार्य	3.70	0.074	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
17	दियौरा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 7.050 तक सिल्ट सफाई का कार्य	3.00	0.06	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
18	पिपरा माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 6.770 तक सिल्ट सफाई का कार्य	3.30	0.066	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
19	कोकिला माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 8.200 तक सिल्ट सफाई का कार्य	3.30	0.066	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
20	सावेपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 9.940 तक सिल्ट सफाई का कार्य	5.75	0.115	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
21	सुहास माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 6.050 तक सिल्ट सफाई का कार्य	2.85	0.057	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
22	बेनीपुर माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 10.170 तक सिल्ट सफाई का कार्य	4.25	0.085	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
23	टिकरी माइनर के किमी0 0.000 से किमी0 5.970 तक सिल्ट सफाई का कार्य	2.20	0.044	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
24	कैलाश राजवहा के किमी0 0.000 से 11.319 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	9.60	0.195	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
25	कैलाश राजवहा के किमी0 11.319 से 24.315 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	9.49	0.190	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
26	कैलाश राजवहा के किमी0 30.260 से 36.920 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	3.73	0.075	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
27	नकटी राजवहा के किमी0 6.675 से 10.323 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	5.25	0.105	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
28	नकटी राजवहा के किमी0 10.323 से 19.520 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	4.70	0.094	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
29	परेवा राजवहा के किमी0 0.000 से 11.660 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	5.90	0.120	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
30	नकटपुरा राजवहा के किमी0 1.800 से 19.200तक सिल्ट सफाई का कार्य।	8.85	0.180	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
31	मुण्डलिया राजवहा के किमी0 2.200 से 12.390 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	5.20	0.105	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
32	करघैना राजवहा के किमी0 0.000 से 5.990 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	3.65	0.073	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
33	अवसरा राजवहा के किमी0 0.000 से 7.540 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	7.20	0.145	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
34	अवसरा राजवहा के किमी0 7.540 से 14.610 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	2.80	0.056	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
35	अवसरा राजवहा के किमी0 14.610 से 22.700 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	3.50	0.07	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
36	जहानाबाद राजवहा के किमी0 0.000 से 5.100 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	3.80	0.076	30 दिवस	150+27+500= 677	सी व उच्च
37	जहानाबाद राजवहा के किमी0 5.100 से 13.650 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	5.15	0.105	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
38	जहानाबाद राजवहा के किमी0 17.820 से 29.000 तक सिल्ट सफाई का कार्य।	5.10	0.102	30 दिवस	225+41+500= 766	सी व उच्च
39	अबसरा ट्रंक ड्रेन के किमी0 0.000 से 15.400 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	20.76	0.416	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च
40	अबसरा ट्रंक ड्रेन के किमी0 15.700 से 31.170 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	20.10	0.402	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च
41	अबसरा स्केप के किमी0 0.000 से 9.700 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	22.88	0.46	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च
42	अबसरा स्केप के किमी0 9.900 से 17.700 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	20.10	0.402	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च
43	अबसरा स्केप के किमी0 17.900 से 27.000 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	20.34	0.407	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च
44	अबसरा स्केप के किमी0 27.150 से 35.650 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	20.76	0.416	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च
45	अबसरा स्केप के किमी0 35.900 से 45.700 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	21.19	0.425	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च
46	अबसरा स्केप के किमी0 45.900 से 55.800 तक बर्म कटिंग/सिल्ट सफाई का कार्य।	22.46	0.45	30 दिवस	300+54+500= 854	बी व उच्च

नोट– जी0एस0टी0 नियमानुसार ठेकेदार को देय होगी।

एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा। कार्यालय बन्द होने की दशा में यह ई–निविदा अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेंगी। निविदा नोटिस प्रपत्र एवं शर्तों की जानकारी http:/etender.up.nic.in व विभागीय बेवसाईट http:/idup.gov.in पर उपलब्ध है।

UP – 238624 **दिनांक:** 6/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
शारदा सागर खण्ड,
पीलीभीत।

मौलाना तौकीर रजा सभी 10 मुकदमों में नामजद

जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव और फायरिंग मामले में अलग-अलग थानों में दर्ज हुई थीं 10 एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सात में पहले से थे नामजद, अब तीन और मुकदमों में खुला नाम
- एक मुकदमे में किया गया था गिरफ्तार, फतेहगढ़ जेल में हैं बंद

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर 26 सितंबर को शहर में जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव और फायरिंग कर दंगा कराने का प्रयास किया गया था। शहर में हुए बवाल के बाद अलग-अलग थानों में कुल 10 मुकदमे दर्ज किए गए थे। अब इन सभी मुकदमों में मौलाना तौकीर रजा खां को नामजद किया गया है। मौलाना तौकीर सात मुकदमों में पहले ही नामजद थे। इनमें से कोतवाली में दर्ज एक मुकदमे में उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करते हुए दुकानों में तोड़-फोड़ की थी। शहर में बवाल कराने के लिए गैर जनपद से गैंगस्टर तक बुलाए गए थे। साथ ही पश्चिम बंगाल और बिहार से लोगों को बुलाया गया था। एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर का एंटी रायट गन छीनते हुए पुलिस का वायरलेस सेट भी उपद्रवियों ने लूट लिया था। बवाल के बाद कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, किला, प्रेमनगर और कैंट थाने में एक-एक मुकदमा लिखा गया था। बवाल की साजिश रचने के आरोप में इनमें सात मुकदमों में तौकीर रजा को नामजद किया गया था। अब उन्हें सभी मुकदमों में साजिशकर्ता के रूप में नामजद किया गया है। उधर, पुलिस फरार उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिशें दे रही हैं। थाना पुलिस के साथ ही एसओजी समेत अन्य टीमें लगाई गई हैं।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर कोर्ट में हो सकते हैं पेश

बरेली, अमृत विचार : शहर में पुलिस पर पथराव और फायरिंग कर दंगा कराने की साजिश रचने वाले आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां 14 अक्तूबर को कोर्ट में पेश किया जा सकता है। उनके खिलाफ न्यायालय ने छह साल पहले सीएए–एनआरसी के विवाद के दौरान प्रदर्शन करने और 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद शहर में बवाल कराने में दर्ज किए गए 10 मुकदमों में बी वारंट जारी किया है। मौलाना तौकीर को मौजूदा समय में फतेहगढ़ की जेल में रखा गया है। उन्हें कोतवाली पुलिस ने बवाल के दौरान दर्ज एक मुकदमे में गिरफ्तार किया गया था। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर 26 सितंबर को नमाज के बाद आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करते हुए दुकानों में तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने इस प्रकरण में 10 मुकदमे दर्ज कराए थे। इसमें मौलाना तौकीर रजा समेत 125 लोगों को नामजद कराते हुए करीब तीन हजार अज्ञात उपद्रवियों को आरोपी बनाया गया था। पूर्व में पुलिस ने सात मामलों में मौलाना तौकीर रजा को नामजद किया था, लेकिन जांच के बाद उन्हें बवाल कराने का मुख्य साजिशकर्ता मानते हुए सभी सभी 10 मुकदमों में नामजद करते हुए पुलिस ने बवाल के नौ मुकदमों और सीएए–एनआरसी के विरोध प्रदर्शन के दौरान नामजद एक अन्य समेत 10 मुकदमों में बी वारंट लेने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई थी। कोर्ट ने मौलाना तौकीर रजा खां के खिलाफ बी वारंट जारी कर दिया है। हालांकि शहर के माहौल को देखते हुए पुलिस ने उन्हें इन सभी मामलों में 14 अक्तूबर को वीसी से पेशी की तैयारी कर रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत रम्पटिया बिशारत अली वि.खं. नवाबगंज जिला बरेली

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं विक्रेताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मुड़िया भीकमपुर विकास खण्ड नवाबगंज बरेली में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत स्वीकृत निर्माण कार्य पर निर्माण सामग्री जैसे ईट, रोड़ा, बजरफुट, बजरी, रेता महीन, सरिया, पन्नी सीमेन्ट, गिट्टी, वार्डवरेटर व मिक्सर आदि जिसका विवरण व मात्रा ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है। गुणवत्तानुसार उच्चकोटि की सामग्री निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 9.10.25 से दिनांक 10.11.25 को दोपहर 1 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसको दिनांक 11.10.25 को अपरान्ह 2 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। विवरण निम्नवत है :–

क्र.	कार्य का नाम	माप	अनु.लागत
1.	भूपेन्द्र के मकान से दामोदर के मकान तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	120	700000
2.	बब्लू के मकान से प्रभु दयाल के मकान तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	120	600000

गंगा दयाला–ग्राम प्रधान **सचिव**

तौकीर रजा राजनीतिक व्यक्ति बरेली : पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन ने मंगलवार को कहा कि वह दरगाह आला हजरत का सम्मान करते हैं, आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा राजनीतिक व्यक्ति हैं।

आम सूचना

आप सभी को सूचित किया जाता है कि (पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) द्वारा मेसर्स राजश्री फाइन केमिकल इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट–**II**) ग्राम– सालपुर नवदिया, तहसील– तिलहर, जिला– शाहजहांपुर, यूपी को ई.सी. आईडी न0. EC25A2504UP5945822N के माध्यम से दिनांक 26.09.2025 के द्वारा राजश्री फाइन केमिकल इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (यूनिट–**II**) को 500 के.एल.डी. क्षमता वाले अनाज आधारित डिस्टिलरी संयंत्र तथा 14 मेगावाट सह–उत्पादन विद्युत परियोजना की स्थापना हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति Prior Environmental Clearance (EC) प्रदान की जाती है।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा जारी पर्यावरण की प्रति विभाग की वेबसाईट http://moef.nic.in (http//environmentclearance.noc.in) एवं उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास उपलब्ध है।

मैसर्स राजश्री फाइन केमिकल इंडस्ट्रीज इंडिया प्रा. लि. (यूनिट - II)
ग्राम : शालपुर नवादिया तहसील : तिलहर जिला : शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश

विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया, पोस्टमार्टम हाउस पर हुई बहस

अमृत विचार: बरखेड़ा गांव में विवाहिता का शव कमरे में दुपट्टे से लटका मिला। मृतका के मायके वाले बेटी की ससुराल पहुंचे तो उसका शव जमीन पर पड़ा मिला। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया। पोस्टमार्टम हाउस पर ससुराल और मायके वालों में कहासुनी हो गयी। इस दौरान मायके और ससुराल वालों की पोस्टमार्टम हाउस पर कहासुनी हो गयी। इस दौरान मायके वालों ने ससुराल वालों को खदेड़ कर भगा दिया।

तनिष्का।

मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव बरखेड़ा निवासी आशुतोष मिश्रा की शादी छह माह पहले 21 वर्षीय तनिष्का निवासी भम्मपुरवा थाना बेहटा गोकुल जिला हरदोई से हुई थी। सोमवार रात ससुराल वालों ने उसका शव एक कमरे में कुंडे से दुपट्टे से लटका हुआ देखा। पुलिस को बिना सूचना दिए शव उतार लिया। मृतका के पति ने ससुराल वालों को फोन करके बताया तनिष्का की बुखार से मौत हो गई है। मंगलवार सुबह मृतका की बहन पल्लवी परिवार वालों के साथ बहन की ससुराल पहुंचीं। उसने बहन का शव जमीन पर पड़ा पाया। उसने मदनापुर थाना पर सूचना दी। थाना प्रभारी सिपाहियों के साथ गांव में गए और जानकारी की। मृतका की बहन ने बताया ससुराल वाले दहेज के लिए मारते पीटते थे। दो दिन पहले तनिष्का बहन दुर्गा के पास फोन किया था तो वह घबराई हुई थी। वह मां से बात करना चाहती थी। ससुराल वालों ने उसका फोन छीन लिया था। मायके वालों का आरोप है कि उसके शरीर और गले में चोट के निशान है। मायके वालों का आरोप है कि उसकी गला दबाकर हत्या की है। इधर पोस्टमार्टम हाउस पर ससुराल और मायके वालों में नोकझोंक हो गयी। मायके वालों ने ससुराल वालों को रपटाकर भगाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नदी में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : मंगलवार शाम 4 बजे गांव नागरपाल के निकट गर्रा नदी में एक व्यक्ति का शव मिला। थाना प्रभारी उमेश कुमार मौके पर पहुंचे और शव को नदी से बाहर निकलवाया। शव कई दिन पुराना लग रहा है।

साधकों ने किया योग निद्रा का अभ्यास

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शरद पूर्णिमा पर योग विज्ञान संस्थान की ओर से आर्य महिला डिग्री कॉलेज परिसर में योग निद्रा सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर आयुक्त डॉ. बिपिन मिश्रा ने भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि शरद पूर्णिमा का पर्व ऋतु परिवर्तन के साथ स्वास्थ्य और अध्यात्म दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद के अनुसार इस दिन सोलह कलाओं से युक्त चंद्रमा की किरणें अमृत वर्षा करती हैं। डॉ. अवधेश मणि त्रिपाठी ने योग निद्रा का अभ्यास कराते हुए कहा कि मन चंद्रमा के समान होता है और उसकी सोलह कलाएं मन की विभिन्न अवस्थाओं की प्रतीक हैं। मनुष्य के बंधन और मोक्ष दोनों का कारण मन ही है। इस अवसर पर डॉ. इंदु अजनबी ,ललिता यादव, जीसी मिश्रा, विपिन रस्तोगी, डॉ. राजेंद्र कुशवाहा, सौरभ गोयल, तराना जमाल, पद्मा गुप्ता, रचना चांदना, संध्या गुप्ता, अर्चना दीक्षित, गीता पांडे, कौशल शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
शारदा नहर खण्ड शाहजहॉपुर

ई–निविदा सूचना संख्या–03/अधि0अभि0/2025–26

(ई–टेंडरिंग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025–26 में कराये जाने वाले कार्यो की निविदा)

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in निविदायें के माध्यम से निविदा, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म से दिनांकः 17.10.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांकः 17.10.2025 को अपरान्ह 2:30 बजे गठित समिति के समक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता शारदा नहर खण्ड शाहजहाँपुर में ऑनलाइन खोली जायेगी। निविदा दिनांकः 09.10.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे से दिनांकः 17.10.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी, अथवा अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 स0	लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत जी0एस0टी0 रहित (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य+ जी0एस0टी0+स्टेशनरी सहित (रू0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	1	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF KAMALPUR DY B/W KM. 0.000 TO KM. 19.860	9.62	0.20	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
2	2	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF GURGWAN MR. B/W KM. 0.000 TO KM. 5.350	2.59	0.06	15 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
3	3	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF JALALABAD DY. FROM KM 0.000 TO KM 24.690	11.95	0.24	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
4	4	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF KATRA DY. FROM KM 0.000 TO 10.000	4.85	0.10	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
5	5	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF TILHAR DY. FROM KM 0.000 TO 15.000	7.24	0.15	21 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
6	6	SILT CLEARANCE IN ATHANA DY. FROM KM 0.000 TO KM 8.040	3.87	0.08	21 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
7	7	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF BIJASAN DY. FROM KM 4.000 TO KM 18.530	7.03	0.15	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
8	8	SILT CLEARANCE IN PATNA DY. FROM KM 0.000 TO KM 9.250	4.45	0.09	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
9	9	SILT CLEARANCE IN BUDHAULI DY. FROM KM 0.000 TO KM 9.750	4.69	0.10	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
10	10	SILT CLEARANCE/ SCRAPING OF SIKANDARPUR MR. FROM KM 0.000 to 9.180	2.26	0.05	21 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च
11	11	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF GANDHAR DY. FROM KM 0.000 TO 16.500	8.05	0.17	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
12	12	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF MADNAPUR DY. FROM KM 0.000 to 19.840	9.67	0.20	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
13	13	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF KOTA DY. FROM KM. 0.000 to 12.600.	6.15	0.13	21 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
14	14	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF BHATPURA MR. FROM KM 0.000 TO KM 12.480	3.37	0.07	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
15	15	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF INTGAON DY. FROM KM 0.000 TO KM 30.000	14.58	0.30	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	बी एवं उच्च
16	16	SILT CLEARANCE OF MANKAPUR DY. FROM KM 0.000 TO KM 10.960	2.95	0.06	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
17	17	SILT CLEARANCE OF SHAHAGARH DY FROM KM 0.000 TO KM 10.260	4.83	0.10	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
18	18	SILT CLEARANCE/SCRAPING OF BAMROLLY MR. FROM KM 0.000 TO KM 11.260	3.03	0.07	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
19	19	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF BEOR DY. FROM KM 0.000 TO KM. 16.000	7.69	0.16	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
20	20	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF GHATBOJH MR. FROM KM 0.000 TO KM 8.610	2.29	0.05	21 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च
21	21	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF KAJIPUR MR. FROM KM 0.000 TO KM 9.010	2.41	0.05	21 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च
22	22	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF KANPARA MINOR FROM KM 0.000 TO KM 15.890	4.30	0.09	30 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
23	23	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF PAINA DY. FROM KM 0.000 TO KM 10.000	4.74	0.10	21 दिवस	(150+27+500) =677.00	सी एवं उच्च
24	24	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF KAREILLY DY. FROM KM 0.000 TO KM 24.260	11.69	0.24	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
25	25	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF SAWAYAZPUR DY. FROM KM. 0.000 TO KM. 21.750	10.54	0.22	30 दिवस	(225+41+500) =766.00	सी एवं उच्च
26	26	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF BARBAN DY. FROM KM. 0.000 TO KM. 31.900	15.44	0.31	30 दिवस	(300+54+500) =854.00	सी एवं उच्च
27	27	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF GOPALPUR MR. FROM KM. 0.000 TO KM. 7.740.	2.01	0.05	15 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च
28	28	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF RUJWARI MR. FROM KM. 0.000 TO KM. 7.460	2.01	0.05	21 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च
29	29	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF KHUDAGANJ DY. FROM KM. 0.000 TO KM. 44.690.	21.73	0.44	30 दिवस	(300+54+500) =854.00	बी एवं उच्च
30	30	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF POSIL MR. FROM KM. 0.000 TO KM. 6.840	1.89	0.04	15 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च
31	31	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF MAJHOLA MR. FROM KM 0.000 TO KM 6.560	1.77	0.04	15 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च
32	32	SILT CLEARANCE AND SCRAPING OF KIRATPUR MR. FROM KM 0.000 TO KM 6.710	1.82	0.04	15 दिवस	(75+14+500) =589.00	सी एवं उच्च

यह निविदा/बिड सूचना उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट http//etender.up.nic.in व सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://irrigation.up.in पर उपलब्ध है, तथा निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्ते वेबसाइट पर व कार्यालय अधिशासी अभियन्ता शारदा नहर खण्ड शाहजहाँपुर के नोटिस पर चस्पा है। निविदा की शर्तो को भली भांति पढ़ने के बाद निविदा डाले।

UP – 238653 **दिनांक:** 6/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
शारदा नहर खण्ड, शाहजहाँपुर

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना शुद्धि पत्र
सं० डब्लू/247/उमुई/कान–1/शुद्धि पत्र, दिनांक 03.10.2025

निविदा सूचना संख्या DYCE-CON-CPR-05-2025, दिनांक 24.09.2025 में कुछ मुद्रण त्रुटि के कारण, निम्नलिखित शुद्धिपत्र शुद्धिपत्र संख्या 01, दिनांक 02.10.2025 के अनुसार जारी किया जाता है। भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर के माध्यम से निम्नलिखित ई–कार्य निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, तदनुसार, आईआरईपीएस में संशोधित एवं अद्यतन ई–निविदा दस्तावेज अपलोड किया गया है।

मौजूदा विवरण:– अनुमानित निविदा मुल्य (रु०): Rs. 34,51,17,468.03, बयाना राशि (रु०): Rs. 18,75,600.00

संशोधित विवरण:– अनुमानित निविदा मुल्य (रु०): Rs. 29,10,84,993.03, बयाना राशि (रु०): Rs. 16,05,400.00

निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेवसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। पूर्व में जारी की गई निविदा सूचना में अंकित अन्य सभी विवरण यथावत रहेगें।

उप मुख्य इंजी/नि०/।
मुजाधि/डब्लू–280 **वाराणसी**

ट्रेनों में बीडी/सिगरेट न पियें

पब्लिक नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवदा पत्नी जलील अहमद, निवासी मोहल्ला शेखूपुरा, वार्ड नं0 7 शीशगढ़ देहात, बरेली ने एक दुकान रकबई 82.5 वर्ग मी0 वाकै ग्राम मकसूदनपुर खसरा नं0 33/4 में से पर0 रिछा तहसील बहेड़ी जिला बरेली को चोला मण्डलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड में बंधक कर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है उक्त सम्पत्ति के बाबत एक किता रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 14.06.2010 वही सं0–1 जिल्द संख्या–2369 पृष्ठ संख्या –01 ये 16 क्रमांक 4701 स0र0 बहेड़ी बरेली व मूल रजिस्टर्ड बैनामा दिनांकित 28.07.2015 क्रम संख्या – 7221 का पृष्ठ सं0–1 (लेख–पत्र) व पृष्ठ संख्या – 12 (अन्तिम पृष्ठ) कहीं खो गया है। जिसकी सूचना दिनांक 06.10.2025 को पुलिस को दी जा चुकी है। उक्त मूल बैनामें की अनुउपलब्धता के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में सामान्य कार्य दिवस की सामान्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति नहीं है उपरोक्त लोन जारी कर दिया जायेगा।

अमिताभ भंज, एडवोकेट
कार्यालय:- चैम्बर नं. 11
बड़ा वकालतखाना, सिविल कोर्ट, बरेली।
सूचीवद्ध अधिवक्ता

प्रमोद हत्याकांड में भतीजा गिरफ्तार, भेजा गया जेल

शाहजहांपुर, अमृत विचार: प्रमोद सक्सेना हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी भतीजे को गिरफ्तार कर लिया। वारदात में प्रयुक्त तमंचा व खोखा बरामद कर लिया। आरोपी भतीजे को कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया। आरोपी ने वारदात के समय पहने कपड़े नदी में फेंक दिए थे और टी शर्ट और लोअर खरीदकर पहन लिया था। तमंचा झाड़ी में छिपा दिया था।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला बाडूजई प्रथम निवासी प्रमोद सक्सेना की रविवार रात में भतीजे विवेक सक्सेना उर्फ शानू ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक की पत्नी सीमा सक्सेना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, कि उसके पति का भतीजे विवेक सक्सेना से रात में झगड़ा हो गया था। आरोपी चाचा को गाली देने लगा था। विरोध करने पर तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया था। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह चौहान को मंगलवार की दोपहर बाद सूचना मिली कि रोडवेज बस अड्डे के पीछे रेलवे फाटक के निकट हत्यारोपी खड़ा है। पुलिस ने उसे पकड़ लिया पुलिस ने घटना में प्रयुक्त तमंचा व खोखा बरामद कर लिया है।

जीएसटी की दरें कम होने से लोगों को मिली राहत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: उप्र उद्योग व्यापार संगठन की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष और आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल के निर्देश पर आए बरेली मंडल प्रभारी पंकज जैन ने कहा पिछले कुछ सालों से संगठन रिक्त चल रहा था, जिसको ध्यान में रखते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्व में संगठन के नगराध्यक्ष रहे व्यापारी नेता जसविंदर सिंह को जिलाध्यक्ष बनाया है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरें कम की है, जिससे व्यापारियों समेत आम जनता को राहत मिली है।

मोहल्ला बजरिया स्थित एक रेस्टोरेंट में हुई उद्योग व्यापार संगठन की बैठक में नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा व्यापारियों की राजनीति में भागीदारी आवश्यक है।

अमृत विचार

बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

निराशा संभव को असंभव बना देती है।
–मुंशी प्रेमचंद, साहित्यकार

प्रतिरक्षा की नई परिभाषा

इस वर्ष का फिजियोलॉजी या चिकित्साशास्त्र अथवा मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार उन खोजों के लिए दिया गया है, जो मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को गहराई से समझने और उसे नियंत्रित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका की मेरी ब्रंको, फ्रेड रेम्सडेल तथा जापान के शिमोन साकागुची ने अपने शोध और जैविक प्रयोगों के माध्यम से स्वप्रतिरक्षी या ऑटोइम्यून प्रणाली से जुड़ी वैज्ञानिक समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। कुल मिलाकर, नोबेल पुरस्कार विजेताओं के शोध ने प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित क्रियाकलापों और कार्य प्रणालियों की तह में जाकर उनके जिन विकारों के आनुवंशिक, आणविक और पर्यावरणीय निर्धारकों का पता लगाया है, उसने पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को नए सिरे से पुनर्परिभाषित किया है। उनकी खोज से कई रोगों के शीघ्र निदान और लक्षित उपचारों का नया मार्ग प्रशस्त हुआ है। निःसंदेह यह क्रांतिकारी खोज न केवल चिकित्सा विज्ञान में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है, बल्कि इसने पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस से संबंधित प्रतिरक्षा सहिष्णुता के नए क्षेत्र में आगे के शोध के लिए भी एक ठोस नींव रखी है।

हमारा इम्यून सिस्टम प्रतिदिन रोग उत्पन्न करने वाले लाखों बाहरी सूक्ष्मजीवों और अन्य हमलावर तत्वों से हमारी रक्षा करता है, लेकिन कभी-कभी यही प्रणाली भ्रमित होकर शरीर के अपने अंगों को ही शत्रु समझने लगती है, जिससे टाइप-1 डायबिटीज, रूमेटॉयड आर्थराइटिस जैसे अनेक ऑटोइम्यून रोग उत्पन्न होते हैं। कई बार जब शरीर में कोई अंग प्रत्यारोपित किया जाता है, तो इम्यून सिस्टम उसे भी 'अनजाना' और 'बाहरी' समझकर अस्वीकार कर देता है। इस संदर्भ में पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्रणाली शरीर की अपनी कोशिकाओं और प्रोटीनों को पहचानती है और यदि कोई टी-सेल उन पर हमला करने की कोशिश करे, तो उसे निष्क्रिय या समाप्त कर देती है। ब्रंको, रेम्सडेल और साकागुची ने इस प्रणाली के 'सुरक्षा प्रहरी'- रेगुलेटरी टी-सेल्स- की पहचान की है। इन टी-सेल्स का कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इम्यून सिस्टम गलती से अपने ही शरीर पर हमला न करे। यह खोज प्रतिरक्षा सहिष्णुता की अवधारणा को एक नई वैज्ञानिक परिभाषा देती है और चिकित्सा विज्ञान को एक नई दिशा प्रदान करती है। इन शोधों का महत्व केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है। इससे कैंसर, ऑटोइम्यून रोगों और अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी चिकित्सा विधियों में सुधार होगा तथा भविष्य में लाखों मरीजों के लिए यह खोज रोग से राहत का कारण बनेगी।

यह अवसर भारतीय मूल के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी याद करने का है। 1968 में हरगोविंद खुराना को मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने जेनेटिक कोड की संरचना से प्रोटीन निर्माण को समझने में अहम भूमिका निभाई थी और उनकी खोजों ने कैंसर, औषधि-विकास तथा जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में क्रांति ला दी थी। आज जब चिकित्सा विज्ञान एक नई क्रांति की ओर बढ़ रहा है, यह उम्मीद स्वाभाविक है कि भविष्य में कोई भारतीय वैज्ञानिक भी इस वैश्विक मंच पर पुनः अपनी प्रतिभा का परचम लहराए।

प्रसंगवश

पुण्य तिथि: विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी मुंशी प्रेमचंद

प्रेमचंद हिंद कहानी के आधार स्तंभ हैं। वे विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी माने जाते हैं। हिंदी साहित्य की कहानी यात्रा प्रेमचंद के बिना अधूरी है। उन्होंने कई विश्व प्रसिद्ध उपन्यास भी लिखे, मगर उनकी ख्याति एक कहानीकार के रूप में ज्यादा है। प्रेमचंद की कहानियों में समाज का प्रतिबिंब स्पष्ट रूप से झलकता है। उन्होंने आम आदमी को केंद्र में रखकर अपनी कहानियां लिखीं और आम आदमी के मर्म को छूने का प्रयास किया, जिसके कारण उनकी कहानियां लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हुईं। सामाजिक ताने-बाने पर लिखी गईं, उनकी कहानियां बुनावट, कसावट, शिल्प एवं कथ्य की दृष्टि से बेजोड़ हैं। उन्होंने अपनी कहानियों को भाषा की दुरुहता एवं व्याकरण की जटिलता से बचाने का सफल प्रयास किया है। आम बोलचाल की भाषा में लिखी गईं उनकी कहानियां पाठक के अंतर्मन को गहराई से छू लेती हैं।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी जिले के लमही नामक गांव में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता पोस्ट मास्टर थे। प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपत राय था। उन्होंने गरीबी अभावों एवं ग्रामीण जीवन से जुड़ी समस्याओं को काफी निकट से देखा एवं भोगा था। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपना जीवन प्रारंभ किया। बाद में पदोन्नति पाकर वे विद्यालयों के उपनिरीक्षक बन गए।

1880 से 1936 तक का प्रेमचंद का जीवन काल देश की पराधीनता का काल था। उस समय अंग्रेजों का शासन था। अंग्रेज शासकों के क्रूर अत्याचारों से देश की जनता कराह रही थी। अंग्रेज देश को लूट रहे थे। उन्हें हमारे देश के वैभव से प्यार था और देश की जनता से नफरत। गांवों में अंग्रेजों के वफादार माने जाने वाले राजाओं, जमींदारों, नवाबों एवं साहूकारों का बोलबाला था। उनकी मनमानी और अत्याचारों को झेलने को गांवों की भोली-भाली जनता मजबूर थी। गांव की अधिकांश जनता अनपढ़ और गरीब थी। उनमें तरह-तरह के अंधविश्वास एवं कर्मकांड व्याप्त थे। इस सबको देखकर प्रेमचंद का मन उद्वलित हो उठा और इस अन्याय, अत्याचार और दमन का प्रतिकार करने के लिए उन्होंने अपनी कलम को हथियार बनाया।

प्रेमचंद की अधिकांश कहानियों में ग्रामीण परिवेश की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने आम आदमी के दर्द, बेबसी, भय एवं धर्म भीरूता को अपनी लेखनी द्वारा बड़ी बेबाकी से बयां किया है। उनकी कहानी 'कफन', 'पूस की रात', 'पंच परमेश्वर', 'बूढ़ी काकी', 'बड़े भाई साहब', 'नमक का दरोगा', 'दो बैलों की कथा', 'गुल्ली-डंडा', 'ईदगाह', 'आंसुओं की होली', 'सवासेर गेहूं' आदि में तत्कालीन ग्रामीण परिवेश का प्रतिबिंब झलकता है। यह कहानियां उस समय के ग्रामीणों की दुर्दशा को बयां करती हैं। उनकी कहानियां 'अलग्योझा', 'नागपूजा', 'पंडित मोटेराम की डायरी', 'ठाकुर का खून', 'तगादा', 'गृहदाह', 'मूठ', 'बाबा जी का भोग' तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांड, धर्म भीरुता, अंधविश्वास एवं जातिगत भेद पर करारी चोट करते हैं।

उनकी कहानी 'जिहाद', 'मंदिर-मस्जिद', 'अनमोल रतन', 'शतरंज के खिलाड़ी' में उनके मन में बसी देश प्रेम की भावना मुखरित होती है। उनके उपन्यास कर्मभूमि और रंगभूमि में देशप्रेम और स्वराज की भावना और प्रखरता के साथ व्यक्त हुई है। प्रेमचंद की साहित्य यात्रा सन् 1901 में प्रारंभ हुई। वे नवाब राय नाम से कहानियां लिखते थे। उस समय 'जमाना' उर्दू की मशहूर पत्रिका थी। प्रेमचंद की पहली कहानी 'जमाना' पत्रिका में ही छपी। ये उर्दू में थी, बाद में प्रेमचंद उर्दू और हिंदी दोनों में लिखने लगे।

भारत को मिलते अहम साझेदार

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिका से टैरिफ वार के बीच भारत लगातार अपने दूसरे देशों से कारोबारी रिश्ते और मजबूत करने में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान को चार और यूरोपीय देशों का समर्थन मिला है।

अमेरिका से टैरिफ वार के बीच भारत लगातार अपने दूसरे देशों से कारोबारी रिश्ते और मजबूत करने में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान को चार और यूरोपीय देशों का समर्थन मिला है। जल्द ही यूरोपियन यूनियन भी हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौता कर लेगा। स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ से समझौता कर भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस समझौते से भारत को 15 सालों में इन देशों से 100 अरब डॉलर का निवेश मिलने का अनुमान है, जिससे भारत में लगभग 10 लाख नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। अगले तीन माह के अंदर यूरोपियन यूनियन से मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी है। इसमें भारत की मदद फ्रांस, जर्मनी, इटली, साइप्रस जैसे महत्वपूर्ण सदस्य देश कर रहे हैं। 27 सदस्यों वाले इस समूह से उम्मीद है कि अगले दो से तीन माह के अंदर यह समझौता हो जाएगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी और अहम जीत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच ही है कि उन्होंने टैरिफ वार को भांप लिया था और यूरोपियन यूनियन हो या अन्य छोटे-बड़े देश, उनसे मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तेजी से कदम आगे बढ़ाए। भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। रूस इस यूनियन का प्रमुख सदस्य देश है। नवंबर में भारत में आयोजित बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होगी। इस समझौते से भारत का रूस के साथ जहां व्यापार घाटा कम होगा, वहीं भारतीय उत्पाद रूस व इस यूनियन के प्रमुख देशों में आसानी से पहुंच सकेगा। इस यूनियन में शामिल बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान और आर्मेनिया भी चाहते हैं कि भारत के साथ जल्द से जल्द समझौता हो जाए, ताकि उन्हें इसका लाभ मिले।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत आएंगे। इससे पहले होने वाली बैठक में यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन से समझौते के संबंध में ठोस परिणाम निकलने की उम्मीद है। पुतिन के दौरे पर भारत के साथ रक्षा के साथ ही कई अन्य समझौते होने की उम्मीद है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी आज भारत आ रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन दौरे के दौरान उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था। भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे स्टार्मर का प्रधानमंत्री बनने के बाद पहला दौरा है।

उनकी यह यात्रा विजन 2035 के तहत भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करेगी। स्टार्मर दो दिनों तक भारत में रहेंगे। नौ अक्टूबर को मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ब्रिटिश प्रधानमंत्री की बैठक होगी। इसमें दोनों नेता व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी प्रमुख क्षेत्रों पर बातचीत करेंगे। उम्मीद है कि दोनों समकक्ष भविष्य की भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी के केंद्रीय स्तंभ के रूप में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत भी कर सकते हैं। मुंबई में होने वाली बैठक में इंपीरियल कॉलेज लंदन के अध्यक्ष प्रोफेसर ह्यूग ब्रैडी भी शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री स्टार्मर के भारत दौरे से पहले ही पिछले दिनों क्वांटम कंप्यूटिंग और जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन के हिसाब से फसलें उगाने में किसानों की मदद करने के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीच समझौता हो चुका है। इस समझौते को ऐतिहासिक माना जा रहा है। जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन यात्रा के दौरान भारत व ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का उद्देश्य एक-दूसरे देश के बाजार में उत्पादों की पहुंच बढ़ाने, ब्रिटिश व्हिस्की, कार व अन्य वस्तुओं पर शुल्क कम करना था। साथ ही 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य है। अमेरिका से चल रहे टैरिफ वार के बीच प्रधानमंत्री स्टार्मर का दौरा देश के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमानी करेंगे, यह बात तो दोनों देशों को पता थी। यही वजह है कि इससे पहले ही भारत-ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अब स्टार्मर भारत आ रहे हैं तो उम्मीद है कि कई और समझौते होंगे जो दोनों देशों की प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

भारत ने अब तक 16 देशों और ब्लॉक्स के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका, भूटान, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, जापान, यूएई, यूके, मॉरीशस और आसियान शामिल हैं। इसके साथ ही भारत सरकार ओमान, पेरू, चिली, न्यूजीलैंड और इजराइल के साथ भी व्यापार समझौते पर बात कर रही है। इन देशों से रिश्ते को देखते हुए यह उम्मीद है कि जल्द ही यहां भी भारत को सफलता मिलेगी। खास बात यह है कि भारत जिन भी देशों या संघ से समझौता कर रहा है, वहां हमारे किसानों या कारोबारियों, उद्यमियों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कह चुके हैं कि वे किसानों, उद्यमियों के हितों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं करेंगे। यह बात उन्होंने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी भरकम टैरिफ के बाद कही थी। भारत अभी भी अमेरिकी टैरिफ के आगे झुका नहीं है, जो दर्शाता है कि भारतीय नेतृत्व अब हितों से समझौता करने के बजाय अमेरिका जैसे देशों की मनमानी के सामने तनकर खड़ा रहेगा।

आमने

क्या यह सच नहीं है कि कल सुबह आप मेरी सोसाइटी में आईं तो मैंने ससम्मान आपको अपने घर पर बुलाया और करीब 1:30 घंटे हम लोगों की बात हुई? आपके द्वारा बस एक ही रट कि मुझे चुनाव लड़वाइए कैसे भी, जो कि मेरे बस का नहीं?
–पवन सिंह
भोजपुरी अभिनेता

सामने

मीडिया के सामने आप भी बैठिए और मैं भी बैठूंगी। आइए और खुलकर बात कीजिए। यदि आप मुझे जीवनभर के लिए पत्नी के रूप में स्वीकार करते हैं, तो मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी, क्योंकि हम सत्ता के लिए अपनों का इस्तेमाल करने में विश्वास नहीं रखते हैं। –ज्योति सिंह
पवन सिंह की पत्नी

बिहार का रण: बीजेपी के लिए साख का सवाल

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

यह चुनाव अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है।

बिहार में विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखों की घोषणा कर दी है। छह और 11 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। यह चुनाव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शाह का दावा है कि राजग न केवल पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाएगा, बल्कि घुसपैठियों को राज्य की पवित्र धरती से बाहर भी करेगा।

अमित शाह का फोकस इस बार सीमांचल (पूर्वोत्तर बिहार) के नौ जिलों पर है, जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम तैनात की है। उनकी रणनीति साफ है- राजद और एमआईएम के गढ़ में कमल खिलाना। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में राजग के लिए 160 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। सीमांचल में घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, जहां मुस्लिम आबादी काफी है और घुसपैठ हिंदुओं के लिए समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हिंदू पर्वों और त्योहारों पर पथराव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिसे अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में घुसपैठियों के वोटर लिस्ट में शामिल होने के मुद्दे को उठाया था। शाह और मोदी ने कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा के जवाब में घुसपैठियों के मताधिकार को मुद्दा बनाया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लगभग 45 लाख पुराने मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। भाजपा केवल घुसपैठ के मुद्दे पर निर्भर नहीं है।

अयोध्या में राम मंदिर के बाद बिहार में मां जानकी मंदिर का निर्माण, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10,000 रुपये का वितरण और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार जैसे मुद्दे भी अभियान का हिस्सा हैं। यह चुनाव भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के लिए सामान्य नहीं है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के बीच यह चुनाव राजग के लिए बड़ी परीक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वैश्विक दबावों का सामना करने की सरकार की दृढ़ता ने भारत को गर्व का विषय बनाया है। सवाल यह है कि क्या मोदी बिहार के मतदाताओं पर अपना जादू चला पाएंगे?

बिहार में भले ही राजग के बैनर तले चुनाव लड़ा जा रहा हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह मोदी और शाह का चुनाव है। मोदी ने विश्वास निर्माण का अनूठा प्रयोग किया है। 1985-1990 के बीच गुजरात में भाजपा के लिए काम करते हुए उन्होंने और अमित शाह ने पहली बार अपनी जोड़ी का कमाल दिखाया। तब से शाह हर चुनाव में मोदी की जीत के शिल्पकार बने हैं। बिहार में एक बार फिर अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा है। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों में उनकी रणनीति की सफलता देखी जा चुकी है।

बिहार में भी वह सोशल इंजीनियरिंग पर जोर दे रहे हैं, जिसमें जातिगत समीकरणों को साधना शामिल है। नए चेहरों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है और मुद्दों व नारों को अंतिम रूप दे दिया गया है। बिहार चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान को आत्मसमर्पण को मजबूर करना और देशव्यापी जाति सर्वेक्षण जैसे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जाएंगे।

भाजपा ने 40 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान प्रभारी हैं और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हैं। मंदिर और मंडल दोनों मुद्दों को साथ लेकर चलने में शाह की विश्वसनीयता स्थापित है। अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और नरेंद्र मोदी की रणनीतिक समझ बिहार में राजग की जीत की कुंजी है। गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश तक शाह ने संगठन को मजबूत करने का काम किया है। बिहार में क्या वह हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे? यह समय बताएगा।

सोशल फोरम

राष्ट्रपति मंडेला और उनका मेहमान जेलर

अनीता संजीव
ब्लॉगर

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने के बाद एक बार नेल्सन मंडेला अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ एक रेस्त्रां में खाना खाने गए। सबने अपनी-अपनी पसंद का खाना आर्डर किया और खाना आने का इंतजार करने लगे। उसी समय मंडेला की सीट के ठीक सामने की सीट पर एक व्यक्ति अपने खाने का इंतजार कर रहा था।

मंडेला ने अपने सुरक्षाकर्मी से कहा कि उन्हें भी अपनी टेबल पर बुला लो। ऐसा ही हुआ। उस आदमी को बुलाया गया। वह संकोच के साथ उनकी टेबल पर आकर बैठ गया। सभी खाना खाने लगे, लेकिन खाना खाते वक्त उस आदमी के हाथ कांप रहे थे।

खाना खत्म करने के बाद वह आदमी सिर झुकाकर रेस्त्रां से बाहर निकल गया।

उस आदमी के जाने के बाद मंडेला के सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि वह व्यक्ति शायद बहुत बीमार था। खाते वक्त उसके हाथ लगातार कांप रहे थे और वह खुद भी कांप रहा था।

मंडेला ने कहा, "ऐसा नहीं है। वह उस जेल का जेलर था, जिसमें मुझे 27 साल कैद रखा गया था। जब कभी मुझे यातनाएं दी जाती थीं और मैं कराहते हुए पानी मांगता था तो ये मेरे ऊपर पेशाब किया करता था। मैं अब राष्ट्रपति बन गया हूं। उसने समझा कि मैं भी उसके साथ शायद वैसा ही व्यवहार करूंगा।"

नेल्सन मंडेला ने आगे कहा, "पर मुझे लगता है कि बदले की भावना से काम करना विनाश की ओर ले जाता है। वहीं धैर्य और सहिष्णुता की मानसिकता हमें विकास की ओर ले जाती है।"

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

आत्मनिर्भर महिलाएं राष्ट्र को बना सकती हैं उन्नत

देश के तमाम गांवों की असंख्य महिलाएं आज भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रही हैं। उनकी मेहनत और जिम्मेदारियां बहुत हैं, लेकिन अवसर कम, जिन्हें अपनी कड़ी मेहनत के बावजूद श्रम का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। इससे वह विकास की दौड़ में पिछड़ जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि महिलाओं के विकास का रास्ता रोजगार से होकर ही गुजरता है, जिससे न केवल उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है बल्कि उनका आत्म-सम्मान, निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक पहचान भी मजबूत होती है।

गांव की महिलाओं को रोजगार से जोड़ना इसलिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यहां की महिलाएं अब भी परंपरागत सोच, संसाधनों की कमी और शिक्षा की सीमाओं से बंधी हुई हैं। जब उन्हें काम और कमाई का अवसर मिलेगा, तभी वे अपने बच्चों की पढ़ाई, पोषण और परिवार की खुशहाली में बराबरी का योगदान दे सकेंगी। आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण इलाकों में महिला श्रम-शक्ति की स्थिति मिश्रित है। बात राजस्थान की करें तो 'Periodic Labour Force Survey (PLFS)' के अनुसार, यहां की ग्रामीण महिलाओं का श्रम भागीदारी दर (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) राष्ट्रीय औसत से लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। इसका मतलब यह है कि महिलाएं किसी न किसी रूप में काम कर रही हैं, परंतु यह काम ज़्यादातर असंगठित क्षेत्र या कृषि मजदूरी तक सीमित है।

पूजा मेहरा
लेखिका

महिलाएं मेहनत तो खूब करती हैं, पर उनका योगदान समाज और परिवार दोनों ही जगहों पर कम करके आंका जाता है। ग्रामीण महिलाएं खेतों में काम करती हैं, पशुपालन करती हैं, घर और बच्चों की देखभाल करती हैं, परंतु इन्हें 'रोज़गार' नहीं माना जाता, क्योंकि इन कामों के लिए नियमित आय या सम्मानजनक वेतन नहीं मिलता। यही वजह है कि वह आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर बनी रहती है। यदि इन्हें संगठित ढंग से स्वरोजगार के अवसर, प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच मिले तो यह मेहनत एक उत्पादक और सम्मानजनक रोजगार में बदल सकती है।

रोजगार से जुड़ी यह कमी केवल आर्थिक पक्ष तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह सामाजिक ढांचे को भी प्रभावित करती है। एक महिला जो अपने पैरों पर खड़ी होती है, वह न केवल घर के खर्च उठाने में मदद करती है, बल्कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देती है। एक सर्वे के अनुसार जब किसी परिवार में महिला आय अर्जित करती है, तो उस परिवार में बालिकाओं के स्कूल जाने की संभावना 20 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। यही नहीं, परिवार का पोषण स्तर और स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है। समाज में महिला की भूमिका को अभी भी 'घर तक सीमित' मानने की सोच हावी है। यही कारण है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद कई महिलाएं रोजगार तक नहीं पहुंच पातीं।

महिलाएं जब रोजगार से जुड़ेंगी, तो यह केवल उनकी आय का सवाल नहीं होगा, बल्कि समाज में उनकी आवाज और अस्तित्व को मान्यता देने का सवाल होगा। आर्थिक स्वतंत्रता से वे घरेलू हिंसा, बाल विवाह और पितृसत्ता की अन्य जंजीरों से बाहर निकल सकेंगी। इसके लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास करने होंगे। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण और बाजार से जोड़ना, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना और सरकार की योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

भारत देश में लोक गीत, संगीत, नृत्य, परंपराएं और कलाएं आदि केवल प्रदर्शन या मनोरंजन का साधन नहीं है, वास्तव में ये समाज को सुगठित रूप से संचालित करने का सूत्र है। विभिन्न बोलियों, भाषाओं, अंचलों, संस्कारों वाले विविधता भरे हमारे देश में लोक कलाएं, परंपराएं मानव सभ्यता के विकास की सहयात्री रही हैं। आधुनिक शिक्षा के प्रसार में पारंपरिक लोक परंपराएं, कलाएं लुप्त होती जा रही हैं, उन्हें अपने अस्तित्व और अपने पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखने के संकट से जूझना पड़ रहा है। लोक कलाओं की विविध विधाओं से समाज को, विशेषकर नई पीढ़ी को परिचित कराना आवश्यक है।

कठपुतली
लोक कला का जीवंत रूप

हम जब छोटे बच्चे थे, हमारे आसपास कोई भी मेला, धार्मिक त्योहार या सामाजिक आयोजन कठपुतली नाच के बिना अधूरा होता था। भारत में पारंपरिक कठपुतली नाटकों की कथावस्तु में पौराणिक साहित्य, लोक कथाएं और किंवदंतियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कठपुतली राजस्थान की प्राचीन लोक कला है। राजस्थान की यह लोक कला भारत और पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कठपुतली लोक कला भट आदिवासी जाति के लोगों का पारंपरिक व्यवसाय भी है। कठपुतलियों को तार अथवा धागे के माध्यम से अंगुलियों द्वारा नचाया जाता है।

राजकुमार जैन राजन
लेखक

कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेले जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रमों में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार के पुरुष, पशु, देव, असुर पात्रों के रूप में बनाया जाता है। इनका नाम कठपुतली इस कारण पड़ा, क्योंकि इनको लकड़ी अर्थात काष्ट से बनाया जाता था। कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी की 'अष्टाध्याई' ग्रंथ में हमें 'पुतला नाटक' का उल्लेख मिलता है। इसके जन्म को लेकर कुछ पौराणिक मत इस प्रकार मिलते हैं कि भगवान शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर, माता पार्वती का मन बहलाकर इस कला को प्रारंभ किया था। इसी प्रकार उज्जैन नगरी के राजा विक्रमादित्य के सिंहासन में जड़ित 32 पुतलियों का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' नामक कथा में भी मिलता है।

भारत सहित एशियाई देशों में कठपुतली नाट्य सदियों से लोकानुरंजन और शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। भारत से लेकर पूर्वी एशिया के देशों जैसे इंडोनेशिया, म्यांमार, थाईलैंड, श्रीलंका, जावा, सुमात्रा इत्यादि में विस्तार हुआ। आधुनिक युग में यह कला रूस, रोमानिया, चेकोस्लोवाकिया, जर्मनी, जापान, अमेरिका, चीन आदि देशों में विस्तारित हो चुकी है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन न रहकर शिक्षा कार्यक्रमों, विज्ञापनों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है।

हमारी विविधरंगी लोक संस्कृति, परंपरा, कलाओं की परंपरा में कठपुतली नृत्य का विशेष महत्व है। आज साइबर दुनिया में वैश्वीकरण की आपाधापी में हमारी आने वाली भावी पीढ़ी को हमारी इस स्वर्णिम विरासत से परिचित कराना बेहद आवश्यक हो गया है। हमारी लोकजीवन, संस्कृति, कला, परंपरा आदि का प्रत्येक पक्ष इतना प्रबल व सशक्त है कि संवेदनहीन व्यक्ति भी संवेदना के तीव्र उद्वेग को उत्पन्न कर सकता है। भारतीय कला और कलाकृतियां व्यक्ति की आत्मा को झंझोड़ने की क्षमता रखती है।

उदयपुर शहर में विश्व विख्यात 'भारतीय लोक कला मण्डल' में इसकी स्थापना के साथ ही कठपुतली कला को विश्वव्यापी बनाने के स्तुत्य प्रयास किए हैं। कई कलाकारों को कठपुतली प्रदर्शन का प्रशिक्षण विश्व स्तर पर यहां प्राप्त हुआ है। भारतीय संस्कृति, चिंतनपरंपरा, धर्म, अध्यात्म और दर्शन के मिश्रण ने कठपुतली कला को संप्रेक्षणीय बनाया है। यह सच है कि भारतीय कला परंपराओं का संरक्षण उनके लगातार प्रदर्शन से ही संभव हो सकता है। देश में साक्षरता अभियान, बाल-विवाह, स्वच्छ भारत मिशन अभियान, मतदान के लिए जागरुकता अभियान जैसे आमजन को उनकी अपनी संस्कृति की भाषा में जागरूक करने के लिए कठपुतलियां माहौल को जीवंत कर देती हैं।

कला का क्षेत्र आज बहुत व्यापक हो गया है, इसमें निरंतर नई दृष्टि से कलाओं के नवीन स्वरूप का सृजन हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से राज्य में परंपरागत रीति-रिवाजों पर आधारित कठपुतली के खेलों में काफी परिवर्तन हो गया है। अब यह खेल गांवों, मोहल्लों, सड़कों, गलियों में न होकर थियेटरों, बड़े-बड़े मुक्ताकाशी रंगमंचों व सितारा होटलों में होने लगा है। इसके बावजूद राजकीय संरक्षण व पोषण के अभाव में इस लोक-कला के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अब गांव-मोहल्लों में कहीं कठपुतली का खेल नजर नहीं आता। कठपुतलियां केवल सजावटी वस्तु के रूप में ही खरीदी जा रही हैं। कठपुतली कला के संरक्षण-संवर्धन के लिए व्यापक प्रयत्नों की दरकार है। नए आयाम, नए प्रतिमान, नए मायने और नई तकनीकों की खोजकर कठपुतली कला और कलाकारों को राज्याश्रय मिलना ही चाहिए।

प्रभु श्रीराम के बाल्यकाल की कहानियां सुनाता अयोध्या का दशरथ महल

धार्मिक दृष्टिकोण से विश्व में भारत राम के देश के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहां राम की जन्मस्थली अयोध्या है। यह दुनियाभर के हिंदू धर्मावलंबियों के आस्था का केंद्र है। यहां और भी स्थल हैं, जो भगवान राम से जुड़े हैं और वे उनके बचपन की कहानियां सुनाते हैं। इसी में एक दशरथ महल है, जहां के बारे में कहा जाता है कि बाल्यावस्था में राम यहीं पैजनिया पहनकर ठुमकते हुए चलते थे। रामायण में भी इसका वर्णन है "ठुमक चलत रामचंद्र पहने पैजनिया"।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

जब चांद के लिए हठ करने लगे प्रभु श्रीराम

वह दशरथ महल ही है, जहां माता कौशल्या की गोद में पैजनिया पहने ठुमक कर चलते सकल ब्रह्मांड के नायक भगवान राम अपने पिता राजा दशरथ से चांद पाने का हठ कर लेते हैं और राजा दशरथ थाली में जल भरकर रामलला को चंद्रमा के प्रतिबिंब को पकड़ लेने को प्रेरित करते हैं। बाल्य अवस्था के राम चंद्रमा को पकड़ने के लिए थाली भरे पानी में छपकोइया खेलते रहते हैं। भगवान राम के बाल्यअवस्था का यह दृश्य हर किसी को मोहित करता है। यह वही दशरथ महल है, जो 500 साल के पराभव काल के दौरान भी मौजूदा रामजन्म भूमि क्षेत्र पर श्रीराम के मंदिर होने के साक्ष्यों की गवाही देता रहा।

सभी धार्मिक ग्रंथों में है दशरथ महल का वर्णन

दशरथ महल के महात्म्य का वर्णन राम से जुड़े सभी ग्रंथों में है। चाहे वाल्मीकि रामायण हो, महान कवि तुलसीदास कृत रामचरित मानस हो या रामानंद सागर कृत रामायण टीवी सीरियल ही क्यों न हो, रामलला के बाल्यकाल के सुलभ हठ, किलकारियां, हंसने-मुसकुराने, रोने-मनाने की लीलाओं का संबंध जिस दशरथ महल के प्रांगण से था इसका उल्लेख सबमें है। यह त्रेतायुग से लेकर आज तक भी यथावत है। भव्य मंदिर में बालस्वरूप रामलला के विराजते ही दशरथ महल का यह प्रांगण भी भाव विह्वल हो उठा।

2021 में हुआ दशरथ महल का जीर्णोद्धार

अयोध्या में चूंकि सभी मंदिर और मसलें जीर्ण-क्षीर्ण थे, दशरथ महल भी खस्ताहाल था। जब भव्य राम मंदिर के निर्माण की बारी आई तभी 2021 में दशरथ महल का भी पुनरोद्धार हुआ। हालांकि वर्ष 2013 में अखिलेश सरकार ने भी इसके जीर्णोद्धार के लिए 2.04 करोड़ का बजट जारी किया था, लेकिन किन्हीं कारणों से दशरथ महल के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका और वह बजट धरा का धरा गया। शायद उस वक्त की सरकार व उच्च प्रशासन में 'राम काज कीजै बिना मोहे कहां विश्राम' जैसी इच्छा शक्ति का अभाव था।

योगी सरकार ने यहां उपलब्ध कराई तमाम सुविधाएं

योगी सरकार ने दशरथ महल के जीर्णोद्धार व सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को अमली जामा पहनाते हुए करीब तीन करोड़ रुपये खर्च कर यहां सत्संग भवन, प्रवेश द्वार, रैन बसेरा व दर्शनार्थी सहायता केंद्र के निर्माण- पुनरोद्धार व सुदृढ़ीकरण कर इसकी ऐतिहासिक खूबसूरती को बहाल कर दिया है। यहां निर्मित 650 स्क्वायर मीटर में बने सत्संग भवन में लगभग 300 से 350 सत्संगी एक साथ कीर्तन-भजन कर सकेंगे। दशरथ भवन की तरफ श्रद्धालुओं को भौतिक रूप से आकर्षित करने के लिए जगमगाती लाइटिंग सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। यहां श्रीराम के जीवन को चित्रित करते हुए वाल पेंटिंग, रामचरित मानस के दोहे लिखे हैं। दशरथ महल का भव्य प्रवेश द्वार अपने पुराने वैभव को संरक्षित करते हुए यह आधुनिकता की चासनी से भी लैश है। खंभों और दीवारों पर लंबे समयावधि तक टिकाऊ रहने वाले पेंट-कोटिंग की परत चढ़ाई गई है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए विशेष दर्शनार्थी सहायता केंद्र भी स्थापित है, जो यहां की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक महत्व, सांस्कृतिक योगदान व आध्यात्मिक महत्व के बारे में अवगत कराता है।

व्यवस्था पर चोट और व्यंग्य का ताना बाना: जी लो जिंदगी व राजा मूंछो सिंह

हल्द्वानी के सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में रंगमंच की एक ऐसी शाम सजी, जिसने दर्शकों को हंसी और विचार दोनों से भर दिया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली, शैलनट और आनंदा अकादमी हल्द्वानी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक माह की अभिनय एवं नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला की परिणति स्वरूप दो नाटकों का भव्य मंचन हुआ।

कार्यशाला में प्रशिक्षित कलाकारों में अधिकांश पहली बार मंच पर उतरे थे, किंतु एनएसडी के रंगकर्मी चंदन बिष्ट, चित्रा बिष्ट और शैलनट के संस्थापक श्रीश डोभाल के मार्गदर्शन ने उन्हें ऐसा आत्मविश्वास और परिष्कार दिया कि दर्शक उनकी नवीनता भूल बैठे। अभिनय की सहजता और संवादों की पैनी पकड़ इस बात का प्रमाण थी कि एक माह का यह अभ्यास किसी गहन साधना से कम नहीं रहा। पहला नाटक जी लो जिंदगी, रूस के प्रसिद्ध नाटककार निकोलाई एडमैन की द सुसाइड से प्रेरित था। यह नाटक एक बेरोजगार युवक गुमान सिंह (अथर्व नेगी) की कथा है, जो सास (योगिता भंडारी) और समाज के तानों से जूझते हुए जीवन से हार मान लेता है। विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के स्वार्थपूर्ण शोषण से निराश गुमान आत्महत्या जैसा कदम उठाने को बाध्य होता है, किंतु जीवनसंगिनी गीता (संस्कृति लोहनी) का सहयोग और आत्मचिंतन उसे नए उद्देश्य की ओर ले जाता है। गुमान सिंह के रूप में अथर्व नेगी ने अपनी गहन संवेदना से दर्शकों को बांधे रखा, वहीं संस्कृति लोहनी और योगिता भंडारी ने अपने पात्रों को प्राणवान बना दिया। गौरव जोशी ने ठेकेदार के रूप में नाटक में तीखापन और धार जोड़ी। यह नाटक न केवल बेरोजगारी की पीड़ा, बल्कि व्यवस्था की खोखली परतों और स्वार्थी संगठनों पर करारा व्यंग्य था।

दूसरा नाटक राजा मूंछो सिंह एक हल्का-फुल्का व्यंग्य था, जो गंभीर संदेश भी छोड़ गया। राजा (ज्योति जीना) अपनी मूंछों को ही अपनी सत्ता और शान मान बैठता है। नतीजा-राजाज्ञा से सब कुछ मूंछों वाला होना चाहिए, पलंग से लेकर बच्चों के खिलौनों तक। दरबार में मंत्री, कवि, प्रजा सब मूंछों की प्रशंसा में गीत गाते और लाभ उठाते हैं। यहां तक कि चोर-उचक्के भी मूंछों पर कविता सुनाकर सजा मुक्त हो जाते हैं। इस रंग-व्यंग्य के बीच जब एक पड़ोसी राज्य का जासूस नाई बनकर मूंछें काट देता है, तब राजा को अपने कर्तव्य का बोध होता है कि राजधर्म शान-शौकत में नहीं, प्रजाहित में है। रानी (गुंजन अधिकारी) और नटी (मयाली पांडे) व दुश्मन देश के सैनिक के रूप में वैभव बेलवाल ने अपने सहज और चुलबुले अभिनय से नाटक को जीवंत बनाया। दोनों प्रस्तुतियां दर्शाती हैं कि मंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज का आईना और प्रश्न करने का माध्यम भी है। जी लो जिंदगी जहां व्यवस्था और बेरोजगारी की चुभन को उघाड़ता है, वहीं राजा मूंछो सिंह व्यंग्य और हंसी के जरिए सत्ता के असली कर्तव्यों की याद दिलाता है। हल्द्वानी की इस रंग-संध्या ने सिद्ध कर दिया कि थोड़े समय की सघन साधना भी यदि सही मार्गदर्शन और समर्पण से हो तो वह मंच पर अद्भुत प्रभाव छोड़ सकती है।

हरीश अप्रेती करन
लेखक

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,926.75	25,108.30
बढ़त	136.63	30.65
प्रतिशत में	0.17	0.12

सोना 1,24,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,200 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2230, रविन्द्रा 2485, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 1975, सचिन 2030, सूरज 1975, अवसर 1900, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1905, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2300, ब्लू 2135, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2490

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5100, मसूरी- 1900, बासमती- 9100, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 6900, मूंग साबुत- 8800, राजमा- 12100-14000, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 6200, उड़द साबुत- 8200, काबुली चना- 10000, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 8900

भारत-अमेरिका समझौते पर वार्ता जारी

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा- नवंबर में दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ता पूरी होने की संभावना

दोहा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर लगातार बातचीत कर रहे हैं। नवंबर में वार्ता पूरी करने की संभावनाएं हैं।

गोयल ने अगले दौर की व्यापार वार्ता प्रत्यक्ष रूप से होने की संभावना पर कहा कि हर संभावना मौजूद है, लेकिन अमेरिका में इस समय 'शटडाउन' यानी विभागों के लिए वित्त पोषण पर सहमति नहीं होने से कामकाज ठप होने से यह देखना बाकी है कि अगले दौर की वार्ता कैसे, कहां और कब हो सकती है। उन्होंने कहा कि आप सब जानते हैं कि अमेरिका में आजकल सरकार 'शटडाउन मोड' में है, तो उसके मददेनजर देखना पड़ेगा कि कैसे बातचीत हो सकती है, कहां हो सकती है, और कब हो सकती है। अमेरिका में एक अक्टूबर की आधी रात से कुछ विभागों में कामकाज ठप है। इसका कारण कांग्रेस (अमेरिकी संसद) वित्त पोषण विधेयक पारित करने में विफल रही है। सैद्धांतिक रूप से, इसका मतलब है कि कई सरकारी कर्मचारियों को अभी वेतन नहीं मिलेगा और सेवा केंद्र बंद हैं। हालांकि, रक्षा और सामाजिक क्षेत्र के कार्य जारी रहेंगे।

कतर में बैठक के दौरान कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल-सौवेदी से बातचीत करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

गोयल एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि हम (व्यापार समझौते पर) अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे कि हम इसे कैसे आगे बढ़ाने की सोच रहे हैं। दोनों पक्ष वार्ता समाप्त करने के लिए नवंबर की समय-सीमा पर उन्होंने कहा कि इसकी पूरी संभावना है। गत माह गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए न्यूयॉर्क में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। इसके बाद भारत अमेरिका ने द्विपक्षीय समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष के लिए वार्ता जारी रखने का निर्णय लिया।

वाणिज्य सचिव करेंगे ब्रसेल्स की यात्रा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर जारी वार्ता को गति देने के लिए यूरोपीय आयोग के महानिदेशक (व्यापार) सबाइन वेयंड से मिलने के लिए इस सप्ताह ब्रसेल्स जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ और भारत के बीच काफी अच्छी चर्चा जारी है। भारत एक-दूसरे की संवेदनशीलता को समझते हुए मिलकर काम करने की उम्मीद करता है ताकि दोनों पक्ष एक न्यायसंगत, निष्पक्ष एवं संतुलित मुक्त व्यापार समझौता कर सकें। मंत्री दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह भारत और कतर के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

भारतीय कंपनियों से साझेदारी पर कतर में काफी उत्साह

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कतर में भारतीय व्यवसायों के साथ साझेदारी को लेकर काफी उत्साह है। यह उत्सुकता न केवल दोनों देशों में निवेश के लिए है, बल्कि तीसरे देशों की परियोजनाओं में सहयोग के लिए भी है। उन्होंने कहा कि कतर स्थित अल बालाघ, लार्सन एंड टुब्रो का भागीदार है। उन्होंने कतर में परियोजनाएं पूरी की हैं, और अब उनकी तीसरे देशों में भी इसी तरह की परियोजनाएं शुरू करने की योजना है। अल बालाघ के चेयरपर्सन शेरिदा साद जुबरान अल काबी से मुलाकात के बाद उन्होंने यह बात कही। गोयल कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल सोवैदी से भी मुलाकात की। गोयल ने कहा कि कतर सरकार तीसरे देशों की परियोजनाओं पर भी विचार कर रही है और मुझे बताया गया कि कतर विकास बैंक वित्तपोषण की गारंटी देने को तैयार है। भारतीय कंपनियों को कतर के व्यापारियों से साझेदारी के लिए ऐसी गारंटी वाले वित्तपोषण पर विचार करना चाहिए। ये साझेदारियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत कतर मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देंगे।

भारत को पड़ोसी देशों से व्यापारिक संबंध बनाने चाहिए : नीति आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को चीन सहित अपने पड़ोसियों के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध बनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुब्रह्मण्यम ने यह भी संकेत दिया कि जीएसटी 2.0 के बाद दिवाली से पहले सुधारों की एक और कड़ी की घोषणा हो सकती है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा के नेतृत्व वाली समिति ने इन सुधारों पर अपनी रिपोर्ट पहले ही जमा कर दी है। उन्होंने कहा कि पूरा यूरोपीय संघ अपने भीतर 50 प्रतिशत व्यापार करता है, जबकि बांग्लादेश भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और नेपाल शीर्ष 10 में हुआ करता था। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की जरूरत बतायी।

नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम एक बहुत ही कठिन भौगोलिक क्षेत्र में हैं। अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार कौन हैं? मेक्सिको और कनाडा। यह स्वाभाविक है। अगर आपके पड़ोसी देशों के साथ मजबूत व्यापारिक व्यवस्थाएं नहीं हैं, तो आप वास्तव में नुकसान में हैं... अगर आप प्रतिस्पर्धी हैं, तो वे आपका सामान खरीदेंगे। चीन से निवेश पर प्रतिबंध हटाने पर उन्होंने सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि चीन, भारत के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

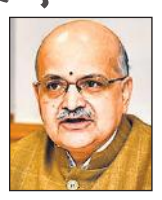

- सुब्रह्मण्यम बोले- चीन 18,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था, इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता
- जीएसटी 2.0 के बाद दिवाली से पहले सुधारों की एक और कड़ी की घोषणा किए जाने के दिए संकेत

आपको प्रतिस्पर्धा और बेचने में सक्षम होना चाहिए

नीति आयोग के सीईओ ने यहां 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' का शुभारंभ करने के बाद कहा कि एशिया पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। इससे कोई बच नहीं सकता। अगर आप चीन को ज्यादा कुछ नहीं बेच पा रहे हैं, तो क्या फायदा, क्योंकि यह 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है - आप उस अर्थव्यवस्था से बच नहीं सकते। आपको प्रतिस्पर्धा करने और बेचने में सक्षम होना चाहिए। अच्छे देशों का चीन के साथ व्यापार अधिशेष है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि जब दुनिया भर में कारखाने और नौकरियां स्थानांतरित हो रही थीं, तब भारत की जगह वियतनाम ने इस मौके का फायदा उठा लिया।

घरों की बिक्री में मामूली बढ़ोत्तरी, उच्चतम स्तर पर पहुंची आवास मांग : नाइट फ्रैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख आवास बाजारों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में एक प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। नाइट फ्रैंक इंडिया ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। साथ ही रियल एस्टेट परामर्शदाता फर्म ने कहा कि भले ही किसी प्रकार की सुस्ती के संकेत नहीं हैं, लेकिन आवासीय संपत्तियों की मांग अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचती हुई नजर आ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में 87,603 आवास इकाइयों की बिक्री हुई, जो गत वर्ष की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है। आवासीय ऋण की ब्याज दरों में गिरावट, मजबूत आर्थिक वृद्धि और बजट में दिए कर प्रोत्साहनों से बिक्री की रफ्तार बनी रही। 22 सितंबर से जीएसटी दरों में हुई कटौती

से उपभोक्ता धारणा में आए सुधार का असर देखने को मिलेगा। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि भारत का आवासीय बाजार पांचवें वर्ष वृद्धि के चक्र में है। हालांकि सालाना आधार पर वृद्धि दर सामान्य है और बाजार लंबे स्थिर चरण में प्रवेश कर सकता है। नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत की कटौती व आयकर एवं जीएसटी दोनों में किए सरलीकरण से उपभोक्ता धारणा को मजबूती मिली है।

सरकार फिर बढ़ा सकती है पीएम-कुसुम की समय-सीमा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार पीएम-कुसुम योजना की समयसीमा फिर बढ़ा सकती है क्योंकि इस पहल के दो प्रमुख घटक अपने लक्ष्य का 50 प्रतिशत भी हासिल नहीं कर पाए हैं। आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) 2019 में शुरू हुई थी। इसका लक्ष्य 2022 तक 30,800 मेगावाट की सौर क्षमता जोड़ना था। इसमें कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए सेवा शुल्क सहित 34,422 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल थी। केंद्र ने बाद में पीएम-कुसुम योजना को मार्च 2026 तक बढ़ा दिया क्योंकि वैश्विक महामारी से इसका कार्यान्वयन प्रभावित हुआ था। लक्ष्य को भी संशोधित कर 34,800 मेगावाट कर दिया था। सूत्र ने बताया कि तय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पीएम

- योजना के दोनों प्रमुख घटक लक्ष्य का 50 प्रतिशत भी नहीं कर सके हासिल

कुसुम के कार्यान्वयन की समय-सीमा को और बढ़ाने के आसार हैं। यह योजना का दूसरा विस्तार होगा। आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के किसी भी घटक ने 100% लक्ष्य हासिल नहीं किया है। यद्यपि योजना का घटक 'ख' (मार्च 2026 को समाप्त) नौ सितंबर तक लक्ष्य का 71% पूरा कर पाया है। घटक 'क' ने 6.5% की वृद्धि दर्ज की है। घटक 'ख'- व्यक्तिगत पंप का सौरीकरण (आईपीएस) एवं घटक 'ग'- फीडर स्तरीय सौरीकरण (एफएलएस) ने क्रमशः 16.5 प्रतिशत और 25.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, घटक 'क' छोटे सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करके 10,000 मेगावाट सौर क्षमता की स्थापना से जुड़ा है। घटक 'ख' 14 लाख ऑफ-ग्रिड एकल सौर ऊर्जा चालित कृषि पंपों की स्थापना और घटक 'ग' 35 लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के सौरीकरण से संबद्ध है। घटक 'क' के तहत 650.49 मेगावाट क्षमता स्थापित की गई है। दूसरी ओर घटक 'ख' के तहत 12.72 लाख से अधिक ऑफ-ग्रिड सौर पंप स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 9.03 लाख स्थापित किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय

सभी राज्य पैदल यात्रियों के लिए बनाएं नियम

उच्चतम न्यायालय ने छह महीने में सड़क सुरक्षा नियम बनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक स्थानों पर गैर-मोटर चालित वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही को विनियमित करके छह महीने के भीतर सड़क सुरक्षा नियम बनाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 138 (1ए) और 210डी के तहत ऐसे नियम बनाने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि वे सार्वजनिक स्थानों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर गैर-यांत्रिक वाहनों और पैदल यात्रियों की गतिविधियों और पहुंच को विनियमित करने के उद्देश्य से मोटर वाहन अधिनियम की धारा

138 (1ए) के तहत छह महीने के भीतर नियम बनाएं, यदि पहले से नहीं बनाए गए हैं। पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि वे राष्ट्रीय राजमार्गों के अलावा अन्य सड़कों के लिए मानकों के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के लिए अधिनियम की धारा 210डी के तहत छह महीने के भीतर नियम बनाएं और अधिसूचित करें, यदि पहले से नहीं बनाए गए हैं। यह निर्देश कोयंबटूर निवासी सर्जन एस राजसीकरन की याचिका पर आया, जिन्होंने भारत में बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रकाश डाला था। याचिका में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए समन्वित प्रयास करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया।

आरजी कर मामले की सुनवाई नवंबर तक टाली

उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई नवंबर तक के लिए टाल दी। कोलकाता की निचली अदालत ने इस मामले में 20 जनवरी को दोषी संजय रॉय को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई स्थगित कर दी, क्योंकि वह अन्य मामलों की सुनवाई में व्यस्त थी। कनिष्ठ और वरिष्ठ चिकित्सकों के संगठन के अधिवक्ता करुणा नंदी ने दलील दी कि प्रदर्शन में शामिल चिकित्सकों को पुलिस पूछताछ के लिए बुला रही है।

करूर भगदड़ की सीबीआई जांच पर 10 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 10 अक्टूबर को सुनवाई करेगा, जिसमें 27 सितंबर को करूर में अभिनेता और टीवीके संस्थापक विजय की रैली में हुई भगदड़ की सीबीआई जांच से इन्कार कर दिया था। रैली में भगदड़ से 41 लोगों की मौत और 60 लोग घायल हो गए थे। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने भाजपा नेता उमा आनंदन की अपील पर संज्ञान लिया। वकील ने पीठ को बताया, सीबीआई जांच वाली याचिका खारिज कर दी गई है जबकि एकल न्यायाधीश ने कहा है कि वह भगदड़ की जांच से संतुष्ट नहीं हैं।

न्यायिक अधिकारियों का मुद्दा संविधान पीठ भेजा

उच्चतम न्यायालय ने अधीनस्थ अदालतों के न्यायिक अधिकारियों के करियर में ठहराव से जुड़े मुद्दों को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को सौंप दिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने न्यायिक अधिकारियों की सेवा शर्तों, वेतनमान और करियर प्रगति से संबंधित मुद्दों पर अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका में प्रवेश स्तर के पदों पर शामिल होने वालों के लिए उपलब्ध सीमित पदोन्नति पर ध्यान देने के लिए व्यापक समाधान की जरूरत है। इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय द्वारा पहले जारी नोटिसों के जवाब में कई उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए थे।

देश ने घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ के सैन्य उपकरण खरीदे : राजनाथ

- बोले- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर ध्यान दे रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि देश ने 2024-25 के अंत तक घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ रुपये के सैन्य उपकरण व हथियार खरीदे हैं। उन्होंने बताया कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा है।

सिंह ने कहा कि सरकार युद्ध के बदलते स्वरूप खासतौर पर ड्रोन जैसे 'नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर' (दूरस्थ युद्ध तकनीक) के महत्व को समझती है और उसके अनुसार तैयारी कर रही है। इस संदर्भ में उन्होंने विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने

विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में शामिल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

के लिए भारत के अपने रक्षा उद्योगों को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2021-22 में घरेलू स्रोतों से हमारी पूंजीगत खरीद 74,000 करोड़ रुपये की थी, लेकिन 2024-25 के अंत तक यह बढ़कर 1,20,000 करोड़ रुपये हो गई है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि मानसिकता के परिवर्तन का भी प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने 10 वर्षों में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं। अब सैन्य हार्डवेयर की खरीद में घरेलू स्रोतों को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति से भली-भांति परिचित है। आज का युद्ध पूरी तरह प्रौद्योगिकी-आधारित हो चुका है।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक करोड़ मूल्य के सोने के बिस्किट जब्त

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने प. बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बांग्लादेश सीमा के पास से 1.09 करोड़ मूल्य के सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। बल ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, भारत-बांग्लादेश सीमा पर मुर्शिदाबाद जिले में चारभद्र अग्रिम सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की 146 बटालियन ने सोमवार रात सीमा के पास खेत में छिपाकर रखे आठ सोने के बिस्किट जब्त किए। सोने का वजन 832.550 ग्राम है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 1.09 करोड़ रुपये है। तलाशी के दौरान बीएसएफ को घास की ढेरी असामान्य रूप से रखी दिखाई दी और क्षेत्र को खोदा गया तो लाल कपड़े में लिपटे सोने के आठ बिस्किट मिले।

24,634 करोड़ के चार रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 24,634 करोड़ की चार मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों से गुजरने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 894 किमी की वृद्धि होगी।

इन परियोजनाओं में महाराष्ट्र के वर्धा से भुसावल के बीच 314 किमी की दूरी को कवर करने वाली तीसरी और चौथी लाइन हैं, महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन, गुजरात के वडोदरा और मध्य प्रदेश में रतलाम के बीच 259 किमी लंबी तीसरी और चौथी लाइन, और मध्य

- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति ने दी मंजूरी, मौजूदा नेटवर्क में 894 किमी की वृद्धि होगी

प्रदेश में इटारसी-भोपाल-बीना के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन शामिल हैं। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से 3,633 गांवों, जिनकी जनसंख्या 85.84 लाख है, तथा दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक रेल संपर्क में वृद्धि होगी।

टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा विधायक उरांव पर किया हमला

अलीपुरद्वार। भाजपा विधायक मनोज उरांव पर मंगलवार को अलीपुरद्वार में बाढ़ राहत सामग्री बांटते टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया। इससे एक दिन पहले ही जलपाईगुड़ी में भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं पर भीड़ ने हमला किया था।

इस घटना में घायल हुए उरांव ने दावा किया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं के समूह ने उन पर और उनके समर्थकों पर उस समय हमला किया, जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र कुमारग्राम में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के बीच राहत सामग्री बांट रहे थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उरांव ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों की मदद करते समय, मुझे अचानक घेर लिया गया और हमला किया गया। टीएमसी ने आरोपों से इन्कार किया और उन्हें निराधार बताया।

दो और बच्चों की गई जान, मृतकों की संख्या हुई 16

कफ सिरप से मौत

- किडनी में संक्रमण से पीड़ित दोनों बच्चों का नागपुर में चल रहा था इलाज

छिंदवाड़ा, एजेंसी

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 'दूषित' कफ सिरप पीने से गुर्दे (किडनी) में संक्रमण से पीड़ित दो और बच्चों की नागपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही जिले में अब तक कुल 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार छिंदवाड़ा के इन बच्चों की मौत किडनी के फेल होने से हुई है, जो विषाक्त कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से जुड़ी है। छिंदवाड़ा के अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र सिंह ने कहा कि अभी तक हमारे छिंदवाड़ा जिले में 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। दो वर्षीय मृतक बच्ची जयुषा यदुवंशी जिले के जुन्नारदेव की थी और एक हफ्ते से नागपुर के शासकीय चिकित्सालय में भर्ती थी। एडीएम ने बताया कि छिंदवाड़ा के छह बच्चों का नागपुर के कई अस्पतालों में इलाज जारी है और इनमें से पांच की हालत गंभीर है। सोमवार को तामिया ब्लॉक के भरियाढना गांव की ढाई साल की धानी डहेरिया की नागपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने बताया कि चिकित्सक द्वारा दिए कोल्ड्रिफ सिरप के सेवन के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई थी और उसकी किडनी फेल हो गई। डहेरिया का इलाज पहले परासिया में डॉक्टर प्रवीण सोनी के पास कराया गया था लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे नागपुर में भर्ती कराया गया।

मध्यप्रदेश सरकार पीड़ित बच्चों के इलाज का खर्च करेगी वहन

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार छिंदवाड़ा और बैतूल में कफ सिरप पीने से गुर्दे (किडनी) में संक्रमण से पीड़ित बच्चों के इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप से हुए किडनी संक्रमण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर के कई अस्पतालों में नौ बच्चों का इलाज चल रहा है, जिनमें से सात छिंदवाड़ा और दो बैतूल के हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को निर्देश दिया कि प्रशासन बच्चों के इलाज का खर्च वहन करे। नागपुर के अस्पतालों में कार्यपालक दंडाधिकारी और चिकित्सकों की संयुक्त टीम तैनात है। बच्चों के इलाज की उचित व्यवस्था को टीम प्रभावितों और अस्पतालों के साथ संपर्क में है।

पंजाब ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर लगाया प्रतिबंध

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने मध्य प्रदेश में मिलावटी दवा के सेवन से हुई बच्चों की मौत के मद्देनजर कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। पंजाब सरकार के खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि कार्यालय के संज्ञान में आया कि सरकारी विश्लेषक, औषध परीक्षण प्रयोगशाला और एफडीए, मध्य प्रदेश द्वारा कोल्ड्रिफ सिरप को मानक गुणवत्ता का नहीं घोषित किया गया है। दवा का बैच नंबर एसआर-13 है, जिसका निर्माण श्रीसन फार्मास्युटिकल, बैंगलोर हाईवे, सुंगुवरचत्रम (मथुरा), कांचीपुरम जिला, तमिलनाडु द्वारा किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका: भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या

ह्यूस्टन। टेक्सास के 23 वर्षीय युवक को फोर्ट वर्थ गैस स्टेशन पर शुक्रवार रात को एक भारतीय छात्र की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस घटना से स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय दहशत में है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने चंद्रशेखर पोल (28) को तब गोली मार दी जब वह अपनी पार्ट-टाइम ड्यूटी कर रहा था। इसके बाद संदिग्ध घटनास्थल से फरार हो गया लेकिन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। संदिग्ध की पहचान नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के रिचर्ड फ्लोरेज के रूप में हुई है। गोलीबारी के बाद फ्लोरेज ने लगभग एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोली चलाई।

सूडान : आरएसएफ के हमले में 13 लोग मारे गए

खार्तूम। पश्चिमी सूडान में उत्तरी दारफुर की राजधानी एल फशर में सोमवार को अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा आवासीय इलाकों को निशाना बनाकर की गई गोलाबारी में कम से कम 13 नागरिक मारे गए और 19 घायल हो गए। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में कहा कि हताहतों में सात बच्चे और एक गर्भवती महिला शामिल हैं और प्रभावित इलाकों में और भी शव और घायल लोग फंसे हुए हैं, जिनकी सही संख्या अज्ञात है। इसने हमले को एक पूर्ण युद्ध अपराध बताया। एल फशर के सऊदी अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि अस्पताल में 12 शव और 20 घायल व्यक्ति आए।

सिख श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता सुरक्षा का दावा

लाहौर। पाकिस्तान ने अगले महीने गुरु नानक देव का 556वां प्रकाश पर्व मनाने के लिए आने वाले सिख तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के वास्ते पुख्ता इंतजाम किए हैं। पाकिस्तान के पंजाब सूबे की सरकार के गृहविभाग में मंगलवार को पर्व की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक हुई। ईटीपीबी के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने बताया, बैठक में बताया गया कि यात्रियों के लिए पूर्ण सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाएं, परिवहन और गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित किए जाएंगे।

पाकिस्तान : विस्फोट से जाफर एक्सप्रेस बेपटरी

पेशावर। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी सिंध प्रांत में मंगलवार को रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट के कारण पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे उसमें मौजूद तमाम यात्री घायल हो गए। घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। ट्रेन पर इस साल कई बार हमले हो चुके हैं। यह विस्फोट सिंध के शिकारपुर जिले में सुल्तान कोट से सटे सोमरवाह के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की टुकड़ियों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है।

नेपाल: पूर्व पीएम ओली और गृहमंत्री लेखक पर प्राथमिकी

काठमांडू, एजेंसी

● प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों पर जवाबदेही तय करने की मांग

नेपाल में युवाओं के नेतृत्व वाले जेन जी समूह ने अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पिछले महीने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए उनकी आपराधिक जवाबदेही तय करने की मांग की है।

काठमांडू जिला पुलिस सर्कल के प्रवक्ता व पुलिस अधीक्षक पवन भट्टराई ने पुष्टि की कि ओली और लेखक के खिलाफ काठमांडू जिला पुलिस कार्यालय भद्रकाली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक जांच आयोग पहले ही गठित किया जा चुका है, इसलिए पुलिस ने यह प्राथमिकी न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले उच्चस्तरीय न्यायिक जांच आयोग को भेज दी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने कहा, ओली और लेखक की जवाबदेही तय होगी और आठ व नौ सितंबर को किए गए अपराध की जांच का रास्ता साफ होगा। उल्लेखनीय है कि आठ और नौ सितंबर को जेन जी समूहों के आंदोलन के दौरान 76 लोगों की मौत हुई थी।

उद्देश्य पूरे करने में लगातार विफल
सरकारी विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रावास में शराब की बोतलें मिलने की घटना पर सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताना संकेत है कि सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में किस कदर गिरावट आ रही है। दरअसल, किसी सरकारी विश्वविद्यालय में यह अपनी तरह की की एक घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में आई रिपोर्टों, सरकारी जांचों और मीडिया कवरेज पर गौर किया जाए तो साफ पता चलता है कि देश भर के शिक्षण संस्थानों में अनुशासनात्मक और प्रशासनात्मक व्यवस्था गंभीर रूप से क्षीण हो चुकी है। नतीजा यह है कि देश के ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की पूर्ति कर पाने में नाकाम हो चुके हैं और वैश्विक स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा के दौर में उनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल करना न पूरा हो पाने वाला सपना बन चुकी है। राजनीतिक दखलंदाजी ने हालात और खराब किए हैं। इन विश्वविद्यालयों को जरूरत के मुताबिक वित्तीय निवेश भी नहीं मिल पा रहा है।

सबसे गंभीर चुनौतियां

- यूजीसी की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 60% से अधिक सरकारी विश्वविद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं के लिए पर्याप्त धन की कमी है। इससे शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।
- वित्तीय स्थिति खराब होने के कारण ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालयों में प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, छात्रावास और डिजिटल संसाधनों की कमी है या वे काफी पुरानी अवस्था में हैं।
- अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों में 30 से 40% तक फैकल्टी पद रिक्त हैं। यूजीसी के अनुसार दिल्ली, पटना और राजस्थान विश्वविद्यालय जैसे बड़े संस्थानों में सैकड़ों पद खाली पड़े हैं।
- शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 40% विश्वविद्यालय भवन खस्ताहाल पाए गए। कुछ जगह पुस्तकालयों में 10 साल पुराने पाठ्यक्रम की किताबें प्रमुख रूप से मौजूद थीं।

शोध-नवाचार में पिछड़ापन

- अपर्याप्त फंडिंग, शोध के लिए प्रोत्साहन की कमी और पेपर प्रकाशन में नौकरशाही की अड़चनों के कारण भारत के सरकारी विश्वविद्यालय वैश्विक रैंकिंग में लगातार पीछे हैं।
- क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में केवल कुछ आईआईटी और आईआईएससी ही शीर्ष 500 में जगह पा सके हैं, जबकि पारंपरिक राज्य विश्वविद्यालय लगभग अनुपस्थित हैं।

अनियमितताओं की शृंखला

- सीएजी की 2023 में आई रिपोर्ट से कई विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनियमितताएं और बजट का गलत उपयोग सामने आया।
- यूजीसी की एक निरीक्षण रिपोर्ट में पाया गया कि कई संस्थानों में नियुक्तियां बिना पारदर्शिता हुई, मानकों का पालन नहीं हुआ।
- कुछ विश्वविद्यालयों में प्रबंधन समितियों के बैठक रिकॉर्ड अधूरे या गायब पाए गए। आरटीआई के जवाबों में भी अनिमितताएं।
- यूजीसी के अनुसार 2024 में 30% सरकारी विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रम पांच साल से अधिक समय से अपडेट नहीं

व्यवहारिक शिक्षा का अभाव

- कौशल आधारित शिक्षा और रोजगारपरक कोर्स की कमी के कारण सरकारी विश्वविद्यालयों के स्नातक नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाते। सामान्य शिक्षा भी गुणवत्ताहीन।
- एआईसीटीई व नीति आयोग की ओर से वर्ष 2023 में जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी विश्वविद्यालयों से निकलने वाले 60% छात्र स्किल्स में भी औसत उससे से कमतर हैं।

राजनीतिक हस्तक्षेप

- कई विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति और निर्णय प्रक्रिया में राजनीतिक प्रभाव बढ़ा है।
- इससे शैक्षणिक स्वतंत्रता के साथ विश्वविद्यालयों के नीतिगत निर्णयों पर गंभीर असर पड़ा है।

अपनों पर बम गिराता है पाकिस्तान नरसंहार-बलात्कार भी उसे मंजूर

जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पड़ोसी देश को दिया तीखा जवाब

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए भारत ने सोमवार को उसे अपने ही लोगों पर बम बरसाने वाला और संगठित नरसंहार करने वाला देश बताया। भारत की यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने अपने बयान में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए कहा, 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' एजेंडे से कश्मीरी महिलाओं को बाहर रखना इसकी वैधता और सार्वभौमिकता को कमजोर करता है।

'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर आयोजित बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान ने 1971 में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया था और अपनी ही सेना द्वारा चार लाख महिलाओं के संगठित जनसंहार और बलात्कार की मुहिम को मंजूरी दी थी। हरीश ने कहा, हर साल हमें दुर्भाग्य से पाकिस्तान के मेरे देश के खिलाफ भ्रमित करने वाले भाषण सुनने पड़ते हैं, खासकर जम्मू कश्मीर को लेकर, जिस पर उसकी बुरी नजर है। उन्होंने कहा, जो देश अपने ही नागरिकों पर बम बरसाता है और संगठित नरसंहार करता है, वह केवल दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर सकता है। दुनिया अब पाकिस्तान के दुष्प्रचार को भली-भांति समझ चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने रखा भारत का पक्ष।

भारत की सतत भूमिका का भी किया जिक्र

भारतीय राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बताया कि फरवरी 2025 में भारत ने 'ग्लोबल साउथ' की महिला शांति सैनिकों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की थी, जिसमें 35 देशों की महिला शांति रक्षकों ने भाग लिया था। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

गुतारेस ने शांति वार्ताओं में महिलाओं की अनुपस्थिति पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस बात पर चिंता जताई कि महिलाएं अक्सर शांति वार्ताओं से अनुपस्थित रही हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है जब शांति प्रयासों में महिलाओं की समान भागीदारी वाले संयुक्त राष्ट्र के ऐतिहासिक प्रस्ताव को जारी हुए 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला एजेंसी की प्रमुख ने भी चिंता जताई कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि 67.6 करोड़ महिलाएं घातक संघर्षों के 50 किलोमीटर के दायरे में रह रही हैं। यह संख्या 1990 के दशक के बाद से सबसे अधिक है। यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, पूरी दुनिया में हम सैन्य खर्च में परेशान करने वाले रुझान, अधिक सशस्त्र संघर्ष और महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ और भी अधिक चौंकाने वाली क्रूरता देख रहे हैं। गुतारेस ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2000 को इस प्रस्ताव को अपनाने के बाद सिर्फ नाममात्र की प्रगति हुई है।

गौरतलब है कि 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' नाम से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में नागरिकों का निर्मम दमन शुरू किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और अत्याचार किए गए थे। हरीश ने रूस की अध्यक्षता वाली इस बैठक में कहा कि भारत का 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' एजेंडा पर रिकॉर्ड निर्मल और बेदाग है। पाकिस्तान के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा कि भारत इस एजेंडा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता रखता है और खास तौर पर 'ग्लोबल साउथ' के देशों के साथ अपने अनुभव साझा करने और सामूहिक समाधान विकसित करने को तत्पर है।

उन्होंने कहा कि भारत की संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में निरंतर भूमिका उसकी वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बताया, 1960 के दशक में ही भारत ने कांगो में महिला चिकित्सकों को तैनात किया, जो संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की शुरुआती भागीदारी में से एक थी। यह मात्र प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि यह स्वीकार्यता थी कि शांति स्थापना में महिलाओं की दृष्टि और कौशल आवश्यक हैं।

अमेरिकी निर्वासन प्रक्रिया अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) के प्रमुख ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की निर्वासन प्रक्रियाएं अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करती हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कुछ देशों में प्रवासियों और शरणार्थियों के खिलाफ बढ़ते विरोध की भी आलोचना की। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थियों के लिए उच्चायुक्त फिलिपो ग्रैंडी ने दुख जताते हुए कहा कि भारी धन कटौती के चलते यूएनएचसीआर को इस साल 5,000 नौकरियां यानी अपने कार्यबल के एक चौथाई हिस्से में कटौती करनी पड़ी है। संभव है कि यह कटौती आगे जारी रहे। ग्रैंडी ने यूएनएचसीआर की कार्यकारी समिति के उद्घाटन के मौके पर कहा, यह साल हम में से किसी के लिए आसान नहीं रहा है लेकिन याद रखें शरणार्थी के लिए कभी कोई साल आसान नहीं होता।

बगराम एयरबेस अमेरिका को सौंपने के भारत भी खिलाफ

नई दिल्ली, एजेंसी

● अफगानिस्तान में विदेशी सैन्य ढांचे का विरोध करने वाले 11 देशों में हुआ शामिल

अफगानिस्तान में विदेशी सैन्य बुनियादी ढांचे की तैनाती के प्रयासों के विरोध में उतरे रूस, चीन और सात अन्य देशों को मंगलवार को भारत का भी साथ मिला। यह विरोध अफगानिस्तान के सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बगराम एयरबेस को सौंपने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तालिबान शासन पर दबाव बनाये जाने की पृष्ठभूमि में किया गया है।

'मॉस्को फॉर्मेट' वार्ता के नए संस्करण में, देशों के समूह ने अफगानिस्तान में समृद्धि और विकास लाने के तौरतरीकों पर व्यापक विचार-विमर्श किया। इन देशों ने अफगानिस्तान और पड़ोसी देशों में सैन्य बुनियादी ढांचे तैनात करने के कुछ देशों के प्रयासों को अस्वीकार्य बताया, क्योंकि यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के हितों की पूर्ति नहीं करता है। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने पहली बार 'मॉस्को फॉर्मेट' वार्ता में भाग लिया।

कुछ हफ्ते पहले, ट्रंप ने कहा था कि तालिबान को बगराम एयरबेस अमेरिका को सौंप देना चाहिए, क्योंकि इसे वाशिंगटन ने स्थापित किया था। मॉस्को में हुई बातचीत में भाग लेने वाले देशों ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों स्तरों पर आतंकवादरोधी सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया। बयान में कहा गया, उन्होंने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान को आतंकवाद को खत्म करने और इसे जल्द से जल्द जड़ से मिटाने के लिए ठोस कदम उठाने में मदद दी जानी चाहिए, ताकि काबूल की धरती का इस्तेमाल पड़ोसी देशों और अन्य जगहों की सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में न हो।

गाजा युद्धविराम : हमास ने ट्रंप की कुछ शर्तें मानीं

काहिरा। इजराइल और हमास के बीच शांति वार्ता मंगलवार को मिस्र के एक रिसॉर्ट शहर में फिर शुरू हो रही है। लाल सागर के शर्म अल शेख रिसॉर्ट में अप्रत्यक्ष वार्ता का दूसरा दिन पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित योजना पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य गाजा में युद्ध को समाप्त करना है।

सोमवार को कई घंटों की बातचीत के बाद मिस्र के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष पहले चरण की ज्यादातर शर्तों पर सहमत हो गए हैं, जिनमें बंधकों की रिहाई और युद्धविराम शामिल है। इस योजना को व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। हालांकि, कई अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, जिनमें हमास के निरस्त्रीकरण की मांग और गाजा के भविष्य के शासन की मांग शामिल है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से कह रहे हैं कि हमास को आत्मसमर्पण और निरस्त्रीकरण करना होगा, लेकिन हमास ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है कि वह ऐसा करने को तैयार होगा या नहीं।

योजना में हमास के निरस्त्रीकरण के बाद इजराइल द्वारा गाजा से अपने सैनिकों को वापस बुलाए जाने और एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की स्थापना की परिकल्पना की गई है। इसके बाद, इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय शासन के अधीन कर दिया जाएगा, जिसकी देखरेख ट्रंप और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे।

● हमास के निरस्त्रीकरण और गाजा पर भविष्य के शासन को लेकर अभी अनिश्चतता

टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण, इससे हम अरबों डॉलर कमाते हैं और शांतिदूत भी बन गए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर किया भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ के इस्तेमाल को युद्ध रोकने का कारगर उपाय बताते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान के हालिया संघर्ष समाप्त कराने के अपने दावे को दोहराया। ट्रंप ने कहा, अमेरिका के लिए टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे हम न सिर्फ अरबों डॉलर कमाते हैं, बल्कि इसी की वजह से शांतिदूत भी बन गए हैं।

ट्रंप ने कहा कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का इस्तेमाल न किया होता तो चार युद्ध अब भी जारी रहते। कहा, भारत और पाकिस्तान को देखें तो वे युद्ध के लिए तैयार थे। सात विमान मार गिराए गए थे। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं बताना चाहता कि मैंने क्या कहा, लेकिन मैंने जो कहा वह बहुत प्रभावी था। उन्होंने संघर्ष रोक दिया और यह टैरिफ की वजह से हुआ था। इसका आधार व्यापार था। भारत ने इस मामले में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की बात से इन्कार किया है।

जर्मनी: नवनिर्वाचित मेयर पर चाकू से हमला, हालत गंभीर

बर्लिन। पश्चिमी जर्मनी के एक नगर की नवनिर्वाचित मेयर मंगलवार को अपने घर में खून से लथपथ गंभीर अवस्था में पाई गयीं। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि मेयर एक वीभत्स घटना का शिकार हुई हैं।

आइरिस स्टाल्जर 28 सितंबर को हर्डेक की मेयर चुनी गई थीं। आइरिस वामपंथी मध्यमार्गी 'सोशल डेमोक्रेट्स' पार्टी की सदस्य हैं, जो जर्मनी की कंजरवेटिव नीत सरकार की सहयोगी पार्टी है। पुलिस ने बताया कि आइरिस मंगलवार दोपहर करीब एक बजे अपने घर पर खून से लथपथ हालत में मिलीं, उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने हालांकि जख्मों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। बर्लिन में सोशल डेमोक्रेट्स संसदीय समूह के नेता मैथियास मिरश ने बताया, नवनिर्वाचित मेयर आइरिस पर हर्डेक में चाकू से हमला किया गया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर से कल मुंबई में मिलेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

● आज पहुंचेंगे स्टार्मर, रणनीतिक साझेदारी पर दोनों में होगी चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय मुंबई यात्रा के दौरान अपने ब्रिटिश समकक्ष केअर स्टार्मर से मिलेंगे। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेता भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विविध पहलुओं और व्यापार एवं निवेश के प्रमुख आधार स्तंभों में की गई पहलों में प्रगति का जायजा लेंगे।

बुधवार से शुरू हो रही अपनी यात्रा के दौरान मोदी मुंबई में विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। स्टार्मर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद बुधवार को अपनी पहली भारत यात्रा शुरू कर रहे हैं। दोनों नेता बृहस्पतिवार को भविष्य की भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी के एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों एवं उद्योग जगत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।

मोदी और स्टार्मर क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। दोनों नेता उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के साथ भी बातचीत करेंगे। बृहस्पतिवार को दोनों नेता 'जियो वर्ल्ड सेंटर' में 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' (जीएफएफ) के छठे संस्करण में भी हिस्सा लेंगे और इस अवसर पर लोगों को संबोधित करेंगे।

उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ने की आशा

लंदन। ब्रिटेन के एआई और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री कनिष्क नारायण ने कहा कि प्रधानमंत्री स्टार्मर की भारत यात्रा से एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे साझा हितों के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। मंत्री नारायण ने कहा कि तकनीक के साथ अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन सहयोग के लिए एक असाधारण नींव पहले ही रखी जा चुकी है। नारायण को हाल में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रभार सौंपा गया है। प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री दो दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 05.53 तक तत्पश्चात द्वितीया 9 अक्टूबर 02.22 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

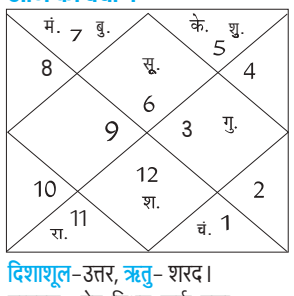

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्विनी 22.44 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष — आज नई नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। समाज में आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। व्यवसाय में विस्तार होने से मन अत्यन्त उत्साहित रहेगा। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृष — आज प्रियजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है। किसी बहुप्रतीक्षित कार्य में विलंब हो सकता है। प्रेम-संबंधों में मर्यादा का ध्यान करें। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। शुगर के रोगी अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें।

मिथुन — आज किसी बड़ी पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। व्यापार में सहयोगियों के माध्यम से धन लाभ प्राप्त होगा। नए राजनीतिक संपर्क विकसित हो सकते हैं। पति-पत्नी के बीच आपसी सामंजस्य बढ़ेगा।

कर्क — आज धन के कारण फंसे हुए मामलों का निराकरण हो सकता है। व्यापार में पहले के गई मेहनत का परिणाम प्राप्त होगा। अपनी कार्यप्रणाली में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्षेत्र में रणनीति बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी।

सिंह — आज अनुभवी व्यक्तियों की सलाह आपके काफी काम आएगी। लेन-देन के मामलों के लिए दिन शुभ है। नई परियोजनाओं को लेकर उत्साहित रहेंगे। किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं। बुरे व्यसनों से दूर रहें। परिवार के लोगों का सहयोग नहीं मिलेगा।

कन्या — आज किसी रिश्तेदार से शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। पुराने मुद्दों के दोबारा उभरने से अशांति हो सकती है। आपका मन आनंदित रहेगा। कारोबारियों को मशीनरी आदि को लेकर समस्या होगी। शेयर बाजार में निवेश से लाभ मिलेगा।

तुला — आज समाज में आपको लोग काफी अच्छी दृष्टि से देखेंगे। दांपत्य जीवन अत्यंत संतुलित रहेगा। परिजन आपके व्यवहार से अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। करियर में आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामले सुलझ सकते हैं।

वृश्चिक — आज नौकरी के लिए इंटरव्यू देने वालों को सफलता मिल सकती है। मन की शंकाएं दूर होंगी। लोग आपके सभ्य व्यवहार से आकर्षित होंगे। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि होगी। सभी कार्य पूरी एकाग्रता से करेंगे।

धनु — आज व्यावसायिक दृष्टिकोण से समय शुभ है। पुराने निवेश से धन लाभ होगा। किसी रिश्तेदार की सहायता से बड़ा काम हो सकता है। वैवाहिक जीवन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा आ सकती है। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे।

मकर — आज करियर में उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। मनोरंजन और कला आदि में अत्यधिक रुचि लेंगे। आपके काम की लोग प्रशंसा करेंगे। अनुचित कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा।

कुंभ — आज विदेशी भूमि से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचें। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। जिस अवसर को काफी समय से ढूंढ रहे थे, वह आपको प्राप्त हो सकता है। अपने स्वभाव में सौम्यता का भाव रखें।

मीन — आज नई संपत्ति पर निवेश कर सकते हैं। अल्प प्रयासों से आपके कार्य सफल हो जाएंगे। छोटे बच्चों की शिक्षा को लेकर योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रयोग कर पाएंगे। फाइनेंस को लेकर समस्या दूर होगी।

सुडोकू-123

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				8		2	5	
	5			1			4	
6			5					
		2		6		9		
	1					8	6	
8		9		2		4		
			3		9			6
	3			7			8	
		4		5				

सुडोकू - 122 का हल

9	4	8	6	5	3	2	7	1
7	1	3	4	2	9	8	6	5
6	2	5	1	8	7	4	3	9
1	3	7	2	6	4	9	5	8
4	8	6	9	7	5	1	2	3
2	5	9	3	1	8	6	4	7
5	7	2	8	4	1	3	9	6
8	9	4	7	3	6	5	1	2
3	6	1	5	9	2	7	8	4

हम खेल मंत्री मनसुख मांडविया के समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं। उनका प्रोत्साहन हमारे लिए भारत भर में गोल्फ को और अधिक सुलभ और लोकप्रिय बनाने के हमारे मिशन को जारी रखने के लिए एक जबरदस्त प्रेरणा है।

-युवराज सिंह

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 8 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दूसरे टेस्ट में मिल सकती है बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच

नई दिल्ली : दिल्ली में 10 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच की पिच पर कुछ हिस्सों में घास होगी और कुछ हिस्सों में सपाट सतह होगी, जबकि पहले टेस्ट मैच की अहमदाबाद की पिच पर घास की समतल परत थी। दिल्ली की पिच काली मिट्टी की होगी और बल्लेबाजों के अनुकूल होगी, तथा सतह धीरे-धीरे सूखने के कारण स्पिन की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। 2019 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने के बाद से भारत की सबसे हरी पिचों में से एक पर पहले टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने के बाद वेस्टइंडीज तीन दिन के अंदर ही हार गया। लाल मिट्टी वाली पिच पर चार मिलीमीटर तक घास बिछी होने और अच्छी उछाल के साथ, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज 44.1 ओवर में ऑल आउट हो गया।

गंभीर की टीम में हार की कोई जगह नहीं : वरुण

मुंबई : स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में ऐसी मानसिकता भरी है जिसमें हार और औसत दर्जे के प्रदर्शन के लिए कोई जगह नहीं बचती। कोलकाता नाइट राइडर्स टीम में भी गंभीर के साथ काम कर चुके चक्रवर्ती ने मंगलवार को सीएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार से इतर पत्रकारों से कहा मैं उनके साथ आईपीएल में काम कर चुका हूं और हम 2024 में जीते थे। मेरे लिये कुछ नया नहीं है क्योंकि मैं उनके साथ काम कर चुका हूं। मैं उनके बारे में यह कह सकता हूं कि वह टीम को इस तरीके से तैयार करते हैं जिसमें हारने का विकल्प नहीं होता।

ओसाका ने लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन) : नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं, तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया।

अजय वल्लूरी 16वें स्थान पर रहे

फोर्ड (नॉर्वे) : राष्ट्रमंडल चैंपियन भारोत्तोलक अजय बाबू वल्लूरी यहां विश्व चैंपियनशिप में पुरुष 79 किग्रा वर्ग में 16वें स्थान पर रहे। जिससे मीराबाई चानू के 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक के बाद भारतीय खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। बीस साल के अजय ने कुल 323 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 177 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाया और सोमवार को 39 प्रतिभागियों के बीच 16वां स्थान हासिल किया। उन्होंने अगस्त में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में उठाए कुल 335 किग्रा (152 किग्रा और 183 किग्रा) वजन से 12 किग्रा वजन कम उठाया। उन्होंने अहमदाबाद में जीत की बदौलत अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई किया था।

बैडमिंटन में भारत ने श्रीलंका को हराया

गुवाहाटी : भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां सुहानदिनाता कप के लिए बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा के ग्रुप एच में श्रीलंका को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ाए। ग्रुप एच में शीर्ष पर रहने के प्रबल दावेदार और दूसरे वरीय भारत ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए श्रीलंका को 45-27, 45-21 से हराया। श्रीलंका ने सोमवार को करीबी मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात को शिकस्त दी थी। अन्य शीर्ष देशों में चीन और दक्षिण कोरिया ने अपने-अपने ग्रुप में दूसरी जीत दर्ज की जबकि फिलिपीन्स ने हांगकांग को 42-45, 45-28, 45-43 से हराकर उलटफेर किया।

इंग्लैंड ने बांग्लादेश को चार विकेट से हराया

महिला विश्व कप क्रिकेट : हीथर नाइट ने 79 रनों की खेली शानदार पारी, एक्लेस्टोन ने चटकाए तीन विकेट

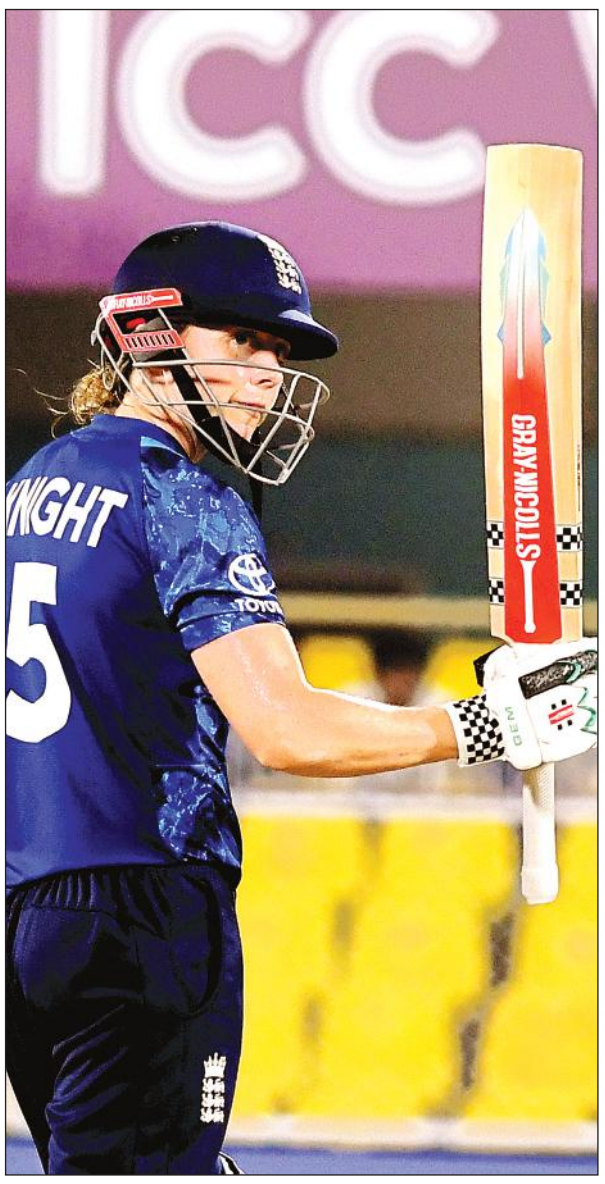

इंग्लैंड की हीथर नाइट ने जुझारू पारी खेलते हुए टीम को जितवाया। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

सोफी एक्लेस्टोन की अगुवाई में स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने अपने अपार अनुभव का इस्तेमाल करके शानदार अर्धशतक लगाते हुए इंग्लैंड को बांग्लादेश के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के मैच में मंगलवार को चार विकेट से जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करने वाली बांग्लादेशी टीम 178 रन पर आउट हो गई। इसके बाद लेग स्पिनर फाहिमा खातून (दस ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर (पांच ओवर में 28 रन देकर दो विकेट) ने किला लड़ाने की कोशिश की और एक समय 23वें ओवर में इंग्लैंड के पांच विकेट 78 रन पर गिर गए थे। नाइट ने हालांकि बांग्लादेश के उलटफेर के मंसूबों पर पानी फेरते हुए जबर्दस्त पारी खेली। मार्च में कप्तानी छोड़ने वाली नाइट 111 गेंद में 79 रन बनाकर नाबाद रही। वहीं चार्ली डी ने 56 गेंद में 27 रन की नाबाद पारी खेली। डीन और नाइट ने सातवें विकेट के लिये 79 रन जोड़कर 23 गेंद बाकी रहते टीम को जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड के लिये एक्लेसटन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर तीन विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये शोभना मोस्तारी ने 108 गेंद में 60 और राबिया खान ने 27 गेंद में 43 रन बनाये। इंग्लैंड की शुरूआत खराब रही और एमी जोंस (एक) पहले ही ओवर में मारूफा अख्तर की गेंद पर पगबाधा आउट हो गई। बांग्लादेश को अगले ओवर में दूसरा विकेट भी मिल जाता लेकिन स्पिनर नाहिदा अख्तर की गेंद पर मारूफा ने टैमी ब्यूमोंट का कैच टपकाया। ब्यूमोंट हालांकि इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सकी और मारूफा ने उन्हें 13 के स्कोर पर पगबाधा आउट किया। नाइट को भी मैदानी अंपायर ने मारूफा की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट करार दिया था लेकिन रिव्यू के बाद फैसला बदल गया।

लेग स्पिनर फाहिमा खातून ने 19वें ओवर में कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट (41 गेंद में 32 रन) और एम्मा लैंब को आउट करके इंग्लैंड को दोहरे झटके दिये लेकिन नाइट ने टीम को जीत तक पहुंचाकर ही दम लिया। इससे पहले इंग्लैंड के गेंदबाजों में आफ स्पिनर चार्लोट डीन ने दस ओवर में 28 रन देकर दो और एलिस कैपसी ने आठ ओवर में 31 रन देकर दो विकेट चटकाये। टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान को हराने वाली बांग्लादेश टीम की शुरूआत अच्छी रही और लॉरेन बेल के ओवर में शरमीन अख्तर ने 14 रन बनाये।

बायें हाथ की स्पिनर लिंसे स्मिथ ने हालांकि शरमीन और रूबिया हैदर को खुलकर खेलने नहीं दिया। स्मिथ ने एक छोर से अच्छी गेंदबाजी जारी रखी। बेल ने तीसरे ओवर में हैदर को आउट करके बांग्लादेश को पहला झटका दिया। हैदर ने हवा में शॉट खेल दिया और सोफिया डंकली ने शानदार कैच लपका।

बांग्लादेश को सस्ते में आउट करने के बाद जश्न मनातीं इंग्लैंड की खिलाड़ी। एजेंसी

बांग्लादेश

178/10 (49.4 ओवर)

रूबिया हैदर का डंकली बो बेल	04
शरमीन का जोंस बो एक्सेलेटन	30
निगार सुल्ताना का डीन बो स्मिथ	00
मोस्तारी पगबाधा बो कैपसी	60
शोरना अख्तर का जोंस बो डीन	10
रितु मोनी का स्मिथ बो डीन	05
फाहिमा खातून बो एक्सेलेटन	07
नाहिदा का डीन बो एक्सेलेटन	01
राबिया खान नाबाद	43
मारूफा का बेल बो कैपसी	00
शंजीदा का स्किवेर ब्रंट बो स्मिथ	01

गेंदबाजी : बेल 7-1-28-1, स्मिथ 9.4-1-33-2, नेट स्किवेर ब्रंट 5-0-32-0, एक्लेस्टोन 10-3-24-3, डीन 10-2-28-2, कैपसी 8-1-31-2

इंग्लैंड

182/6 (46.1 ओवर)

टैमी ब्यूमोंट पगबाधा बो मारूफा	13
एमी जोंस पगबाधा बो मारूफा	13
हीथर नाइट नाबाद	79
स्किवेर का फरजाना बो फाहिमा	32
सोफिया पगबाधा बो फाहिमा	00
एम्मा लैंब का नाहिदा बो फाहिमा	01
एलिस पगबाधा बो संजीदा	20
चार्ली डीन नाबाद	27

गेंदबाजी : मारूफा 5-0-28-2, नाहिदा 8-1-34-0, संजीदा 7-0-24-1, राबिया 7-1-39-0, फाहिमा 10-2-16-3, शोरना 7-0-33-0, रितु 2-1-3-0, शोभना 0.1-0-4-0

मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई : मौजूदा महिला एकदिवसीय विश्व कप के दो मैच में कमजोर प्रदर्शन के बावजूद भारत की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं, लेकिन उनकी बढ़त कम हो गई है। स्मृति के 791 रेटिंग अंक हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किवर ब्रंट से 60 अंक आगे हैं। विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन महिला एकदिवसीय मैच की शृंखला में लगातार दो शतक जड़ने वाली स्मृति श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ आठ जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 23 रन ही बना सकीं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 713 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (706) और ऑस्ट्रेलिया की एश्लेग गार्डनर (697) न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ने के बाद आईसीसी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। ताजमिन को दो जबकि गार्डनर को सात स्थान का फायदा हुआ है और ये दोनों अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी सात स्थान के फायदे से आठवें पायदान पर हैं जबकि शनिवार को कोलंबो में भारत के खिलाफ 81 रन की पारी खेलने वाली पाकिस्तान की सिदरा अमीन ने 10वीं रैंकिंग हासिल की।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला के लिए स्टार्क की वापसी

मेलबर्न, एजेंसी

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की 19 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैच की घरेलू शृंखला के लिए 15 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जबकि कमर की चोट से उबर रहे पैट कमिंस की अनुपस्थिति में मिचेल मार्श टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। पिछले महीने टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास लेने वाले स्टार्क वेस्टइंडीज के टेस्ट दौरे से लौटने के बाद अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय शृंखला से बाहर रहे थे। एशेज से पहले उनके काम के बोझ को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जा रहा है। उन्होंने पिछला एकदिवसीय मैच नवंबर 2024 में एडीलेड में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-2 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में शामिल किए गए चार खिलाड़ियों में से स्टार्क एक हैं। इसके अलावा पदार्पण का इंतजार कर रहे बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट और मिच ओवेन को भी टीम में जगह मिली है। शॉर्ट पिछली शृंखला में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पाए थे और ओवेन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय चरण के दौरान कन्कशन (सिर में चोट लगने के कारण बेहोशी जैसी स्थिति) का शिकार हो गए थे। कमिंस की अनुपस्थिति में मार्श एकदिवसीय टीम की कप्तानी जारी रखेंगे जो एशेज की तैयारी के लिए कमर की हड्डी में खिंचाव से उबर रहे हैं। चयनकर्ताओं ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के इरादे से शुरुआती दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए मार्श की अगुवाई में 14 सदस्यीय टीम का भी चयन किया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम

एकदिवसीय : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जंपा।

टी-20 (शुरुआती दो मैच) : मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जंपा।

मुकाबले

- पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 23 अक्टूबर (एडीलेड) और 25 अक्टूबर (सिडनी) को होगा। टी-20 शृंखला के पांच मैच 29 अक्टूबर (कैनबरा), 31 अक्टूबर (मेलबर्न), दो नवंबर (होबार्ट), छह नवंबर (गोल्ड कोस्ट) और आठ नवंबर (ब्रिस्बेन) को खेले जाएंगे।

तीन भारतीय सितंबर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित

दुबई : भारत के करिश्माई खिलाड़ी अभिषेक शर्मा, कुलदीप यादव (पुरुष वर्ग में) और स्मृति मंधाना (महिला वर्ग में) को सितंबर महीने के लिए आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। बाएं हाथ के टी-20 विशेषज्ञ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यूएई में खेले गए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात टी20 मैच में तीन अर्धशतक की मदद से 314 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा और उन्हें इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इस 25 साल के बल्लेबाज ने पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सर्वाधिक रेटिंग 931 अंक (बल्लेबाजी) भी हासिल की। कलाई के वामहस्त स्पिनर कुलदीप ने भी इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट चटकाये। एशिया कप में उन्होंने अपना अभियान यूएई के खिलाफ सात रन पर चार विकेट के साथ शुरू किया जबकि फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 30 रन पर चार विकेट लेकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

जीत की खुशी

चीन में शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल मैच में कनाडा के गेब्रियल डायलो को हराने के बाद जश्न मनाते बेल्जियम के जिजोउ बग्र्स। एजेंसी

आनंद-कास्परोव में 30 साल बाद फिर मुकाबला

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव 30 साल बाद अपनी प्रतिद्वंद्विता को फिर जीवंत करेंगे, जब वे बुधवार से यहां क्लच शतरंज: द लीजेंड्स टूर्नामेंटमें आमने-सामने होंगे।

इस 12 बाजी वाले शतरंज मुकाबले की कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर होगी और इसका आयोजन नवीनीकृत सेंट लुई शतरंज क्लब में किया जाएगा। वर्ष 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद खेल के ये दो दिग्गज रैपिड एवं ब्लिट्ज प्रारूप में एक बार फिर आमने-सामने होंगे जिसे हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज का नाम दिया गया है। कास्परोव ने आनंद के खिलाफ उस मुकाबले में दबदबा बनाया था और 20 बाजी का मुकाबला 10.5-7.5 से जीता था। 2004 में संन्यास लेने के बाद से कास्परोव केवल प्रदर्शनी या ब्लिट्ज प्रतियोगिताओं में ही खेले हैं जबकि आनंद अब कभी-कभार शीर्ष प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं।

इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रतिदिन चार बाजी होंगी जिसमें दो रैपिड और दो ब्लिट्ज बाजी होंगी। पहले दिन जहां चार अंक दांव पर होंगे तो वहीं दूसरे दिन यह दोगुने हो जाएंगे और प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलेंगे।

कोरिया में तीरंदाजी सबसे लोकप्रिय खेल : ब्रैडी

कोलकाता, एजेंसी

- अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ने भारत में पसंद किए जाने वाले क्रिकेट से तुलना की

अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ब्रैडी एलिसन ने कहा कि दक्षिण कोरिया की तीरंदाजी में बादशाहत वहां के पेशेवर ढांचे का परिणाम है, जहां इस खेल की लोकप्रियता की तुलना भारत में क्रिकेट की तरह है। कोरिया का दबदबा पेरिस 2024 ओलंपिक में भी कायम रहा जहां महिलाओं की टीम ने लगातार 10वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता।

कोरिया की महिला टीम 1988 सियोल ओलंपिक से अब तक अजेय रही है। पुरुष वर्ग में किम वू-जिन ने अपने करियर का पांचवां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता जो किसी भी तीरंदाज द्वारा सबसे ज्यादा है। पांच बार के ओलंपियन एलिसन ने दिल्ली में आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) से इतर पीटीआई को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा कोरिया दुनिया का इकलौता देश है जहां तीरंदाजी के लिए समर्पित पेशेवर प्रणाली है। उनके हर तीरंदाज का मुख्य पेशा यह है और उनकी रोजी रोटी इस खेल से चलती है।

उन्होंने कहा वहां तीरंदाजी वैसी है जैसे भारत में क्रिकेट या अमेरिका में फुटबॉल। बच्चे काफी कम उम्र से ही पेशेवर तीरंदाज बनने का सपना देखते हैं। उनके 50वें रैंक के खिलाड़ी की आमदनी शायद मुझसे ज्यादा है। एलिसन ने कहा कि कोरिया में तीरंदाज ओलंपिक की तैयारी करने वाले नहीं, बल्कि पूर्णकालिक पेशेवर माने जाते हैं।

नया विवाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने गजब मांग कर दी, द टाइम्स के लिए लिखे कॉलम में दिया एशिया कप के हंगामे का हवाला

आईसीसी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के मुकाबले बंद हों : अथर्टन

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल अथर्टन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबलों को पूरी तरह से बंद करने की मांग की है, क्योंकि खेल व्यापक तनाव और दुष्प्रचार का माध्यम बन गया है।

द टाइम्स के लिए लिखे एक तीखे कॉलम में आथर्टन ने एशिया कप में हाल ही में हुए हंगामे का हवाला दिया, जहां भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया था। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी विजेता ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गए थे, क्योंकि भारतीयों ने उनसे ट्रॉफी लेने से इन्कार कर दिया था। अथर्टन ने कहा भारत और

पाकिस्तान 2013 से हर आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में एक-दूसरे से भिड़ते रहे हैं।

उन्होंने कहा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि शुरुआती चरण एकल राउंड रोबिन रहा हो- जिसकी एक वजह भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले की अनिवार्यता है या फिर कई ग्रुप जहां मुकाबले के कार्यक्रम के लिए ड्रॉ का आयोजन बड़े सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने 26 भारतीयों की हत्या कर दी थी, जिसके बाद मई में भारत ने सैन्य कार्रवाई की थी।

आथर्टन ने लंदन के द टाइम्स में लिखा दोनों देशों के बीच कम मैचों (शायद आंशिक रूप से इसकी कमी) के कारण यह एक ऐसा मुकाबला है जिसका आर्थिक प्रभाव बहुत अधिक है, यही एक मुख्य कारण है कि आईसीसी टूर्नामेंटों के प्रसारण अधिकार इतने अधिक कीमती हैं - सबसे हालिया अधिकार 2023-27 चक्र के लिए लगभग तीन अरब डॉलर में। उन्होंने कहा द्विपक्षीय मुकाबलों के महत्व में अपेक्षाकृत गिरावट के कारण आईसीसी प्रतियोगिताओं की आवृत्ति और महत्व बढ़ गया है और इसलिए भारत और पाकिस्तान के बीच मैच उन देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिनका अन्यथा खेल में कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा फिलहाल आईसीसी प्रतियोगिताओं में ही दोनों टीम के बीच मुकाबले होते हैं और अब जब इस प्रतिद्वंद्विता का दूसरे तरीकों से फायदा उठाया जा रहा है।

रणनीति में बदलाव करना चाहिए

आथर्टन ने कहा कि अब समय आ गया है कि दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच आईसीसी प्रतियोगिताओं में कम से कम एक बार भिड़ंत सुनिश्चित करने वाली रणनीतिक रूप से समर्थित व्यवस्था को समाप्त किया जाए। हाल ही में हुए एशिया कप में ड्रॉ और कार्यक्रम ऐसा था कि तीन हफ्तों के इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें हर रविवार को आमने-सामने थीं। अगर क्रिकेट कभी कूटनीति का जरिया था तो अब यह स्पष्ट रूप से व्यापक तनाव और दुष्प्रचार का माध्यम बन गया है। किसी भी गंभीर खेल के लिए अपनी आर्थिक जरूरतों के हिसाब से टूर्नामेंट के मैच आयोजित करना उचित नहीं है और अब जब इस प्रतिद्वंद्विता का दूसरे तरीकों से फायदा उठाया जा रहा है।